जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, रविवार 25 जनवरी, 2026

बुकिंग के बाद रसीद नहीं

घर की चाबी भी लेकर जाओ

केडिया सेजस्थान में हो चुका है

पजेशन शुरू

अब हर महीने रेट बढ़ेंगी...

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट छोटी-छोटी प्राइस में

कोठी ₹4700/ Sq Ft से शुरू

वॉक-अप अपार्टमेंट ₹4000/ Sq Ft से शुरू

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

वनों की प्रतिरोधक क्षमता के लिए प्राकृतिक जलवायु समाधान अपरिहार्य हैं

वन प्रतिरोधक क्षमता का तात्पर्य है कि वन किस हद तक प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन और मानव गतिविधियों के प्रभावों से उबर सकते हैं। यह क्षमता उन वनों को परिभाषित करती है जो संकटों का सामना कर पुनः अपनी पारिस्थितिकीय स्थिति को बनाए रखते हैं। प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न मानदंडों का उपयोग किया जाता है जैसे जैव विविधता, वनस्पति संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं। प्रतिरोधक क्षमता वाले उष्णकटिबंधीय वन वे हैं जो प्राकृतिक आपदाओं जैसे तूफान, सूखा, आग आदि के बाद भी तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। इसके उदाहरण के रूप में अमेज़न वर्षावन को देखा जा सकता है जो कई दशकों से कई प्रकार के संकटों का सामना करते हुए भी अपने जैव विविधता को बनाए रखने में सक्षम रहे हैं। इन वनों की पहचान करने के लिए वैज्ञानिक विभिन्न संकेतकों का उपयोग करते हैं जैसे वनस्पति का घनत्व, प्रजातियों की विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की कार्यक्षमता।

वन प्रतिरोधक क्षमता का महत्व कई कारणों से है। सबसे पहले, यह वन संरक्षण में सहायक होती है। प्रतिरोधक वनों का संरक्षण करने से अन्य वनों की तुलना में इनकी जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखना आसान होता है। वन बहाली में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि प्रतिरोधक वनों को बहाल करने के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और यह तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। प्रतिरोधक वनों का महत्व कई पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए भी होता है। ये वन जल चक्र को संतुलित रखते हैं, मिट्टी के क्षरण को रोकते हैं और स्थानीय जलवायु को नियंत्रित करते हैं। इसके साथ ही, प्रतिरोधक वनों में फूलों और जीवों की विविधता अधिक होती है, जिससे जैव विविधता को संरक्षित करने में मदद मिलती है। कार्बन अवशोषण में भी प्रतिरोधक वनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ये वन अधिक कार्बन को अवशोषित कर वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है। इस प्रकार, प्रतिरोधक वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु समाधान के रूप में महत्वपूर्ण है।

स्थिरता की दृष्टि से भी प्रतिरोधक वन महत्वपूर्ण होते हैं। ये वन न केवल पर्यावरण को संरक्षित करते हैं बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी समर्थन प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण–पूर्व एशिया के वन स्थानीय समुदायों को खाद्य, जल और औषधीय पौधों की आपूर्ति करते हैं। इसके अलावा, पर्यटन के माध्यम से भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण होती है। वे वन संरक्षण और बहाली में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

वनों और वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बचाना एक प्राकृतिक जलवायु समाधान है। ये वन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा, ये स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी समर्थन प्रदान करते हैं। इसलिए, इन वनों का संरक्षण और बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है। उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। वन संरक्षण और बहाली के लिए नीतियों का निर्माण और उनका कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके साथ ही, पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे लोग वनों के महत्व को समझ सकें और उनके संरक्षण में भाग ले सकें। इस प्रकार, हम एक स्थायी और संतुलित पर्यावरण की ओर बढ़ सकते हैं, जिसमें वनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

वन प्रतिरोधक क्षमता, जिसे पारिस्थितिक प्रतिरोधक क्षमता के रूप में भी समझा जाता है, वन पारिस्थितिक तंत्र की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। यह वन पारिस्थितिकी तंत्र की उस क्षमता को दर्शाती है जो उसे प्राकृतिक और मानवजनित खतरों से उबरने में सक्षम बनाती है। जैसा कि पहले कहा गया है, इसमें तूफान, सूखा, आग, कीट संक्रमण और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं। प्रतिरोधक क्षमता के बिना, वन पारिस्थितिकी तंत्र इन खतरों के सामने अस्थिर हो सकते हैं और अपनी पारिस्थितिकीयकार्यक्षमताओं को खो सकते हैं। उदाहरण के लिए, अमेज़न के वर्षावन जो कि विश्व के सबसे बड़े उष्णकटिबंधीय वनों में से एक है,ने कई प्राकृतिक और मानवजनित खतरों का सामना किया है। इसके बावजूद,अपनी जैव विविधता को संरक्षित रखा है और यही इसकी उच्च प्रतिरोधक क्षमता का संकेत है।

कार्बन अवशोषण की दृष्टि से, प्रतिरोधक वन जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये वन अधिक मात्रा में कार्बन को अवशोषित करते हैं और इसे दीर्घकालिक रूप से संग्रहीत करते हैं। यह कार्बन अवशोषण प्रक्रिया वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने में मदद करती है, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का प्रभाव कम होता है।

प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक मानदंडों का उपयोग किया जाता है। इनमें जैव विविधता, वनस्पति संरचना, और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं शामिल हैं। जैव विविधता प्रतिरोधक क्षमता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है क्योंकि विविध प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। वनस्पति संरचना भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एक सुसंगठित वन संरचना पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और कार्यक्षमता को बनाए रखने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, एक अध्ययन ने दिखाया कि उच्च जैव विविधता वाले वन सूखा के प्रभावों से तेजी से उबरते हैं।

प्रतिरोधक वनों का संरक्षण वन पारिस्थितिकी तंत्र के स्थायित्व को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। यह संरक्षण न केवल जैव विविधता को बनाए रखता है बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को भी बनाए रखता है जो मानव जीवन के लिए आवश्यक हैं। वन बहाली के संदर्भ में, प्रतिरोधक वनों को बहाल करने के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और ये तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जब हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की बात करते हैं। एक उदाहरण के रूप में, मध्य अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में वन बहाली परियोजनाओं ने दिखाया है कि उच्च प्रतिरोधकता वाले वन तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं और अधिक कार्बन का अवशोषण करते हैं।

कार्बन अवशोषण की दृष्टि से, प्रतिरोधक वन जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये वन अधिक मात्रा में कार्बन को अवशोषित करते हैं और इसे दीर्घकालिक रूप से संग्रहीत करते हैं। यह कार्बन अवशोषण प्रक्रिया वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने में मदद करती है, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का प्रभाव कम होता है। एक अध्ययन के अनुसार, उष्णकटिबंधीय वनों में कार्बन संठाहण की क्षमता उच्च होती है, विशेषकर जब वे उच्च जैव विविधता वाले होते हैं। इस प्रकार, प्रतिरोधक वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु परिवर्तन को कम करने में एक महत्वपूर्ण रणनीति है।

स्थानीय समुदायों की आजीविका के संदर्भ में भी प्रतिरोधक वनों का महत्व अनदेखा नहीं किया जा सकता है। ये वन स्थानीय समुदायों को खाद्य, जल, और औषधीय पौधों की आपूर्ति करते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण–पूर्व एशिया के वनों में रहने वाले समुदाय अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर होते हैं। इसके अलावा, पर्यटन भी इन वनों से जुड़ा हुआ है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है। प्रतिरोधक वनों का संरक्षण स्थानीय समुदायों को स्थायी आर्थिक लाभ प्रदान कर सकता है।

उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। तीसरा तरीका है स्थानीय समुदायों की भागीदारी को बढ़ावा देना। स्थानीय समुदाय वन संरक्षण और बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम चलाना महत्वपूर्ण है ताकि लोग वनों के महत्व को समझ सकें और उनके संरक्षण में सक्रिय भाग ले सकें।

अंत में, उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। वन संरक्षण और बहाली के लिए नीतियों का निर्माण और उनका कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके साथ ही, पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे लोग वनों के महत्व कोसमझ सकें और उनके संरक्षण में भाग ले सकें। इस प्रकार, हम एक स्थायी और संतुलित पर्यावरण की ओर बढ़ सकते हैं, जिसमें वनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

वन प्रतिरोधक क्षमता एक महत्वपूर्ण अवधारणा है जो वन पारिस्थितिक तंत्र की दीर्घकालिक स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। प्रतिरोधक क्षमता का महत्व न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी है। जैव विविधता, वनस्पति संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रतिरोधक क्षमता के मुख्य घटक हैं। उष्णकटिबंधीय वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु परिवर्तन को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को समर्थन प्रदान करने में महत्वपूर्ण है। सामूहिक प्रयासों और नीतियों के माध्यम से हम उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं और एक स्थायी भविष्य की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

वन प्रतिरोधक क्षमता उष्णकटिबंधीय वन पारिस्थितिक तंत्र में विनाशकारी परिवर्तनों से बचाव कर सकती है। परिवर्तन सामान्य है, लेकिन यह अचानक और कठोर विपरीत स्थिति में परिवर्तित हो सकता है। हालांकि विभिन्न घटनाएँ ऐसे परिवर्तनों को उत्प्रेरित कर सकती हैं, अध्ययन बताते हैं कि प्रतिरोधक क्षमता की हानि आमतौर पर वैकल्पिक स्थिति की ओर ले जाती है। इसका मतलब है कि ऐसे पारिस्थितिक तंत्रों के सतत प्रबंधन की रणनीतियों को प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने पर केंद्रित होना चाहिए। प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देना न केवल पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और जैव विविधता को बनाए रखेगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को सुरक्षित रखने में भी मदद करेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंगप्रोफेसर)

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

यूएपीए मास्टरमाइंड को जेल और प्यादे को ज़मानत

सूर्य प्रतापसिंह राजावत

हाल ही में 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़ा एक बड़ा साज़िश का मामला, जिसमें 54 लोगों की जान चली गई थी, दो आरोपियों उमर खालिद और शरजील इमाम को ज़मानत न मिलने के कारण काफी चर्चा में है, जिन पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए 1967), आइपीसी और अन्य कानूनों के तहत चार्जशीट दायर की गई है। यह बात शायद सोशल मीडिया पर किसी का ध्यान नहीं गया होगा, लेकिन वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे, रिटायर्ड जस्टिस मदन बी लोकुर और रिटायर्ड जस्टिस सुधांशु धूलिया के एक पैनल ने, जिसके मॉडरेटर वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल थे, इस पर चर्चा की। ये सभी सुप्रीम कोर्ट से जुड़े हैं। कपिल सिब्बल ने इस पैनल चर्चा को वायरल किया, जो कई सवाल और आरोप उठाती है, क्योंकि इस बहस को इस तरह की बातों से नुकसान पहुँचाया गया कि अगर कपिल सिब्बल अपने क्लाइंट के लिए ज़मानत नहीं दिलवा पाते हैं, तो बेंच अच्छी नहीं है। पैनल में यह कहने की हिम्मत थी कि जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन वी अंजारिया वाली इस बेंच को इतने महत्वपूर्ण मामले को नहीं देखना चाहिए था। चर्चा यह थी कि भारत के मुख्य न्यायाधीश को भविष्य में इस पहलू पर ध्यान देना चाहिए। पैनल में ईमानदार चर्चा की कमी थी। अगर सिब्बल ने प्रॉसिक्यूशन के वकील को बुलाया होता तो स्वस्थ कानूनी विचार–विमर्श भारत के सभी लोगों के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता था। पैनल चर्चा से ऐसा लगता है कि ऐसे नए दर्शकों को, जिन्हें आपराधिक न्यायशास्त्र का कानूनी ज्ञान नहीं है, यह बताया और मनवाया जा रहा है कि न्यायपालिका पतन की स्थिति में है। यह वीडियो कोर्ट को डराने और उसकी अवमानना के सभी तत्वों को पूरा करता है। सुप्रीम कोर्ट की मीडिया ट्रायल के बादलों को हटाने के लिए फैसले की कानूनी रीडिंग और बर्ड्स व्यू ज़रूरी है। न्यायपालिका संस्था में भारत के लोगों का विश्वास जगाने के लिए कानूनी बिरादरी का यह कर्तव्य है कि वे फैसले की मुख्य बातों को सामने लाएं। फैसला साफ तौर पर लॉजिकल हेडिंग्स के साथ लिखा गया है। मौजूदा चर्चा के लिए मुख्य चार बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

1. लंबे समय तक जेल और अनुच्छेद 21 के तहत संवैधानिक दलील – एन के नजीब, गुरविंदर सिंह, दयामणि मायमोनी के मामलों में रेशियो डेसीडेंडी की सराहना करते हुए, कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 21 को उन मामलों में खालीपन में नहीं समझा जा सकता जहां आरोप यूएपीए जैसे विशेष कानून के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता से संबंधित हैं। फैसले में कहा गया है कि सेक्शन 207 सीआरपीसी के तहत पालन के चरण में, कुछ आरोपियों ने कॉपी लेने से इनकार कर दिया और प्री–चार्ज चरण में देरी में योगदान दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में जमानत के लिए सिर्फ देरी के तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया क्योंकि व्यक्तिगत अधिकार को सामूहिक सुरक्षा के साथ संतुलित किया जाना है। इसलिए लंबे समय तक जेल में रखने के पैरामीटर को यांत्रिक रूप से लागू नहीं किया जा सकता है।

2. यूएपीए केसेक्शन 43डी (5) का वैधानिक ढांचा और जमानत के चरण में न्यायिक जांच का दायरा – फैसले में कहा गया है कि यूएपीए एक्ट के अध्याय 4 और 6 आपराधिक दायित्व को केवल आतंकवादी कृत्य के अंतिम निष्पादन तक सीमित नहीं करते हैं। वे तैयारी, सुविधा, उकसाने और साजिश तक अपराध को बढ़ाते हैं, यह मानते हुए कि कानून द्वारा संबोधित किया जाने वाला खतरा अक्सर हिंसा के किसी भी खुले कृत्य से बहुत पहले ही सामने आ जाता है। इस प्रकार यूएपीए कानून अपराध की घटना–आधारित अवधारणा के बजाय प्रक्रिया–आधारित अवधारणा पर आगे बढ़ता है। धारा 43डी (5) की एक खास बात इसमें "ऐसे व्यक्ति" का साफ तौर पर ज़िक्र है। ऐसी जांच ज़रूरी है जो केस पर नहीं, बल्कि आरोपी पर आधारित हो।

3. यूएपीए की धारा 15 के तहत "आतंकवादी कृत्य" का दायरा और वैधानिक संदर्भ – फैसले में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि धारा 15 के तहत बताए गए परिणाम आतंकवाद के बारे में विधायी समझ को स्पष्ट करते हैं। मृत्यु या संपत्ति के विनाश के अलावा, यह प्रावधान स्पष्ट रूप से ऐसे कृत्यों को भी शामिल करता है जो समुदाय के जीवन के लिए आवश्यक आपूर्ति या सेवाओं को बाधित करते हैं, साथ ही ऐसे कृत्य जो राष्ट्र की आर्थिक सुरक्षा को खतरा पहुंचाते हैं। यह संसद की इस मान्यता को दर्शाता है कि संप्रभुता और सुरक्षा के लिए खतरे ऐसे आचरण से उत्पन्न हो सकते हैं जो नागरिक जीवन या सामाजिक कामकाज को अस्थिर करते हैं, भले ही तत्काल शारीरिक हिंसा न हो। अधिनियम आगे यह भी मानता है कि ऐसे कृत्य सामूहिक और समन्वित प्रयास का परिणाम हो सकते हैं, जैसा कि धारा 18 साजिश, प्रयास, उकसाने, सलाह देने, भड़काने और आतंकवादी कृत्य को जानबूझकर सुविधाजनक बनाने, साथ ही इसे करने की तैयारी के कृत्यों को दंडनीय बनाती है। इस प्रकार वैधानिक योजना यह मानती है कि आतंकवादी गतिविधि में एक सामान्य गैरकानूनी उद्देश्य की ओर अलग–अलग भूमिकाएं निभाने वाले कई लोग शामिल हो सकते हैं।

4. मुख्य साजिशकर्ताओं और दूसरों के साथ व्यक्तिगत भूमिका और व्यवहार में अंतर – फैसले में चर्चा की गई है कि साजिश का कानून बताता है कि कैसे कई व्यक्ति, अलग–अलग स्तरों पर और अलग–अलग समय पर काम करते हुए, एक सामान्य योजना से बंधे हो सकते हैं। यह सिद्धांत दायित्व के प्रश्न का उत्तर देता है। यह अपने आप में इस अलग प्रश्न का उत्तर नहीं देता है कि प्रत्येक व्यक्ति की स्वतंत्रता को अपराध साबित होने से पहले कितने समय तक और किस आधार पर प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसलिए जमानत का फैसला अनिवार्य रूप से एक अलग स्तर पर होता है। इसके लिए अदालत को यह देखना होता है कि प्रत्येक आरोपी पर क्या आरोप लगाए गए हैं, वह आरोप वैधानिक तत्वों में कैसे फिट बैठता है, और क्या उस स्तर पर निरंतर हिरासत कानून द्वारा मान्यता प्राप्त वैध उद्देश्य को पूरा करती है। यह अभ्यास साजिश के अभियोजन मामले को खत्म नहीं करता है। यह केवल यह सुनिश्चित करता है कि मुकदमे से पहले की हिरासत मनमानी या स्वचालित न हो, और वैधानिक प्रतिबंध तर्क, अनुपात और व्यक्तिगत आरोप के प्रति निष्ठा के साथ संचालित हो।

फैसले में इस बात पर भी ज़ोर दिया गया है कि यह अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त है कि अनुच्छेद 21 के अधिकार, हालांकि पूर्ण नहीं हैं, राज्य और अदालत को अपने सामने मौजूद विशिष्ट व्यक्ति के संबंध में निरंतर हिरासत को सही ठहराने की आवश्यकता होती है। सभी आरोपियों के साथ उनकी भूमिकाओं की परवाह किए बिना समान व्यवहार करने से मुकदमे से पहले की हिरासत को व्यक्तिगत परिस्थितियों से अलग एक दंडात्मक तंत्र में बदलने का जोखिम होगा। संवैधानिक जनादेश एक अलग तरह की जांच की मांग करता है: जहां लंबे समय तक हिरासत उन लोगों पर बहुत ज़्यादा बोझ डालती है जिनकी भूमिका सीमित है, वहां व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामूहिक सुरक्षा के बीच संतुलन के लिए सशर्त रिहाई की ज़रूरत हो सकती है, जबकि यही संतुलन उन लोगों के लिए अलग तरह से झुक सकता है जिन पर अपराध को अंजाम देने का आरोप है। प्रबंधकीय ज़िम्मेदारी और सहयोगी या बाहरी आचरण के माध्यम से दूसरों की भागीदारी के लिए ज़िम्मेदार आरोपियों के बीच उचित वर्गीकरण है। इसलिए, मास्टरमाइंड जो संख्या में दो हैं, उनके लिए जेल और बाकी पांच लोगों के लिए ज़मानत। इसलिए, बिना किसी कठिनाई के यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि फैसला अपने आप में सब कुछ कहता है, क्योंकि यह जैसे विशेष कानून और अनुच्छेद 21 की संवैधानिक दलील के साथ–साथ साज़िश के कानून और लंबे समय तक कारावास को ध्यान में रखते हुए ज़मानत याचिका के फैसले के लिए दिशानिर्देशों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि मास्टरमाइंड को जेल और प्यादे को ज़मानत।

सूर्य प्रतापसिंह राजावत
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर।

खाली सीटें और खोखली व्यवस्था

प्रो. अशोक कुमार

भारतीय चिकित्सा शिक्षा के इतिहास में वर्ष 2025 एक टर्निंग पॉइंट, निर्णायक मोड़ के रूप में दर्ज होगा। दशकों तक हमने मेडिकल सीटों की कमी का विलाप किया, लेकिन आज नीट, पी जी और सुपर–स्पेशियलिटी की लगभग 20 प्रतिशत सीटों का खाली रह जाना एक नई और भयावह कहानी बयां कर रहा है। यह रिक्तता केवल सीटों की संख्या नहीं, बल्कि उस विश्वास की रिक्तता है जो एक छात्र अपनी शिक्षा व्यवस्था पर करता है।

इस संकट का सबसे चिंताजनक पहलू कट–ऑफ पर्सेंटाइल में की गई भारी कटौती है। सीटों को भरने की हताशा में नियामक संस्थाओं ने पात्रता के मानकों को इतना नीचे गिरा दिया है कि अब शून्य या उसके निकट अंक पाने वाले भी विशेषज्ञता की दौड़ में शामिल हो रहे हैं।

पर्सेंटाइल कम करना इस बात का स्वीकार है कि व्यवस्था अब योग्य डॉक्टर बनाने के बजाय केवल सीटें भरने और राजस्व बचाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। जब प्रवेश का मापदंड योग्यता के बजाय केवल सीट भरने की औपचारिकता रह जाता है, तो चिकित्सा जैसे संवेदनशील पेशे की बौद्धिक और नैतिक नींव हिल जाती है। यह उन मेधावी छात्रों के साथ भी अन्याय है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की तलाश में हैं। पिछले दशक में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में तीव्र वृद्धि हुई है। कागजों पर यह बड़ी उपलब्धि है, लेकिन धरातल पर सच्चाई इसके विपरीत है। चिकित्सा शिक्षा का आधार क्लिनिकल एक्सपोज़र (मरीजों के साथ अनुभव) है। आज कई कॉलेजों में शानदार इमारतें तो हैं, पर वार्ड खाली हैं। छात्र समझ चुके हैं कि डिग्री भले ही पैसे या कम पर्सेंटाइल से मिल जाए, पर पेशेवर विश्वसनीयता केवल मरीजों के बीच रहकर ही अर्जित होती है।

■ मेडिकल शिक्षा का बदलता यथार्थ

एनाटॉमी, फिज़ियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री जैसे आधारभूत विषयों में पीजी की सीटें खाली पड़ी हैं। इन क्षेत्रों में करियर के सीमित अवसर और कम सामाजिक सम्मान ने इन्हें प्राथमिकता सूची से बाहर कर दिया है। मानकों में ढील देकर सेवानिवृत्त शिक्षकों की पुनर्नियुक्ति ने इस क्षेत्र में शिक्षण–प्रशिक्षण की जीवंतता को समाप्त कर दिया है।

निजी मेडिकल कॉलेजों में घोस्ट फैकल्टी (कागजी शिक्षक) और निरीक्षण के समय खड़े किए गए नकली मरीज एक खुला रहस्य हैं। नेशनल मेडिकल कमीशन के प्रयासों के बावजूद, यह भ्रष्टाचार शिक्षा की गुणवत्ता को खानापूर्ति तक सीमित कर रहा है। जब छात्र देखते हैं कि उनके शिक्षक ही वहां स्थायी नहीं हैं, तो उनका मोहभंग होना स्वाभाविक है।

समाधानः व्यवस्था के पुनरुद्धार का मार्ग इस खोखली होती व्यवस्था को बचाने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक जैसे सुधारों की आवश्यकता है:

सीटें भरने के लिए पर्सेंटाइल को न्यूनतम स्तर पर ले जाने की प्रवृत्ति को रोकना होगा। पात्रता के मानक ऊंचे होने चाहिए ताकि विशेषज्ञ डॉक्टरों की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। यदि सीटें खाली रहती हैं, तो यह व्यवस्था के लिए आत्मचिंतन का विषय होना चाहिए, न कि मानकों को गिराने का बहाना। नेशनल मेडिकल काउंसिल को मान्यता का आधार केवल इंफ्रास्ट्रक्चर को नहीं, बल्कि एक्चुअल बेड ऑक्यूपेंसी और लाइव सर्जरी डेटा को बनाना चाहिए। डिजिटल मॉनिटरिंग और बायोमेट्रिक उपस्थिति को बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के लागू करना अनिवार्य है। इन विषयों को आकर्षक बनाने के लिए विशेष रिसर्च ग्रांट और उच्च वेतनमान देना होगा। विशेषज्ञों को फार्मास्युटिकल रिसर्च और पब्लिक हेल्थ पॉलिसी में प्राथमिकता देकर उनके करियर के दायरे को विस्तार देना होगा। युवा डॉक्टरों को शिक्षण की ओर आकर्षित करने के लिए बेहतर कार्य वातावरण देना होगा। सेवानिवृत्त शिक्षकों पर निर्भरता कम कर युवा ऊर्जा को प्राथमिकता देनी होगी। निजी कॉलेजों में शिक्षा के बाजारीकरण और छिपे हुए खर्चों को रोकना होगा। एक पारदर्शी और किफायती फीस ढांचा (2020 के अनुरूप) सुनिश्चित करना होगा ताकि मेधावी छात्र केवल आर्थिक कारणों से अच्छी सीटों से वंचित न रहें।

निष्कर्ष--खाली सीटें और गिरता पर्सेंटाइल इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय मेडिकल छात्र अब डिग्री की भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय दक्षता को चुन रहा है। यह व्यवस्था के लिए अंतिम चेतावनी है। यदि हमने मेडिकल कॉलेजों को केवल डिग्री बांटने वाली फैक्ट्रियां बने रहने दिया, तो भविष्य में संकट सीटों की कमी का नहीं, बल्कि भरोसे की कमी का होगा। सच्चा समाधान सीटों की संख्या बढ़ाने में नहीं, बल्कि सीटों को गुणवत्ता/योग्यता से भरने में है।

–प्रो. अशोक कुमार,
विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

अंधकार में भी प्रकाश की यह किरण

अभिरुचि शर्मा

पहली वर्षा और धरती की सौंधी महक का सहज–स्वभाविक नाता है। आषाढ़ की पहली बूंद धरती पर गिरते ही धरती का सौंधापन स्वतः बाहर निकल आता है। उस दिन भी कुछ ऐसा ही वाकया मेरे साथ हुआ–दो युवा विद्यार्थी आकाश में बने इन्द्रधनुष को देख अचरज से अचंभित हो कह रहे थे कि कितना बड़ा इन्द्रधनुष!

अवध नाम के भवन के बाहर हरी–भरी वाटिका के पास खड़े यह विद्यार्थी मुझे बेहद जिज्ञासु और उत्सुक जान पड़े। आम, नीम, जामुन, मौलश्री और अनेक लताओं से आच्छादित यह वाटिका भवन मुझे बेहद दिव्य और अनुपम जान पड़े। मेरे कदम स्वतः स्फूर्त उधर ही बढ़ चले। शंका और संकोच से जब मैंने अंदर झांका तो अवाक रह गई। मानों हम भारत के लोग विश्व का पालन–पोषण और संरक्षण करने वाली एक महाशक्ति के रूप में स्थापित होकर समस्त भू–मंडल एवं ब्रह्माण्ड को शांति, समृद्धि, समरसता और परस्पर पूरकता से भर रहे हों। वहाँ बहुत ही अनुशासित उन जैसे 15–20 विद्यार्थी अपने–अपने अध्ययन–ध्यान में इतने निमग्न थे कि मुझे लगा जैसे मैं महर्षि जाबालि के आश्रम में पहुंच गई हूँ, क्योंकि किसी भी देश का संपूर्ण भविष्य उसके प्रबुद्ध वर्ग पर निर्भर होता है और यही वर्ग ईमानदार, कर्मठ, स्वतंत्र और निष्पक्ष है तो उस पर भरोसा किया जा सकता है कि वही सही समय पर देश को उचित नेतृत्व प्रदान करेगा।

इसी अभिरुचि से, त्याग से, तत्परता से, कर्मठता से युवा वर्ग जब देश के दमित और दरिद्र वर्ग की बाँह पकड़ अपने बाहुबल का सहारा देकर उठ खड़े होने का संबल दे तो सहजता, समानता स्वर्णिम हो उठेगी। ऐसा लगा जैसे अफलातून ने ऐथेंस के निकट अपने दर्शन शास्त्र के स्कूल की स्थापना की हो तथा जिसका नाम ऐकेडेमस रखा हो। ये विद्यार्थी वह प्रतियोगी परीक्षार्थी थे जो अपने–अपने गाँव छोड़कर महानगर में परीक्षा की तैयारी के लिए आये थे। इनका इतना दत्तचित होकर अध्ययन, मनन–चिंतन देखकर कोई भी अभिभूत हो जाएगा। ये विद्यसर्थी ना केवल अपनी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे वरन दलित–दमित कचरा बीनने वाले बच्चों को कुछ समय देकर अक्षर ज्ञान, गिनती–पहाड़े, अंग्रेजी भी सिखा रहे थे, साथ ही स्वच्छता का पाठ भी पढ़ा रहे थे। यही मानवता के लिए जीने–मरने और कुछ कर गुजरने का श्रेष्ठत्तम ढंग है क्योंकि इसी सोच में श्वास लेकर परिश्रम और तकनीकी के माध्यम से वैभव प्राप्त किया जा सकता है। इस अंधकार में भी प्रकाश की जो यह किरण प्रगट हुई है उससे निश्चित ही एक दिन भारत सहित समस्त भू–मंडल आलोकित होगा। यह दायित्व बोध जाग्रत होना सामान्य–सी दिखाई देने वाली एक असाधारण ईश्वरीय घटना है, यही हमारी सुख की अनुभूति करने का बीज मंत्र है। हम पुनः अपने भावलोक सृष्टि को सुखद, समरस न्याय परायण और समृद्ध बनाने में सफल हो सकें यही नियति का निर्देश है और इसी में राष्ट्र और विश्व का मंगलमय भविष्य निहित है क्योंकि व्यक्तिगत विजय सार्वजनिक विजय से पहले आती है, अतः आत्मनियंत्रण और आत्म अनुशासन ही अच्छे संबंधों की आधारशिला है।

यह असाधारण अनुभव मेरे लिए मानो स्थाई हो गया। यही मानवता के लिए जीने–मरने और कुछ कर गुजरने का श्रेष्ठतम ढंग है। यह कहना सर्वथा तर्क सम्मत है कि अब भारत के राम ने भारत की कमान संभाल ली है।

–अभिरुचि शर्मा,
स्वतंत्र लेखिका

राशिफल रविवार 25 जनवरी, 2026

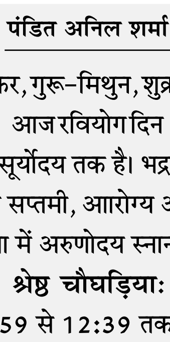

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, रेवती नक्षत्र दिन 1:36 तक, सिद्ध योग दिन 11:46 तक, गर करण दिन 11:55 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:36 से मेष राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य–मकर, चन्द्रमा–मीन, मंगल–मकर, बुध–मकर, गुरू–मिथुन, शुक्र–मकर, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज रवियोग दिन 1:36 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:36 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 11:11 से आरम्भ होगी। आज सूर्य रथ सप्तमी, आारोग्य और अवला सप्तमी, भानु सप्तमी, मन्वादि, गंगा में अरुणोदय स्नान है। पंचक दिन 1:36 पर समाप्त होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:39 से 9:59 तक, लाभ–अमृत 9:59 से 12:39 तक, शुभ 1:59 से 3:19 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:59

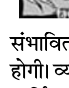

मेष
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

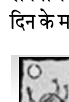

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। दिन के मध्यान्ह अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

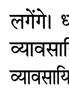

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

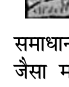

सिंह
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

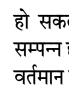

वृश्चिक
परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

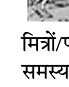

धनु
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यक्तिगत/पारिवारिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

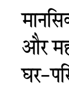

मीन
मनः स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 174 प्रभात जयपुर, रविवार 25 जनवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

AN ODE TO ARUN KHETARPAL

"Are you bonkers? We are going for war," exclaimed Brijendra. "Certainly not. We will be winning this war and both these items will be required in Lahore!"

BR Ambedkar On Gandhi

How One Call Forced Pakistan to Surrender in 1971 Indo-Pak War

राहुल भी उस सुविधा के आरामदेह जाल में फंस गये हैं, जिसमें सोनिया गांधी फंसी थीं

सोनिया गांधी सदा इस बात से बचती थीं , कि पार्टी अपनी हार के कारणों पर गंभीरता से बहस करे, और यह तय हो कि, हार के लिये जिम्मेवार कौन था

- उस समय राहुल गांधी ने पुरजोर ढंग से कहा था, यह स्थिति अब नहीं चलेगी, तथा वे पूरी व्यवस्था बदल देंगे।
- राहुल का यह भी मानना है कि उनके सलाहकारों का समूह, सोनिया गांधी के सलाहकारों की कोर टीम से बेहतर है।
- पर, राहुल गांधी भी अब उस आराम के आदी हो गए हैं, जिसमें उन्हें कुछ करना नहीं पड़ता और किसी पर भी हार की जिम्मेवारी तय करके दंड या पारितोषिक नहीं देना पड़ता।
- और, राहुल ने पार्टी को चलाने की जिम्मेवारी अपने खास लोगों पर छोड़ रखी है। पर, पार्टी के लिए चिंता का विषय यह है कि, इन ''खास लोगों'' को राजनीतिक अनुभव नहीं, और ना ही उन्हें समझ है, आज की राजनीति के कड़े संघर्ष को गहराई से जांचने की।
- जबकि दूसरी ओर पार्टी का मुकाबला भाजपा व संघ के चुस्त व दुरुस्त संगठन से है। सोनिया जी के समय के, पुराने वरिष्ठ सलाहकार अब नहीं रहे, जिन्हें अनुभव था राजनीति निर्णय लेने का सामर्थ्य भी दे रखा था पार्टी में।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। लगातार हारों के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व अब तक हार की समीक्षा और जिम्मेदारी तय करने के मुद्दे पर उलझा हुआ है। पूर्व में पार्टी में इन हारों के लिए ''इनाम और सज़ा'' की बात हुई थी, पर कोई जवाबदेही तय नहीं की गई।

राहुल गांधी उस समय स्पष्ट थे कि यह सिस्टम जारी नहीं रह सकता और उन्होंने पूरा सिस्टम बदलने का वादा किया था। लेकिन अब राहुल और उनके नए सलाहकार, जो सोनिया गांधी की कोर टीम और पुराने सलाहकारों से बेहतर बताए जा रहे हैं, उसी जाल और उसी स्तर के आराम में फंस गए हैं।

एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, राहुल भी अब उसी आरामदायक स्तर पर हैं, जिस पर सोनिया गांधी थीं, जहाँ वे कुछ नहीं करके और बहुत सारी पराजयों के लिए किसी को जिम्मेवारी और जवाबदेही नहीं देकर खुश हैं।

दिलचस्प बात है कि सोनिया गांधी के समय पार्टी में बहुत ज्यादा अनुभवी और प्रभावशाली नेता मौजूद थे, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जो मुद्दे हैं उन्हें पार्टी नेतृत्व के साथ उठाना है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल विधानसभा चुनावों पर चर्चा के लिए दिल्ली में हुई कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक में अपनी अनुपस्थिति को लेकर सार्वजनिक अटकलों में पड़ने से साफ़ इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर पहले ही पर्याप्त चर्चा हो चुकी है और यदि कोई मुद्दा होगा भी, तो वह सीधे पार्टी नेतृत्व के समक्ष उठाया जाएगा।

केरल लिटरेचर फेस्टिवल में बोलते हुए तिरुवनंतपुरम से चार बार के

- केरल के कांग्रेस नेताओं की दिल्ली में हुई मीटिंग में नहीं आने पर थरुर ने सफाई दी कि वे पार्टी के मंच पर ही इस बारे में बात करेंगे किसी और मंच पर नहीं।

सांसद थरूर ने स्पष्ट किया कि वे पार्टी के अन्दरुनी मामलों को उठाने के लिए किसी सार्वजनिक मंच का उपयोग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं यहां कोई राजनीतिक घोषणा करने नहीं आया हूं। यह एक साहित्यिक उत्सव है। ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें मुझे अपनी पार्टी के नेतृत्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वंदे मातरम के दौरान भी सीधे खड़ा होना पड़ेगा

केन्द्र सरकार राष्ट्र गीत वंदे मातरम को राष्ट्र गान जन गण मन जैसा दर्जा देने की तैयारी में है

- राष्ट्र गान जन गण मन जब बजाया जा रहा हो तब खड़े होना अनिवार्य है और इसके लिए प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट बनाया गया है, पर वंदे मातरम में ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं है। केन्द्र सरकार वंदे मातरम को भी राष्ट्र गान, जन गण मन जैसा दर्जा देने की तैयारी में है।
- इस सम्बध में गृह मंत्रालय की उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई थी। चर्चा है कि भाजपा सरकार बंगाल चुनावों के मद्देनजर वंदे मातरम के मुद्दे को छोड़ना नहीं चाहती है और इस आधार पर वोटों के ध्रुवीकरण की उम्मीद कर रही है।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 24 जनवरी। क्या भारत के राष्ट्र गीत को राष्ट्रीय गान के समान दर्जा और सम्मान मिलना चाहिए?

इस महीने की शुरुआत में गृह मंत्रालय ने एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम्'' को राष्ट्र गान के समान सम्मान सुनिश्चित करने के लिए एक विधिवत प्रस्ताव तैयार करना था।

वर्तमान समय में, दोनों गीतों के लिए कानूनी और अनिवार्य प्रोटोकॉल में एक महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है। उदाहरण के लिए, जब राष्ट्र गान बजाया जाता है तो खड़ा होना अनिवार्य है और ऐसा न करने या इनकार करने पर ''प्रीवेन्शन ऑफ इन्सल्ट्स नैशनल ऑनर एक्ट, 1971'' के तहत दंड का प्रावधान है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय गीत के बजने पर खड़ा होना अनिवार्य बनाने वाला कोई लिखित नियम या कानूनी बाध्यता फिलहाल मौजूद नहीं है।

वंदे मातरम् पर भाजपा सरकार का नया जोर आगामी विधानसभा चुनावों, विशेषकर पश्चिम बंगाल में, हिंदू मतों के एकीकरण की पार्टी की राजनीतिक रणनीति के अनुरूप देखा जा रहा है। इस गीत को लेकर ऐतिहासिक, धार्मिक और राजनीतिक व्याख्याओं से जुड़े विवाद लंबे समय से रहे हैं। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत उनके उपन्यास ''आनंद मठ'' से लिया गया है और इसमें कुल छह अंतरे (स्टैन्ज़ा) हैं, जिनमें हिंदू देवी की छवियां शामिल हैं। पार्टी के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को ध्यान में रखते हुए, कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 की बैठक में केवल पहले दो अंतरों के प्रयोग का निर्णय लिया था, क्योंकि बाद के अंतरे मुस्लिम समुदाय के कुछ वर्गों को अलग-थलग कर सकते थे।

यह विवाद पिछले वर्ष गीत की 150वीं वर्षगांठ पर फिर से उभरा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तर्क दिया कि कांग्रेस द्वारा गीत को संक्षिप्त किए जाने का देश के विभाजन में योगदान रहा। कांग्रेस ने इस निर्णय का बचाव करते हुए इसे सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम बताया। कुछ मुस्लिम विद्वानों, जैसे मौलाना अरशद मदनी, ने कहा है कि वे राष्ट्रीय गीत का सम्मान करते हैं, लेकिन, एकेश्वरवाद से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं के कारण, इसके सामूहिक गायन में भाग नहीं ले सकते।

1905-08 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान ''वंदे मातरम्'' एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुरानों पर संदेह है और नयों पर भरोसा नहीं हो रहा

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सेना के उच्च पदों पर तैनात अपने पुराने साथियों को हटा रहे हैं, पर उनकी जगह नई नियुक्तियां नहीं कर पा रहे हैं

- हाल ही में शी ने अपने पुराने साथी और बेहद वफादार रहे जनरल झांग को पद से हटा दिया, वे चीन के सर्वशक्तिमान सैंट्रल मिलिटरी कमिशन के वाइस चेयरमैन थे।
- जनरल झांग और शी की राजनैतिक व सामाजिक पृष्ठभूमि एक जैसी थी इसीलिए जनरल झांग शी के बेहद विश्वासपात्र बन गए। लेकिन शी ने भ्रष्टाचार के संदेह में जनरल झांग को हटा दिया है।
- असल में शी ज़िनपिंग ने चीन की सेना का शुद्धिकरण शुरु किया है, क्योंकि, भारी भ्रष्टाचार की खबरें मिल रही थीं पर इससे सेना के उच्चस्तर पर एक खालीपन सा आ गया है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। चीन ने अपने सबसे बड़े सैन्य अधिकारी को हटा दिया है। यह कदम राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा चलाए जा रहे उस कठोर अभियान का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें उन सभी लोगों को हटाया जा रहा है, जो राजनीतिक रूप से या सत्ता के लिहाज से उनके संभावित प्रतिद्वंद्वी हो सकते हैं।

जनरल झांग योउशिया, जो अब तक चीन के अत्यंत शक्तिशाली सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सी.एम.सी.) के उपाध्यक्ष थे, को हटाए जाने के बाद इस सात सदस्यीय शीर्ष सैन्य संस्था में अब केवल एक ही अन्य सदस्य बचा है। यही संस्था चीन की विशाल सेना को नियंत्रित करती है।

शी जिनपिंग ने एक के बाद एक सबसे ताकतवर सैन्य अधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। लगातार चल रही इन कार्रवाहियों में कई शीर्ष सैन्य कमांडरों को पद से हटाकर जेल या हिरासत शिविरों में भेजा गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

थरुर ने कैनडा के प्र.मंत्री की चेतावनी का समर्थन किया

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 24 जनवरी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को सुझाव दिया कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में भारत को कैनडा के प्रधानमंत्री की 'जीवित बने रहने' की अपील से सीख लेनी चाहिए।

- थरुर ने कहा, आज विश्व की व्यवस्था जिसकी लाठी उसकी भैंस पर आधारित है, नियम टूटते जा रहे हैं। भारत को भी कैनडा के प्र.मंत्री की चेतावनी पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा, इस सप्ताह दावोस की बर्फीली पृष्ठभूमि में कैनडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ऐसा भाषण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'10 साल में ए.आई. के उपयोग से भारत की आय में 45 लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा'

जानी मानी कॉरपोरेट सलाहकार व ''चारटर्ड एकाउन्टैंट'' कम्पनी प्राइस वॉटर हाऊस (पी.डब्ल्यु.सी.) का यह आंकलन भारत के लिये बहुत उत्साह वर्धक है

- इस आंकलन का पूरा महत्व समझने के लिये यह जानना जरुरी है, कि देश के बजट में खर्चे का आंकड़ा वर्तमान में कुल 50 लाख करोड़ है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। प्राइस वॉटरहाउस कूपर्स (पी.डब्ल्यु.सी.) इंडिया ने एक व्यापक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई) फ्रेमवर्क पेश किया है, जिसका अनुमान है कि यह टैक्नॉलजी, सन् 2035 तक, पांच मुख्य सेक्टर्स में, नॉमिनल कीमतों पर भारत के लिए लगभग 550 बिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 45 लाख करोड़ रुपये) का अतिरिक्त आर्थिक मूल्य पैदा कर सकती है। यह आंकड़ा चौंकाने वाला है, यह देखते हुए कि खर्च के मामले में भारत के सालाना बजट का आकार 50 लाख करोड़ रुपये है।

आंकड़ों से आगे, फर्म का तर्क है कि भारत के पास न केवल बड़े पैमाने पर ए.आई को लागू करने का, बल्कि ''इन्क्लूसिव ए.आई.'' का एक विश्व स्तर पर विशिष्ट मॉडल बनाने का दुर्लभ अवसर है, एक ऐसा मॉडल जो उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ समाज के हर वर्ग पर सकारात्मक असर डाले।

पी.डब्ल्यु.सी. के अनुसार, अनुमानित आर्थिक लाभ का बड़ा हिस्सा मैन्युफैक्चरिंग, कृषि, हेल्थकेयर, फाइनेंशियल सर्विसेज़ और रिटेल से आएगा, ये ऐसे सेक्टर्स हैं, जो मिलकर लाखों भारतीयों को रोज़गार देते हैं और देश के विकास और प्रगति की चुनौती के केन्द्र में हैं। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन की पिछली लहरों के विपरीत, जो मुख्य रुप से सेवाओं और शहरी इलाकों तक सीमित थीं, पी.डब्ल्यु.सी. का सुझाव है कि ए.आई. का अगला चरण भारत की वास्तविक अर्थव्यवस्था में गहराई तक प्रवेश कर सकता है।

मैन्युफैक्चरिंग में, ए.आई. आधारित ऑटोमेशन, मशीनों की पहले से खराबी पहचानने की तकनीक और गुणवत्ता सुधार से उत्पादन बढ़ेगा और लागत कम होगी, जिससे भारतीय फर्मों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी, भले ही सप्लाई चेन अधिक खंडित और संरक्षणवादी हो जाएं। कृषि क्षेत्र में ए.आई. आधारित सलाह प्रणाली, जिसमें सैटेलाइट डेटा, मौसम की जानकारी और स्थानीय मिट्टी की जानकारी शामिल होगी, खेती की पैदावार बढ़ा सकती हैं, इनपुट की बर्बादी कम कर सकती हैं और छोटे किसानों के लिए आय को स्थिर कर सकती हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में एक लंबे समय से चली आ रही संरचनात्मक कमजोरी है।

हेल्थकेयर को एक और बड़ा लाभार्थी माना जा रहा है। पी.डब्ल्यु.सी. भारत में डॉक्टरों और मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की पुरानी कमी को दूर करने के तरीके के रूप में ए.आई. आधारित जांच प्रणाली, मरीजों की प्राथमिक जांच और दूरस्थ इलाज मॉडल भारत में डॉक्टरों और स्वास्थ्य ढांचे की कमी को कम करने में मदद कर सकती है। यदि जिम्मेदारी से लागू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गणतंत्र दिवस परेडः पहली बार दो विदेशी नेता चीफ गैस्ट होंगे

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 24 जनवरी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फ़ॉन डेर लेयन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो

- भारत सरकार ने गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में बतौर चीफ गैस्ट यूरोपियन आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डर लेयन और यूरोपियन काउन्सिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा को आमंत्रित किया है।

कोस्टा 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर होने वाली भारत की 77वीं गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प के ''गाज़ा स्ट्रिप प्लान'' ने देश के पुराने अमेरिका - इज़रायल विशेष सम्बंधों को खतरे में डाल दिया है?

कतर व टर्की को अमेरिका उस बोर्ड का सदस्य बनाने को आमादा है, जो ''गाज़ा-स्ट्रिप'' का पुनर्निर्माण करेगा। पर, इज़रायल इनकी सदस्यता किसी भी कीमत पर स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

- इज़रायल का सोच है कि कतर के ''हमास'' से अच्छे सम्बंध हैं, और टर्की के राष्ट्रपति एरडोगन, इस समय इज़रायल व प्रधानमंत्री नेतन्याहू के प्रबलतम आलोचक हैं, टर्की को इस्लामिक देशों का नेता बनाने के प्रयास में हैं।
- इज़रायल की आपत्तियों से भी ज्यादा चौंकाने वाली है, इस संदर्भ में अमेरिका की प्रतिक्रिया। अमेरिका ने इज़रायल को साफ कह दिया, उसकी आपत्तियों के बावजूद वह कतर व टर्की को बोर्ड का सदस्य बनाएगा, क्योंकि उस पर (अमेरिका पर) भारी अन्तर्राष्ट्रीय दबाव है, कि ''गाज़ा स्ट्रिप'' के पुननिर्माण को आगे बढ़ाये।
- अमेरिका की प्रतिक्रिया ने अन्तर्राष्ट्रीय ''डिप्लोमैसी'' (कूटनीति में) उसका सोच उजागर कर दिया है कि वह तत्कालिक लाभ (ट्रांज़ैक्शनल अप्रोच) के पक्ष में है, न कि दूरगामी मित्रता व नजदीकियों में।
- यह सोच बहुत चौंकाने वाला तो है ही इसने अन्य देशों को भी चौकन्ना कर दिया है, अमेरिका के वादों के प्रति।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। वॉशिंगटन और यरुशलम के बीच तनाव अब खुलकर सामने आ गया है। इज़रायल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्धोत्तर ग़ाज़ा के लिए वाइट हाउस द्वारा प्रस्तावित बोर्ड को सार्वजनिक रूप से खारिज कर दिया है, लेकिन अमेरिका इज़रायल की आपत्तियों के बावजूद इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देता है। जो मामला पहले कूटनीतिक बैकचैनलों के ज़रिये चुपचाप सुलझाया जा सकता था, वह अब लंबे समय से सहयोगी रहे दो देशों के बीच एक दुर्लभ सार्वजनिक टकराव में बदल गया है। इससे न केवल अमेरिका-इज़रायल संबंधों की गहरी दरारें उजागर हुई हैं, बल्कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के तहत अमेरिका के गठबंधनों को लेकर व्यापक सोच भी सामने आई है।

इस विवाद के केन्द्र में युद्ध के बाद ग़ाज़ा के प्रशासन के लिए वॉशिंगटन द्वारा हाल ही में प्रस्तुत ढांचा है। इस प्रस्ताव में एक निगरानी बोर्ड शामिल है, जिसके पास पुनर्निर्माण, सुरक्षा समन्वय और नागरिक शासन की ज़िम्मेदारी संभालने वाला एक शक्तिशाली कार्यकारी अंग होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस कार्यकारी निकाय में क़तर और तुर्की को शामिल किया गया है-दो ऐसे देश जिन पर इज़रायल गहरा संदेह करता है। इज़रायल लंबे समय से क़तर पर हमास से संबंध रखने का आरोप लगाता रहा है, जबकि राष्ट्रपति तैयप एर्दोआन के नेतृत्व में तुर्की ग़ाज़ा युद्ध शुरू होने के बाद से नेतन्याहू के सबसे मुखर आलोचकों में शामिल रहा है।

इज़रायल की प्रतिक्रिया त्वरित और तीखी रही। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि इस योजना पर इज़रायल से कोई समन्वय नहीं किया गया और यह ''इज़रायल की घोषित नीतिगत प्राथमिकताओं के सीधे खिलाफ है'', विशेषकर युद्ध के बाद ग़ाज़ा में शत्रुतापूर्ण क्षेत्रीय शक्तियों के प्रभाव को रोकने के उसके लक्ष्य के संदर्भ में। इज़रायल के लिए क़तर और तुर्की की भागीदारी कोई तकनीकी विवरण नहीं, बल्कि एक खतरे की रेखा है-क्योंकि यह उस युद्धोत्तर ढांचे का संकेत देती है जिसे इज़रायल उन ताकतों द्वारा आकार दिया हुआ मानता है जो हमास-समर्थित नेटवर्क को निष्प्रभावी करने के बजाय वैधता प्रदान करेंगी।

हालांकि, लोगों को इज़रायल की अस्वीकृति से नहीं, बल्कि वॉशिंगटन की प्रतिक्रिया से भी हैरानी हुई है। वरिष्ठ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वर्षा के बाद भी दिल्ली में प्रदूषण नहीं घटा

नयी दिल्ली, 24 जनवरी। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को हुई बारिश और तापमान में गिरावट के बावजूद शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खराब श्रेणी में बनी रही।

- शहर के कुछ इलाकों में प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में रहा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, शहर के कुछ इलाकों में प्रदूषण का स्तर अब भी बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया है।

सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक शनिवार सुबह दिल्ली का औसत एक्यूआई खराब श्रेणी में रहा, जिसमें सूक्ष्म कणों (पीएम 2.5) की अधिकता देखी गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के कारण तापमान में तो कमी आई है लेकिन प्रदूषण के स्तर में अपेक्षित सुधार नहीं दिखा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

प्राकृतिक खेती से 2 लाख 50 हजार किसानों को मिल रहा लाभ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में मिल रही नई दिशा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ टिकाऊ खेती को मिल रहा प्रोत्साहन, खेती की लागत हो रही कम

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि रसायनों पर निर्भरता कम होने के साथ ही यह खेती सुरक्षित होकर टिकाऊ कृषि की ओर अग्रसर हो। सरकार का लक्ष्य किसानों को रसायन-मुक्त और टिकाऊ प्राकृतिक खेती की ओर प्रोत्साहित करना है, जिससे मिट्टी की उत्पादकता में सुधार हो, खेती की लागत कम हो, किसानों की आय बढ़े और अधिकतम उपज प्राप्त हो सके। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट में व्यापक एवं दूरदर्शी कार्ययोजना की घोषणा की गई है। इसके तहत 2 लाख 50 हजार किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत 2 लाख 25 हजार किसानों को केंद्र सरकार 60 प्रतिशत और राज्य सरकार 40 प्रतिशत योगदान दे रही है। अतिरिक्त 25 हजार किसानों को राज्य सरकार द्वारा शत् प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

प्राकृतिक खेती को संगठित रूप से लागू करने के लिए, 125 किसानों के 50 हैक्टेयर क्षेत्र में 1 क्लस्टर का गठन किया गया है। योजनान्तर्गत राज्य के सभी जिलों में 1 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में 2 हजार क्लस्टर बनाये गये हैं। मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए किसानों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। उदयपुर के प्राकृतिक खेती केंद्र द्वारा विभागीय अधिकारियों, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों एवं किसान मास्टर ट्रेनरों को भी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

चयनित कलस्टरों में किसानों में जागरूकता के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रत्येक कलस्टर में किसानों के साथ समन्वय हेतु कृषि सखी/सीआरपी की नियुक्ति की गई है। इन कृषि सखियों को कृषि विज्ञान केंद्रों के द्वारा प्रशिक्षित किया गया है, जिससे वे किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध करा सकें।प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए चयनित किसानों को प्रति एकड़ 4 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि डीबीटी के माध्यम से दी जा रही है। यह राशि ऑन-फार्म इनपुट उत्पादन इकाइयों के लिए बुनियादी ढांचा स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो रही है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि स्थानीय स्तर पर किसानों को प्राकृतिक उर्वरक एवं जैविक आदानों की आसानी से उपलब्धता हो। इस हेतु कृषि विभाग द्वारा बायो इनपुट संसाधन केंद्र स्थापित किये जा रहे हैं। कार्ययोजना के तहत प्रत्येक बायो इनपुट संसाधन केंद्र के लिए 1 लाख रुपये का प्रावधान है, ताकि स्थानीय स्तर पर प्राकृतिक उर्वरक तैयार हो सके। अब तक 180 बायो इनपुट संसाधन केंद्र स्थापित हो चुके हैं। राज्य सरकार की यह पहल किसानों को आत्मनिर्भर बनायेगी, साथ ही स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित पर्यावरण और सतत् कृषि विकास की दिशा में राज्य को एक नई पहचान दिलाएगी।

2 दिनों में 687 ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन हुआ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन हो रहा है। प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर आयोजित हो रहे एक दिवसीय शिविर में ग्रामीणों व विशेष रूप से किसानों एवं पशुपालकों को 12 विभागों की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही, इन योजनाओं का लाभ पहुंचाना भी सुनिश्चित किया जा रहा है। ग्राम उत्थान शिविरों केपहले दिन 23 जनवरी को प्रदेशभर में आयोजित हुए कुल 366 शिविरों में 2 लाख 11 हजार से अधिक ग्रामीणों ने भाग लियाव्हीं, दूसरे दिन 24 जनवरी को 321 शिविर आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री शर्मा ने किसानों व पशुपालकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में आगामी ग्राम उत्थान शिविरों में सहभागी बनें और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। उल्लेखनीय है कि 23 जनवरी से प्रथम चरण में प्रारंभ हुए ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन आगामी 25 व 31 जनवरी को किया जाएगा। इसी प्रकार द्वितीय चरण में 1 फरवरी एवं 5 से 9 फरवरी तक भी प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर इन शिविरों का आयोजन होगा। प्रदेशभर में प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक यह शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

हमारा देश ''एक भारत-श्रेष्ठ भारत'' का साकार रूप : हरिभाऊ बागड़े

लोकभवन में उत्तरप्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर का स्थापना दिवस मनाया गया

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने उत्तरप्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर राज्यों के स्थापना दिवस पर शनिवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

■ सांसद और उत्तरप्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा भी रहे उपस्थित

जयपुर (कासं)। लोकभवन में शनिवार को उत्तरप्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इन राज्यों के राजस्थान में रहने वाले निवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए सभी को राष्ट्र निर्माण में सहभागिता निभाने का आव्हान किया। इस अवसर पर उत्तरप्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद डॉ. दिनेश शर्मा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि विविधता में एकता लिए, हमारा देश ''एक भारत-श्रेष्ठ भारत'' है। राज्यों के स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि विविधता में एकता की हमारी संस्कृति को हम उत्सव रूप में मनाएं। उन्होंने उत्तरप्रदेश को देश का सबसे बड़ा राज्य बताते हुए भारत के भाल रूप में इस राज्य की सांस्कृतिक विशेषताओं की चर्चा की। उन्होंने कहा कि अयोध्या का राम लल्ला का मंदिर और कुंभ का ऐतिहासिक प्रयागराज मेला विश्व के बड़े आकर्षण है। राज्यपाल ने मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा को पूर्वोत्तर के प्रमुख राज्य बताते हुए इन राज्यों की जनजातीय और प्रकृति से जुड़ी संस्कृति को महत्वपूर्ण बताया।

सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने उत्तरप्रदेश राज्य की विशेषताओं की चर्चा करते हुए कहा कि भारत का यह सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन केंद्र ही नहीं है, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से समृद्ध संपन्न और तेजी से विकास की ओर बढ़ता राज्य है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तरप्रदेश में सभी के समान विकास को गति दी गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सर्वाधिक उत्तरप्रदेश के निवासी हैं और उत्तरप्रदेश में राजस्थान के सर्वाधिक लोग निवास करते हैं। यह राज्य पड़ोसी राज्यों के साझा विकास का संवाहक है।

इससे पहले राज्यपाल ने उत्तरप्रदेश, मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा राज्य के निवासियों से संवाद किया। यहां लोगों ने अपने अनुभव साझा किए। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

रोहित गोदारा के नाम पर स्कूल संचालक से मांगी 10 लाख रु. रंगदारी

जयपुर। सदर इलाके में कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग के नाम पर एक निजी स्कूल संचालक से रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। इंटरनेशनल मोबाइल नंबर से वॉट्सऐप कॉल नहीं उठाने पर पीड़ित को वॉइस मैसेज भेजकर 10 लाख रुपए की रंगदारी नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। पीड़ित की शिकायत पर सदर थाने में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार सदर क्षेत्र निवासी निजी स्कूल संचालक के मोबाइल पर उस समय इंटरनेशनल नंबर से वॉट्सऐप कॉल आया, जब वह स्कूल के विद्यार्थियों के साथ पिकनिक पर गया हुआ था। विदेशी नंबर देखकर पीड़ित ने कॉल को नजरअंदाज कर दिया और बाद में उस नंबर को ब्लॉक कर दिया। इसके बाद वॉट्सऐप पर वॉइस मैसेज भेजा गया।जिसे सुनने पर रंगदारी की धमकी का खुलासा हुआ। वॉइस मैसेज में खुद को रोहित गोदारा गैंग का सदस्य बताते हुए कहा गया कि मोबाइल नंबर ब्लॉक कर क्या समझ रहा है, दस लाख रुपए दे दे, नहीं तो अंजाम बुरा होगा। इस धमकी भरे वॉइस मैसेज मिलने के बाद स्कूल संचालक ने सदर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी है।

हमीद खान मेवाती ने संभाला पदभार

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने शनिवार को जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित समारोह में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रदेशभर से आए अल्पसंख्यक समाज के प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों तथा पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की भारी उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और ऊर्जा का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने विधिवत रूप से हमीद खान मेवाती को प्रदेशाध्यक्ष पदभार ग्रहण कराया।

निजी बस ऑपरेटर्स के आह्वान पर शनिवार को प्रदेशभर में निजी बसों के पहिए थमे रहे। जयपुर से लोक परिवहन और स्लीपर बसों का संचालन भी नहीं हुआ। अधिकांश बसें पानीपेच तिराहे पर स्थित बाड़े में खड़ी रही। हड़ताल का ज्यादा असर ग्रामीण इलाकों में दिखाई दिया। यूनियन ने चेतावनी दी है कि 28 जनवरी को परिवहन भवन पर विरोध-प्रदर्शन भी किया जायेगा। फोटो-राष्ट्रदूत

फर्टिलिटी किट बांटा

जयपुर (कासं)। ग्राम उत्थान शिविर में माधोराजपुरा ब्लॉक ग्राम पंचायत हरसूलिया के हीरालाल गुर्जर को पशुपालन विभाग द्वारा फर्टिलिटी किट प्रदान किया गया।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

आवश्यक सूचना

आवास संख्या 4 प 32, सी.ई.बी., योजना, अलवर जो कि मूलतः श्रीमती संतोष राणा पत्नि श्री एन.एन. राणा. को आवंटन पत्रांक 3181 दिनांक 23.11.1992 के द्वारा आवंटित किया गया था। श्रीमती संतोष राणा द्वारा आवास का नजदीकी रिश्तेदार को हस्तांतरण के अन्तर्गत निवेदन पर मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत प्रार्थनापत्र मय प्रपत्र एवं निर्धारित शुल्क के आधार पर मण्डल के कार्यालय आदेश क्रमांक 2983 दिनांक 18.09.2001 के द्वारा आवास का नाम हस्तांतरण श्री अनिल राणा पुत्र श्री एन.एन. राणा के पक्ष में जारी कर दिया गया। श्री अनिल राणा द्वारा आवास का नजदीकी रिश्तेदार को हस्तांतरण के अन्तर्गत निवेदन पर मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत प्रार्थनापत्र मय प्रपत्र एवं निर्धारित शुल्क के आधार पर मण्डल के कार्यालय आदेश क्रमांक 6060 दिनांक 20.03.2004 के द्वारा आवास का नाम हस्तांतरण श्री अनिल राणा एवं श्री प्रताप राणा पुत्रान स्व. श्री एन.एन. राणा के संयुक्त नाम से जारी कर दिया गया। मण्डल द्वारा आवास का अदेय प्रमाणपत्र क्रमांक 6111 दिनांक 24.03.2004 को श्री अनिल राणा एवं श्री प्रताप राणा के पक्ष में संयुक्त नाम से जारी कर दिया गया था। श्री अनिल राणा एवं श्री प्रताप राणा द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के संयुक्त नाम से दिनांक 30.06.2005 को उप पंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री प्रताप राणा द्वारा प्रस्तुत आवश्यक दस्तावेज एवं पंजीकृत रिलीजडीड (हकत्याग पत्र) दिनांक 19.11.2007 के आधार पर मण्डल के कार्यालय आदेश पत्रांक 3765 दिनांक 22.03.2016 के द्वारा आवास का नाम लीज हस्तांतरण श्री प्रताप राणा पुत्र स्व. श्री एन.एन. राणा के पक्ष में जारी कर दिया गया। श्री प्रताप राणा द्वारा आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत विक्रयपत्र दिनांक 31.03.2016 को श्री भगवान दास कथूरिया पुत्र श्री मूलचन्द, श्रीमती आशा कथूरिया पत्नि श्री भगवान दास कथूरिया एवं श्री अमित कथूरिया पुत्र श्री भगवान दास कथूरिया को संयुक्त रूप से कर दिया गया। मण्डल द्वारा आवास का नाम लीज हस्तांतरण आदेश क्रमांक 152 दिनांक 21.04.2016 को श्री भगवान दास कथूरिया, श्रीमती आशा कथूरिया एवं श्री अमित कथूरिया के संयुक्त नाम से जारी कर दिया गया। श्री अमित कथूरिया की मृत्यु दिनांक 19.09.2024 को हो जाने के उपरांत उनकी पत्नि श्रीमती लीना कथूरिया सरपरस्त माता श्री रोनित कथूरिया द्वारा उक्त आवास में स्वयं का नाम जुड़वाने हेतु मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत सहमति पत्र, क्षतिपूर्ति बंधकपत्र, शपथपत्रों एवं अन्य प्रपत्रों के आधार पर मण्डल द्वारा आवास का नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण कार्यालय आदेश क्रमांक 31/232 दिनांक 21.05.2025 को श्री भगवान दास कथूरिया पुत्र श्री मूलचन्द, श्रीमती आशा कथूरिया पत्नि श्री भगवान दास कथूरिया एवं श्रीमती लीना कथूरिया पत्नि स्व. श्री अमित कथूरिया सरपरस्त माता श्री रोनित कथूरिया के संयुक्त नाम से जारी कर दिया गया। श्री भगवान दास कथूरिया, श्रीमती आशा कथूरिया व श्रीमती लीना कथूरिया सरपरस्त माता श्री रोनित कथूरिया द्वारा संयुक्त रूप से उक्त आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनांक 30.12.2025 को श्रीमती वर्षा अन्दानी पत्नि श्री चन्द्रप्रकाश अन्दानी को कर दिया गया। श्रीमती वर्षा अन्दानी द्वारा द्वारा उक्त आवास का मण्डल नियमानुसार लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु आवश्यक प्रपत्र एवं शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 4 प 32, सी.ई. बी., योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती वर्षा अन्दानी पति श्री चन्द्रप्रकाश अन्दानी के पक्ष में आवास के लीज हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

नाम परिवर्तन

मैं रजनीश अपने पुत्र का नाम केशव से बदलकर केशव चौधरी कर लिया है। भविष्य में उसे केशव चौधरी के नाम से जाना जावे। पता:- रायपुर जाटान तहसील बुहाना जिला झुंझुनू राजस्थान

नाम संशोधन

मैं जे सी 665590 पी सूबेदार चन्दन सिंह निवासी बड़ा पांचना मांची तहसील व जिला करौली शपथ पूर्वक घोषणा करता हूं कि मेरी पत्नी साधना देवी का नाम गलती से मेरे आर्मी के कागजातों में साधना हो गया है जबकि आधार कार्ड पैन कार्ड में वास्तविक नाम साधना देवी ही है अब साधना के स्थान पर सही नाम साधना देवी कराना चाहता हूं

कार्यालय उपायुक्त, (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम जयपुर
मुरलीपुरा सब्जी मंडी के पीछे, सामुदायिक केन्द्र, मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर

क्रमांक मु.जो./ननिज/2025/2092 दिनांक: 21.1.2026

सार्वजनिक सूचना

भूखण्ड सं. 140, स्कीम 3 बन्धुनगर मुरलीपुरा जयपुर का बन्धु गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड द्वारा श्री गुमान सिंह पुत्र श्री केशर सिंह को क्षेत्रफल 200 वर्गगंज भूमि का आवंटन पत्र जारी किया गया था। जिसके पश्चात श्री गुमान सिंह द्वारा उक्त भूखंड का बेचान जरिये अपंजीकृत इकरारनामा का आधार पर आवेदक श्रीमती इन्दु शेखावत पत्नी श्री पृथ्वीराज सिंह शेखावत के पक्ष में कर दिया। प्रकरण में श्रीमती इन्दु शेखावत द्वारा आवंटन पत्र मय साइट प्लान एवं अपंजीकृत इकरारनामा के आधार पर उक्त भूखंड का पट्टा चाहा गया है। आवेदक द्वारा उपलब्ध करायें गये दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का श्रीमती इन्दु शेखावत पत्नी श्री पृथ्वीराज सिंह शेखावत के पक्ष में भूखंड के कुल क्षेत्रफल में से 200 वर्गगज का पट्टा जारी किया जाना है। उक्त भूखण्ड के पट्टा जारी करने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार पट्टा जारी करने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

कार्यालय उपायुक्त, (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम जयपुर

कार्यालय नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा (कोटपूतली-बहरोड)
नवोदय स्कूल के पास, पावटा-303106 राज.
फोन-01421-294619, Email Id: nagarpalikapaotapragpura@gmail.com
क्रमांक-न.पा.पाव.प्रा./2025-26/भूमि/1200 दिनांक-20/01/2026

आपत्ति आमंत्रण सूचना

निम्न आवेदक ने नगरपालिका कार्यालय में 90-क/स्टेट ग्रांट/कृषि भूमि नियमन पट्टा पत्रावली प्रस्तुत की है, उक्त पत्रावली में किसी को कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में नगरपालिका कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा पत्रावली में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

क्र.सं.-1, आवेदक का नाम-श्री मालीराम जाट पुत्र श्री रामस्वरूप जाट, खसरा संख्या-1115/2369, राजस्व ग्राम-पावटा, क्षेत्रफल (वर्गगज/वर्गमीटर)-22.97, प्रयोजनार्थ-मिश्रित

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'महिलाओं को 3 गुणा मेहनत पर मिलता है राजनीति में स्थान'

जाट आरक्षण वसुन्धरा राजे ने बचाया : राजा राम मील

जयपुर (कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि महिलाओं को पुरुषों से तीन गुना अधिक मेहनत करनी पड़ती है, तब जाकर उन्हें राजनीति में स्थान मिलता है। वे शनिवार को विधानसभा के नजदीक स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित जाट महिला शक्ति संगम कार्यक्रम में बोल रही थी।

कार्यक्रम में जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील ने कहा कि जाट आरक्षण वसुन्धरा राजे ने बचाया।यहाँ तक कि धौलपुर और भरतपुर के जाटों को आरक्षण भी वसुन्धरा राजे ने दिलवाया। राजे ने कहा कि आजादी के समय भारत में महिलाओं की साक्षरता दर 9 प्रतिशत थी, आज 65 प्रतिशत है। देश के आम चुनावों में चुनाव लड़ने वाली महिलाओं की संख्या 10 प्रतिशत है,जबकि 1957 में सिर्फ 3 प्रतिशत ही थी। महिला सांसदों की संख्या पहली लोकसभा में 22 थी,आज 74 है। राज्यसभा में 1952 में महिला सदस्यों की संख्या 15 थी, आज 42 हो गई, परंतु लेकिन यह संख्या पर्याप्त नहीं है। जबकि यह संख्या पुरुषों के बराबर होना चाहिए।

पूर्व सीएम ने कहा कि प्रतिभा पाटिल और द्रौपदी मुर्मू ने सिद्ध कर दिया कि शिक्षा सफलता की कुंजी है। डॉ.कमला बेनीवाल, हेमा मालिनी, सुमित्रा सिंह, डॉ.प्रियंका चौधरी, रीटा चौधरी, डॉ.शिखा मील और सुशीला बराला, पद्मश्री से सम्मानित कृष्णा पूनिया, कमला कस्वां और दिव्या मदेरणा ने राजनीति के क्षेत्र में नाम किया है। विधायक डॉ.शिखा मील, पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया, पूर्व न्यायाधीश डॉ.राजेंद्र चौधरी ने भी संबोधित किया।

अंतर्राज्यीय नशा तस्कर गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने 6 वर्षों से फरार 25 हजार रुपए के इनामी अंतरराज्यीय नशा तस्कर भोपाल सिंह (50) निवासी मनासा जिला नीमच (मध्य प्रदेश) को गिरफ्तार किया है।

आरोपी लंबे समय से राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, पंजाब और महाराष्ट्र में नशे का संगठित नेटवर्क चला रहा था। मुखबिर से सूचना मिलने के बाद एजीटीएफ ने रणनीतिक तरीके से कार्रवाई करते हुए खरीदार बनकर आरोपी से संपर्क साधा। बड़ी खेप का लालच देकर भोपाल सिंह को गांव से बाहर एक खेत पर मिलने बुलाया गया और जैसे ही आरोपी खेत पर पहुंचा, पहले से घात लगाए एजीटीएफ के जवानों ने चारों ओर से घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। गांव के भीतर पहले की गई कार्रवाई में असफलता को देखते हुए इस बार टीम ने पूरी सतर्कता के साथ रणनीति बनाई। एडीजी एवं एजीटीएफ आईजी पुलिस विकास कुमार ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि माता की बीमारी, खेती में नुकसान और पहली पत्नी की मृत्यु के बाद दूसरी शादी के खर्चों ने उसे भारी कर्ज में डाल दिया।खेती से कर्ज न चुका पाने पर उसने नशा तस्करी का रास्ता अपना लिया।

सेल्फी लेकर हो रहा वंदेमातरम् जय घोष

वंदे मातरम् की थीम पर लगाए गए सेल्फी बूथ युवाओं के लिए आकर्षण का केन्द्र बने हुए है।

जयपुर (कासं)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश में आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों के द्वितीय चरण की श्रृंखला में ध्येय वाक्य "स्वतंत्रता का मंत्र-वंदे मातरम" एवं समृद्धि का मंत्र-आत्मनिर्भर भारत" आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में राष्ट्रगीत वंदेमातरम का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान को विभिन्न आयोजनों के माध्यम से प्रदेश के जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन, कला, साहित्य एवं संस्कृति प्रवीण गुप्ता ने बताया कि वन्देमातरम150 के आयोजन के द्वितीय चरण में "स्वतंत्रता का मंत्र-वंदे मातरम" एवं समृद्धि का मंत्र-आत्मनिर्भर भारत" भारत सरकार द्वारा निर्देशित ध्येय वाक्य का अनुसरण करते हुए जयपुर सहित प्रदेश के महाविद्यालयों,विद्यालयों, आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में शनिवार को वंदेमातरम150 पर आधारित निबन्ध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रंगोली, चित्रकला एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वहीं शनिवार को ही समस्त विद्यार्थियों की सहभागिता भी की गई।

सयुंक्त शासन सचिव कला, साहित्य एवं संस्कृति अनुराधा गोगिया ने बताया कि जयपुर के अल्बर्ट हॉल, हवामहल, आमेर सहित पर्यटन स्मारकों और प्रदेश के पर्यटक स्मारकों पर वंदे मातरम बूथ लगाए गए है।

इसके साथ ही जहां सेल्फी पॉइंट्स बनाये गए है वहां पर आगंतुक पर्यटक एवं आमजन वंदे मातरम के महात्म्य से परिचित होने के साथ ही इन सेल्फी पॉइंट्स पर सेल्फी लेकर अपने राष्ट्रभक्ति के भाव को प्रकट भी कर रहे है। अल्बर्ट हॉल पर पुलिस बैंड द्वारा वन्देमातरम की धुन का वादन किया गया। शुक्रवार को राज्य में आयोजित मेगा पीटीएम में एक साथ 65 हजार विद्यालयों में समस्त अभिभावकों को सम्मिलित कर वंदे मातरम् से व्यापक स्तर पर गायन करवाया जाना एक उपलब्धि है।

प्रदेश की 62 हजार आंगनबाड़ियों में भी शुक्रवार को वंदे मातरम का गायन किया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में वंदे मातरम 150 आधारित झांकी निकाली जाएगी।

सम्मन बनाम कायम मुकाम
(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत जेएम (डी) मुकाम जयपुर जिला
दावा बाबत सी एस
दासानन्द पेसवानी बनाम भंवर लाल शर्मा
मुकदमा नं. 78 सन् 18

बनाम - 1. गोरी देवी 2. रामावतार 3. किशनवतार 4. राजेश कुमार वल्द स्व. भंवरलाल कौम हिन्दू साकिन 29/B सिंधु नगर नाहरी का नाका जयपुर चूंकि ने इस अदालत में तारीख - माह- सन् 20 को 1. दासानन्द पेसवानी बनाम 2. भंवरलाल दायर की जो कि बाद में फोत हो गया और चूंकि मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतबफ्फी भंवरलाल शर्मा मजदूर के कायम मुकाम जायज और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 1. गोरी देवी 2. रामावतार 3. किशनवतार 4. राजेश कुमार

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1. गोरी देवी 2. रामावतार 3. किशनवतार 4. राजेश कुमार बनाए जाए। आपको तारीख 31 माह 1 सन 2026 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 22 माह 12 सन् 25 को जारी किया गया।

मोहर अदालत

शरिस्तेदार
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट जयपुर जिला जयपुर

मधुमक्खी पालन से किसानों की आय होगी दोगुनी : कृषि मंत्री

■ राजस्थान बनेगा शहद उत्पादन का हब : डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने शनिवार को ''हाई वैल्यू मधुमक्खी उत्पादन: तकनीकी, वर्तमान परिदृश्य, भविष्य एवं संभावनाएं'' विषयक सेमिनार के समापन समारोह को संबोधित किया।

जयपुर (कासं)।कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि प्रदेश के किसानों और पशुपालकों के आर्थिक विकास एवं सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने किसानों से आव्हान किया कि वे कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में नवीन तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाएं, जिससे आय में वृद्धि हो और किसान आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। डॉ. किरोड़ीलाल शनिवार को कृषि प्रबंध संस्थान, दुर्गापुर (जयपुर) में आयोजित "हाई वैल्यू मधुमक्खी उत्पादन: तकनीकी, वर्तमान परिदृश्य, भविष्य एवं संभावनाएं" विषयक दो दिवसीय राज्य स्तरीय सेमिनार के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश का किसान मेहनती और ईमानदार है तथा कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार के जरिए राजस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से किसान तेजी से प्रगतिशील बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि आईसीएआर के अनुसार मधुमक्खी पालन से संबंधित क्षेत्रों में फसलों की पैदावार में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि होती है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान विशाल भौगोलिक क्षेत्र वाला प्रदेश है, जहां जंगली और कृषि दोनों प्रकार की वनस्पतियों की व्यापक श्रृंखला उपलब्ध है। यहां मकरंद और पराग की प्रचुरता मधुमक्खी पालन के लिए प्रदेश को अत्यंत अनुकूल बनाती है। मधुमक्खी पालन अब किसानों के लिए आय का सशक्त स्रोत बन चुका है और किसान खेती के साथ शहद उत्पादन कर आय में वृद्धि कर रहे हैं।

दी जा रही है।पराग की अनुपलब्धता एवं अधिक तापमान की स्थिति में मधुमक्खी कॉलोनियों के माइग्रेशन हेतु राज्य के 1000 मधुमक्खी पालकों को 9 हजार रुपये प्रति पालक की दर से सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही, मधुमक्खी पालकों को वैज्ञानिक तरीके से शहद उत्पादन के प्रशिक्षण भी दिए जा रहे है।

डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि देश के कुल शहद उत्पादन में राजस्थान की हिस्सेदारी 9 प्रतिशत है और प्रदेश देश के पांच अग्रणी शहद उत्पादक राज्यों में शामिल है। वर्तमान में प्रदेश में 3 हजार 350 मधुमक्खी पालकों के पास 2 लाख 76 हजार मधुमक्खी कॉलोनियां हैं, जिनसे लगभग 8 हजार 500 मीट्रिक टन शहद का उत्पादन हो रहा है। शहद उत्पादन में अलवर, भरतपुर और हनुमानगढ़ अग्रणी जिले हैं।उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार द्वारा मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए 50 हजार मधुमक्खी कॉलोनियों एवं 50 हजार मधुमक्खी बॉक्स वितरित किए जा रहे हैं, जिन पर 40 प्रतिशत अनुदान के रूप में कुल 8 करोड़ रुपये की सहायता इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार द्वारा 2 करोड़ रुपये की लागत से 1000 मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी पालन किट वितरित की जा रही है। कृषि मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत भरतपुर और टोंक जिलों में 10-10 करोड़ रुपये की लागत से मधुमक्खी पालन के उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से मधुमक्खी पालकों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, गुणवत्ता युक्त कॉलोनियां, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, विपणन एवं शहद की गुणवत्ता जांच जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

बदमाशों की मदद करने वाला पकड़ा

जयपुर। ब्रह्मपुरी पुलिस ने 19 जनवरी को हुई फायरिंग के मामले में कार्रवाई करते हुए वारदात में सहयोग करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मुख्य बदमाशों को अपनी मोटरसाइकिल और रुपये देकर वारदात व फरारी में मदद की थी। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि 19 जनवरी 2026 को परिवादी रतन लाल कोली महावर (63) निवासी गोंगापोल ब्रह्मपुरी ने मामला दर्ज करवाया था कि आरोपित रवि मेहरा अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से परिवादी के घर के बाहर आया और जान से मारने की नीयत से उसके बबलू पर गोली चला दी। गोली बबलू की जांघ में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस संबंध में थाना ब्रह्मपुरी में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। वहीं इस मामले की गंभीरता को देखते हुए ब्रह्मपुरी थाना पुलिस व डीएसटी जयपुर उत्तर की विशेष टीमें गठित की।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1168
चूंकि प्रार्थी श्री SUNIL KOTHARI, C-246, DAYANAND MARG, TILAK NAGAR, JAWARAHAR NAGAR, JAIPUR, RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री सुन्दर सिंह भंडारी स्मृति प्रन्यास संस्थान, H. NO. 200, HALDIYON KA RASTA, JOHARI BAZAR, JAIPUR-302003 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 19-01-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी 27/03/2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

तेज रफ्तार थार की टक्कर से युवक की मौत, युवती घायल

जालूपुरा इलाके में जयंती मार्केट चौराहे पर शनिवार दोपहर हुआ हादसा

जयपुर (कासं)। जालूपुरा थाना इलाके में शनिवार दोपहर तेज रफ्तार थार जीप ने पहले एक युवती को टक्कर मारी और फिर बाइक सवार युवक को कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल युवती को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद थार चालक मौके से फरार हो गया, हालांकि बाद में पुलिस ने उसे दबोच लिया और वाहन जब्त किया।

एक्सीडेंट थाना (उत्तर) के हेड कांस्टेबल राजेन्द्र ने बताया कि यह हादसा शनिवार दोपहर करीब 12:45 बजे जयंती मार्केट स्थित चौराहे के पास हुआ।

हादसे में बाइक सवार फैजान (27) की मौत हो गई, जबकि कुलसुम (19) गंभीर रूप से घायल हो गई। टक्कर के बाद फैजान थार के नीचे फंस गया था। आसपास मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर जालूपुरा थाना पुलिस और एक्सीडेंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत एसएमएस अस्पताल भिजवाया गया। वहां डॉक्टरों ने फैजान को मृत घोषित कर दिया,जबकि कुलसुम का इलाज जारी है।

हेड कांस्टेबल राजेन्द्र ने बताया कि मृतक फैजान मूल रूप से खंडेला (सीकर) का रहने वाला था और भट्टा बस्ती इलाके में किराए से रहकर निजी नौकरी करता था। घायल कुलसुम रामगंज इलाके की निवासी है। वह कॉलेज का फॉर्म भरकर पैदल अपने घर लौट रही थी, तभी तेज रफ्तार थार जीप ने उसे चपेट में ले लिया। थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि थार को मनीष कुमार निवासी फतेहपुर चला रहा था, जिसने यह वाहन किराए पर लिया था। वह जयंती मार्केट की ओर जा रहा था। पहले युवती को टक्कर मारने के बाद वह घबरा गया और नियंत्रण खो बैठा। जिससे बाइक सवार युवक को भी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने थार जीप को जब्त कर लिया है और फरार चालक को भी बाद में पकड़ लिया गया।

जालूपुरा इलाके में शनिवार दोपहर तेज रफ्तार थार चालक ने युवक और युवती को रौंद दिया।

■ हादसे के बाद थार छोड़कर फरार हो गया था चालक, पुलिस ने दबोचा

मोडेस्ट इंफ्रा कंपनी के प्रतिनिधि का जमानती वारंट

जयपुर (कासं)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-चतुर्थ ने तय समय में फ्लैट का कब्जा नहीं देने से जुड़े मामले में अदालती आदेश का पालन नहीं करने पर मोडेस्ट इंफ्रा कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि अभिषेक पाल सिंह के खिलाफ दस हजार रुपए के जमानती वारंट जारी कर 28 जनवरी को तलब किया है।

वहीं बजाज नगर एसएचओ को जमानती वारंट को तामील करवाने के लिए कहा है। आयोग ने यह आदेश परिवादी उपेन्द्र किशोर माथुर व अन्य के अवमानना प्रार्थना पत्र पर दिया। अवमानना प्रार्थना पत्र में कहा कि आयोग ने 17 अक्टूबर 2024 को उसके पक्ष में फैसला देते हुए विपक्षी कंपनी को निर्देश दिया था कि वह फ्लैट के पेटे जमा करवाए गए 8 लाख 97 हजार 302 रुपए जमा करवाने की तारीख से 9 फीसदी ब्याज सहित दे। साथ ही विपक्षी कंपनी पर परिवादी को हुई मानसिक परेशानी के लिए 1.20 लाख रुपए का हर्जाना भी लगाया था।

वहीं यह राशि एक महीने में परिवादी को देने का निर्देश दिया था। लेकिन आदेश के बाद भी विपक्षी कंपनी ने आदेश की पालना नहीं की। जिस पर परिवादी ने विपक्षी कंपनी व अधिकृत प्रतिनिधि के खिलाफ अवमानना याचिका दायर कर आदेश पालना का आग्रह किया।

टोंक छोड़ने का झांसा देकर अपहरण करने वाले शातिर बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। सांगानेर पुलिस ने लिफ्ट देकर टोंक छोड़ने का झांसा देकर अपहरण कर लूटपाट करने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में पूर्व में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त से गिरोह के अन्य लोगों के बारे में पूछताछ करने में जुटी है।

उपायुक्त पूर्व संजीव नैन ने बताया कि 13 दिसम्बर 2025 को परिवारी टोंक निवासी दुकान के काम से जयपुर आया हुआ था।

रात 8 बजे अपना काम पूरा करने के बाद वो वापस टोंक जाने के लिए सांगानेर बस स्टैण्ड पर खड़ा हुआ था। बस नहीं मिलने पर स्वीफ्ट कार में सवार चार लोगों ने उसे टोंक छोडने का झांसा देकर कार में बैठा लिया और कुछ ही दुर जाकर चाकू दिखा कर हाथ पैर बांध दिए । कार सवार बदमाशों ने स्मैक खरीदने के लिए पीड़ित से 1 लाख रुपए की मांग की । कार सवार चारो बदमाशों ने मारपीट के दौरान उसकी जेब से 8 हजार रुपए नकद व मोबाइल फोन और एटीएम कार्ड निकाल लिया। बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देकर उसके खाते से अलग-अलग बार में 1 लाख 92 हजार रुपए निकाल लिए।

जिसके बाद आरोपियों ने पीड़ित के घर वालों को फोन कर 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी। पैसे नहीं मिलने पर पुलिस के डर से आरोपी उसे टोंक रोड पर रिंग रोड से पहले पेट्रोल पंप पर पटकर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में खाते की डिटेल खंगालते हुए तीन बदमाशों को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन आरोपी अजय मरेठा (23) पुत्र राजू मरेठा लांबा हरिसिंह ,टोंक हाल सीता नगर -2 लालबाग गार्डन, बीलवा निवासी फरार चल रहा था। पुलिस ने तकनीकी सहायता व मुखबिर की सूचना पर आरोपी को दबोच लिया।

■ पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त से गिरोह के अन्य लोगों के बारे में पूछताछ करने में जुटी है

सामूहिक सूर्य नमस्कार आज

जयपुर । क्रीडा भारती की जयपुर महानगर इकाई एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम प्रातः 7 बजे अल्बर्ट हॉल संग्रहालय रामनिवास बाग के सामने आयोजित होगा। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौड़, आरएसएस से श्रीवर्धन, ओलंपियन गोपाल सैनी एवं प्रदेश अध्यक्ष शरद मिश्रा मौजूद होंगे।

द्रव्यवती नदी के दोनों ओर की भूमि का होगा विकास : जेडीसी

जयपुर (कासं) । जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने शनिवार को द्रव्यवती नदी परियोजना का दौरा किया और परियोजना के दोनों ओर स्थित भूमि के विकास तथा आसपास की कॉलोनियों की कनेक्टिविटी को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जेडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि द्रव्यवती नदी के दोनों ओर स्थित जेडीए की रिक्त भूमि का विधिक परीक्षण करते हुए सदुपयोग की कार्ययोजना बनायी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इस भूमि पर मैरिज गार्डन, स्पोर्ट्स एक्टिविटी जोन (बैडमिंटन कोर्ट, लॉन टेनिस कोर्ट एवं अन्य गतिविधियां) और अन्य जनसुविधाओं के विकल्प तलाशे जाएं। इससे न केवल यह सुनिश्चित होगा कि भूमि जेडीए के कब्जे में रहे, अतिक्रमण मुक्त रहे, साफ रहे बल्कि आमजन को मूलभूत और सामाजिक सुविधाएं भी उपलब्ध हो सकेंगी।

दौरे के दौरान जेडीसी ने परियोजना एवं करतारपुरा जैसे अन्य नालों के दोनों ओर बसी हुई कॉलोनियों के निवासियों की समस्याओं का संज्ञान भी लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि द्रव्यवती नदी की तरह अन्य बड़े नालों के दोनों ओर स्थित कॉलोनियों को जोड़ने हेतु कलवर्ट का निर्माण करने के भी प्रयास किए जाए।

जेडीसी ने बताया कि वर्तमान में कनेक्टिविटी न होने के कारण लोगों को एक कॉलोनी से दूसरी कॉलोनी जाने के लिए मुख्य सड़कों पर आकर लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। कलवर्ट बनने से स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी, मुख्य सड़कों पर यातायात का दबाव कम होगा और लोगों को अनावश्यक जाम से मुक्ति मिलेगी। महाजन ने अधिकारियों को द्रव्यवती नदी परियोजना के अलावा शहर के अन्य नालों का भी सर्वे करने के निर्देश दिए ताकि आवश्यकतानुसार वहां वन-वे या टू-वे कलवर्ट का निर्माण करवाया जा सके।

■ कॉलोनियों की कनेक्टिविटी के लिए कलवर्ट बनाए जाएंगे, रिक्त भूमि पर मैरिज गार्डन, स्पोर्ट्स एक्टिविटी जोन व जनसुविधाएं विकसित की जाएंगी

जुर्माना जमा नहीं करा पाने के कारण जमानत मिलने के बाद भी तीन माह रिहाई नहीं हुई

राजस्थान हाईकोर्ट ने जुर्माने की राहत देते हुए कहा कि, ''यदि अभियुक्त को जेल से रिहा किया गया है तो गरीबी उसके व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को बाधित नहीं कर सकती''

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि अभियुक्त को जेल से रिहा किया गया है तो फिर गरीबी उसके व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को बाधित नहीं कर सकती है। यदि अभियुक्त जुर्माना राशि की व्यवस्था करने की स्थिति में नहीं है और वह इस कारण रिहाई के आदेश के तीन माह बाद भी जेल में है तो यह उसके जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार की अवहेलना है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता अभियुक्त को राहत देते हुए जुर्माना राशि जमा कराने की शर्त को वापस लेते हुए उसे तत्काल रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश राजेश कुशवाहा की सजा स्थगन याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि केस के विशेष तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए यह आदेश दिया जा रहा है। ऐसे में इस आदेश को अन्य मामलों में मिसाल के तौर पर नहीं माना जाए। याचिका में कहा गया था कि एनडीपीएस मामले में उसे दोषी मानते हुए अजमेर की नसीराबाद एडीजे कोर्ट ने 10 अक्टूबर, 2024 को उसे दस साल की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही उस पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। वह करीब आठ साल से जेल में बंद हैं। ऐसे में उसकी सजा को स्थगित किया जाए।

हाईकोर्ट ने मामले में गत 7 अक्टूबर को याचिकाकर्ता के सजा स्थगन प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए अपील के निस्तारण तक उसे जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि अभियुक्त की ओर से निचली अदालत की ओर से लगाए जुर्माने की राशि जमा कराने पर उसे जमानत पर रिहा कर दिया जाए। अपील पर सुनवाई के दौरान अदालत की जानकारी में आया की गरीबी के कारण याचिकाकर्ता जुर्माना राशि एक लाख रुपए जमा नहीं करा पाया है। ऐसे में तीन माह पहले रिहाई का आदेश होने के बावजूद वह अभी तक जेल में ही बंद है। इस पर अदालत ने जुर्माना जमा कराने की शर्त को हटाते हुए अभियुक्त को रिहा करने के आदेश दिए हैं।

वकीलों के बहिष्कार पर की टिप्पणी

शनिवार को हाईकोर्ट में कार्य दिवस घोषित करने के विरोध में वकीलों के स्वेच्छा से कार्य बहिष्कार के चलते याचिका पर सुनवाई के दौरान कोई वकील पेश नहीं हुआ। इस पर अदालत ने अपने फैसले में कहा कि सुप्रीम कोर्ट भी वकीलों के बहिष्कार को गलत बता चुका है। इसके अलावा हाईकोर्ट ने भी इस संबंध में एक विशेष नोट जारी कर शनिवार को केवल पुराने मुकदमों को ही सूचीबद्ध करने और उसमें वकील की उपस्थिति जरूरी नहीं रखने का प्रावधान किया है।

इसके अलावा मामले में गठित कमेटी की रिपोर्ट भी अभी तक नहीं आई है। ऐसे में जयपुर और जोधपुर के वकीलों का बहिष्कार पर जाना उचित नहीं है। बहिष्कार पर जाना समस्या का समाधान नहीं है। समस्या को आपसी संवाद से सुलझाया जा सकता है। जब वकील बहिष्कार करते हैं तो यह पक्षकारों के शीघ्र न्याय के अधिकार की अवहेलना होती है। अधिवक्ता संशोधन अधिनियम, 2025 भी वकीलों को ऐसा करने से रोकता है। अदालत ने कहा कि विरोध का अधिकार अन्य नागरिकों के अधिकारों के साथ संतुलित होना चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने आदेश की कॉपी बार कौंसिल ऑफ इंडिया और बार कौंसिल ऑफ राजस्थान को भेजी है।

जयपुर आर्ट वीक 27 से शुरू होगा

जयपुर (कासं)। गुलाबी नगरी की सर्द हवाओं के बीच पूरा शहर एक ओपन कैनवास में बदलने जा रहा है। यह नज़ारा होगा 27 जनवरी से शुरू हो रहे सात दिवसीय जयपुर आर्ट वीक के भव्य आयोजन का। पब्लिक आर्ट्स ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पाटी) द्वारा आयोजित इस पांचवे संस्करण में शहर के 11 प्रमुख स्थलों पर निःशुल्क और ओपन आर्ट प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। इन स्थलों में अलसीसर हवेली, अम्रपाली म्यूज़ियम, बड़ी चौपड़, सेंट्रल पार्क, छोटी चौपड़, ज्ञान म्यूज़ियम, जवाहर कला केंद्र, नारायण निवास, पिंक सिटी स्टूडियो, पाटी मुख्यालय और राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर शामिल हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

इस सात दिवसीय आयोजन में दुनिया भर से 100 से अधिक कलाकार भाग ले रहे हैं, जिनमें 15 से अधिक सोलो प्रस्तुतियाँ और एक विशेष समूह प्रदर्शनी शामिल है। इसके माध्यम से भारत के विभिन्न कला संस्थानों और आर्ट स्कूल्स से जुड़े उभरते कलाकारों को भी एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया जाएगा। जयपुर आर्ट वीक की संस्थापक एवं चेयरपर्सन सना रेज़वान ने बताया कि जयपुर आर्ट वीक जैसे उत्सव शहर को अतीत और वर्तमान - दोनों संदर्भों में देखने का अवसर देते हैं और इसे एक जीवंत व निरंतर विकसित होते शहर के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से युवा और उभरते कलाकारों को अवसर प्रदान किए जाते हैं, साथ ही स्थानीय समुदायों को भी कला से सार्थक रूप से जुड़ने का मौका मिलता है। इसी उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय ओपन कॉल के माध्यम से कलाकारों का चयन किया गया।

संस्करण 5.0 के केंद्र में समूह प्रदर्शनी 'आवतो बैरो बाजे' है, जिसमें ओपन कॉल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय

देवनारायण जयंती पर शुभकामनाएं दी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देवनारायण जयंती पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। शर्मा ने कहा कि भगवान देवनारायण जी ने दीन-दुखियों की मदद तथा लोक-कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित किया और समाज में प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे भगवान देवनारायण जी के आदर्शों को जीवन में अपनाएं औरदेश व समाज को सशक्त करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

सेंट्रल जेल में झगड़ा

जयपुर । लालकोठी क्षेत्र स्थित जयपुर सेंट्रल जेल में बंद बंदियों के बीच आपसी विवाद का मामला सामने आया है। मामूली कहासुनी के बाद विचाराधीन बंदियों ने एक दंडित बंदी के साथ मारपीट कर दी। जेल प्रशासन की शिकायत पर थाने में मामला दर्ज किया गया है।

जांच अधिकारी एएसआई किशन सिंह के अनुसार जयपुर सेंट्रल जेल के प्रहरी जनक राज सिंह (46) की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। जेल के वार्ड नंबर-11 की सेल नंबर-2 में बंद मालवीय नगर के मांडल टाउन निवासी दंडित बंदी शशी भारती के साथ मारपीट की गई। घटना 18 जनवरी की है। दंडित बंदी शशी भारती की वार्ड में बंद विचाराधीन बंदी पुनीत और नरेन्द्र से किसी मामूली बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और झगडे का रूप ले लिया। इस दौरान पुनीत और नरेन्द्र ने मिलकर शशी भारती के साथ मारपीट कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही जेल में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर बंदियों को अलग किया और स्थिति पर काबू पाया। इसके बाद दंडित बंदी शशी भारती ने दोनों विचाराधीन बंदियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए जेल प्रशासन को शिकायत दी। जेल प्रशासन ने मारपीट का मामला दर्ज कराया है।

खनन विभाग ने 21 जनवरी तक प्राप्त किया 7451 करोड़ रुपए का राजस्व

गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि से 627 करोड़ रुपए अधिक अर्जित

जयपुर (कासं)। माइंस विभाग ने वित्तीय वर्ष के अंतिम समय में राजस्व संग्रहण पर फोकस करते हुए अधिक से अधिक राजस्व संग्रहण की रणनीति तैयार की है। माइंस विभाग द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में 21 जनवरी तक 7451 करोड़ 63 लाख रुपए का राजस्व संग्रहण किया है जो माइंस विभाग की इस अवधि तक का अब तक का सर्वाधिक राजस्व संग्रहण है।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में राजस्व संग्रहण की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की और रणनीति तैयार कर अन्य कार्यों के साथ ही राजस्व वसूली पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस समय तक माइंस विभाग 9 फीसदी विकास दर के साथ राजस्व वसूली में गत वर्ष के इसी समय तक के राजस्व संग्रहण में आगे चल रहा है।

टी. रविकान्त ने राजस्व संग्रहण की रणनीति की चर्चा करते हुए अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई में विभागीय अधिकारियों द्वारा तैयार पंचनामों पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना राशि वसूलने, आरसीसी -ईआरसीसी ठेकों पर रॉयल्टी वसूली की प्रभावी मोनेटरिंग के साथ ही समाप्त होने वाले रॉयल्टी वसूली ठेकों सहित शेष ठेकों की नीलामी, एसएमई स्तर पर राजस्व संग्रहण की नियमित समीक्षा, विश्लेषण व मार्गदर्शन, माइंस विभाग के वित अधिकारी स्तर पर नियमित समीक्षा व राजस्व वसूली में कमी वाले कार्यालयों से समन्वय व वसूली में तेजी लाने, पुरानी बकाया की वसूली और करन्ट बकाया की शत प्रतिशत वसूली के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भले ही अभी तक गतवर्ष की इसी अवधि की तुलना में अधिक राजस्व वसूली हो रही हो पर इस तक ही नहीं रुक कर राजस्व संग्रहण के सभी संभावित क्षेत्रों से वसूली के कारगर प्रयास किये जाने हैं।

निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 21 जनवरी तक 6824 करोड़ 54 लाख रुपए का राजस्व संग्रहित हुआ था जिसकी तुलना में इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में 21 जनवरी तक 627 करोड़ की अधिक वसूली के साथ 7451 करोड़ 63 लाख रुपए का राजस्व संग्रहित किया जा चुका है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राजस्व संग्रहण की गति को और अधिक बढ़ाया जाएगा।

बैठक में संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, वित्त अधिकारी सुरेश चन्द्र जैन, अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय महेश माथुर, विशेषाधिकारी श्रीकृष्ण शर्मा, अधीक्षण भूवैज्ञानिक एरियल सर्वे सुनील कुमार वर्मा, अधीक्षण खनिज अभियंताओं में अजमेर जय गुरुबख्सानी, जयपुर विजिलेंस प्रताप मीणा, उदयपुर एसपी शर्मा, भीलवाड़ा ओपी काबरा, जोधपुर देवेन्द्र गौड़ एवं राजसमन्द जिनेश हुमड़ सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

प्रमुख सचिव टी. रविकांत

■ संभावित क्षेत्रों से राजस्व संग्रहण पर फोकसः टी.रविकांत

राजस्थान में इस वर्ष 9.74 फीसदी पर्यटक बढ़े : रियाड़

जयपुर । राजस्थान पर्यटन केवल किलों-महलों के दर्शन तक सीमित नहीं रहा, अपितु अब निवेश, नवाचार, रोजगार सृजन और वैश्विक ब्रांडिंग का सशक्त मॉडल बनकर उभरा है।

राइजिंग राजस्थान अभियान, नई पर्यटन नीति, ऐतिहासिक स्मारकों में लौटती रौनक, धार्मिक व ग्रामीण सर्किट और फेयर-फेस्टिवल्स के विस्तार ने प्रदेश को पर्यटन के एक नए युग में पहुंचा दिया है। जिनके चलते प्रदेश में घरेलू पर्यटकों की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है।

पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियाड़ ने बताया कि विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष राजस्थान में आने वाले पर्यटकों की संख्या में 9.74 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने बताया कि भारत में आई विदेशी पर्यटकों के आगमन की गिरावट के तहत अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान में विदेशी पर्यटकों के आगमन में गिरावत कम है। जहाँ भारत में सितम्बर 2025 तक विदेशी पर्यटक यात्राओं में वर्ष 2024 की तुलना में 12.53 प्रतिशत की कमी हुई है वहीं राजस्थान में विदेशी पर्यटक यात्राओं की संख्या में मात्र 6.4 प्रतिशत की कमी आई है।

प्रदेश घरेलु पर्यटन की रिकॉर्ड वृद्धि एक उपलब्धि और अवसर के रूप में उभर कर आई है जिससे आने वाले वर्षो में राजस्थान पर्यटन नई ऊचाई छूने की ओर अग्रसर होगा। उल्लेखनीय है कि राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न ट्रैवल मार्ट्स जैसे आईटीबी बर्लिन 3 से 5 मार्च 2025, बिजिंग चीन 27 से 29 जून 2025, टूरिज्म एक्सपो जापान 24 से 27 सितम्बर 2025, आईमेक्स यु एस ए 13 से 15 अक्टूबर 2025, डब्लूटीएम लंदन 3 से 5 नवंबर 2025 में सहभागिता कर राजस्थान पर्यटन के महत्वपूर्ण प्रस्तुतिकरण और शानदार मार्केटिंग के आधार पर राजस्थान पर्यटन को लाभ होगा। आने वाले समय में राजस्थान में विदेशी पर्यटकों के आगमन वृद्धि होने का अनुमान लगाया जा सकता है। पर्यटन आयुक्त ने बताया कि गत माह दिसम्बर 2025 में राजस्थान पर्यटन नीति 2025 एवं राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2025 के लागू होने से आने वाले समय में पर्यटकों को नए अनुभव एवं विदेशी फिल्म शूंटिंगों के माध्यम से विदेश में राजस्थानी पर्यटन स्थलों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा और विदेशी सैलानी तेजी से आकर्षित होंगे। उन्होंने बताया कि जयपुर में प्रतिवर्ष होने वाले ग्रेट इंडिया ट्रैवल बाजार के माध्यम से भी बड़े विदेशी टूर ऑपरेटर एवं ट्रैवल एजेंट के माध्यम से भी विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया जाएगा, जिससे इस वर्ष में पर्यटकों के आगमन में वृद्धि होगी।

सार-समाचार

चयन नहीं करने पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक आचार्य चिकित्सा भर्ती-2021 में ओबीसी श्रेणी की महिला अभ्यर्थी का उसके वर्ग में चयनित नहीं करने पर आरपीएससी और चिकित्सा शिक्षा विभाग से जवाब मांगा है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश सुमित्रा सैनी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने 27 नवंबर 2021 को चिकित्सा विभाग में सहायक आचार्य के विभिन्न विषयों में भर्ती निकाली। इसमें आर्थोपेडिक्स के 29 पद थे, जिसमें ओबीसी के लिए 6 पद आरक्षित थे। याचिकाकर्ता ने ओबीसी श्रेणी में आवेदन किया और लिखित परीक्षा में उसे सफल घोषित किया। वहीं साक्षात्कार के बाद आरपीएससी की ओर से जारी परिणाम में एक भी ओबीसी महिला अभ्यर्थी का चयन नहीं किया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि आरक्षण पॉलिसी के तहत ओबीसी महिला अभ्यर्थी का चयन करना चाहिए था। विज्ञापन में चयन प्रक्रिया साक्षात्कार के जरिए करने का प्रावधान था और यह भी अंकित किया था कि यदि आवेदनों की संख्या ज्यादा होगी तो आरपीएससी संवीक्षा परीक्षा आयोजित करेगा। इसके बावजूद विज्ञापन में न्यूनतम अंक प्राप्त करने का उल्लेख नहीं था। साक्षात्कार के बाद जारी मेरिट सूची में यह अंकित किया कि ओबीसी व सामान्य वर्ग के लिए 50 फीसदी न्यूनतम अंक लाना जरूरी है। याचिका में कहा गया कि चयन प्रक्रिया शुरू होने के बाद भर्ती के नियमों में बदलाव नहीं हो सकता। भर्ती में पूर्व में जब न्यूनतम अंकों की कोई बाध्यता नहीं थी तो साक्षात्कार के बाद यह बाध्यता अनिवार्य करना कानूनी प्रावधानों के खिलाफ है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

चन्द्रशेखर शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने

जयपुर । अखिल भारतीय श्री महर्षि गौतम शैक्षिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट ने चन्द्रशेखर शर्मा को ट्रस्ट में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है । राष्ट्रीय अध्यक्ष हरि गोपाल उपाध्याय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि शर्मा ट्रस्ट के राष्ट्रीय कार्यों व गतिविधियों को सशक्त करने में सहयोग करेंगे। आदेश की प्रतिलिपि ट्रस्ट के सभी संबंधित पदाधिकारियों व कार्यालयों को भेज दी गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात

जयपुर । राज निजी सहायक संवर्ग महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गिरीश जैन एवं प्रदेश महामंत्री पृथ्वी सिंह राठौड़ ने अयोध्या राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को राम दरबार भेंट की। उन्होंने प्रदेश में गत 2 वर्ष से राजस्थान में राम राज्य कायम करने की दिशा में अपराध मुक्त राजस्थान बनाने, युवाओं के लिए एक लाख से अधिक भर्तियों का कैलेंडर जारी करने, कर्मचारी कल्याण बोर्ड के माध्यम से कर्मचारियों की समस्याओं का निस्तारण करने, महिला सशक्तिकरण की दिशा में पालनहार योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना के अलावा पेपर लीक रोकथाम कानून के माध्यम से युवाओं के भविष्य को संवारने का जो कार्य किया है उसके लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। महासंघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी रवि पारीक ने बताया कि इस दौरान मुख्यमंत्री को निजी सहायक संवर्ग की मांगों का पत्र सौंपकर आगामी बजट में संवर्ग के कार्मिकों के हितों के लिए घोषणा करने का भी निवेदन किया।

हनी ट्रैप गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । कानोता पुलिस ने हनी ट्रैप में फंसाकर लूट करने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ़्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के लिए उसे सात दिन के रिमांड पर लिया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार अभियुक्त सोशल मीडिया के जरिए लोगों को प्रेमजाल में फंसाकर लूट की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस दोनो आरोपियों से गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। गौरतलब है कि 14 अप्रैल को पीड़ित राजेश कुमार गौड ने मामला दर्ज कराया था कि उसकी एक युवती ने इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई । जिसके बाद युवती ने उसका मोबाइल नंबर लिया और लगातार उससे बातचीत करने लग गई। जिसके बाद युवती ने उसे मिलने का झांसा देकर जयपुर बुलाया और सुनसान मकान में ले जाकर उसे बंधक बना कर उसके साथ मारपीट करते हुए एक लाख रुपए और लैपटॉप लूट लिया। आरोपियों के चुगंल से मुक्त होने के बाद पीड़ित पुलिस के पास पहुंचा और घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने छानबीन करते हुए खाते की डिटेल और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ओमप्रकाश योगी उर्फ विक्की (25) निवासी ग्राम नादौती, जिला करौली को गिरफ्तार कर लिया। ओमप्रकाश योगी में पंचवटी कॉलोनी, सांगानेर में किराए पर रहता था। पुलिस ने ओमप्रकाश योगी की महिला साथी को भी गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को पुलिस ने 7 दिन पर रिमांड पर लिया है।

15 किलो गांजे के साथ तस्कर पकड़ा

जयपुर । कानोता पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 15 किलो 400 ग्राम अवैध गांजा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा इंस्टाग्राम ट्रैप गैंग के पुराने मामले का भी खुलासा किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजय नैन ने बताया कि जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। जिसके चलते अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल के निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त विनय कुमार डी.एच. के नेतृत्व में थानाधिकारी मुनिंदर सिंह की अगुवाई में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने साबरिया मोड़ स्थित बाबूलाल सैन की दुकान के पीछे खाली मैदान में दबिश देकर गांजे की तस्करी कर रहे आरोपी सूरज प्रजापत (33) निवासी कानोता को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से कुल 15 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद किया गया। आरोपी फिलहाल पुलिस रिमांड पर है। पुलिस गांजे की आपूर्ति के स्त्रोत एवं तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। वहीं पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी एक ऐसे गिरोह से भी जुड़ा है, जो फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर लोगों से दोस्ती करता था। गिरोह सरकारी कर्मचारी या धनाढ्य व्यक्तियों को निशाना बनाता, प्रेमजाल में फंसाकर सुनसान मकान में बुलाता था।

The 2011 Egyptian Revolution: A Nation Demands Change

On January 25, 2011, Egypt witnessed the beginning of a historic uprising as thousands gathered in Cairo's Tahrir Square, demanding the resignation of President Hosni Mubarak. Sparked by widespread frustration over corruption, unemployment, and political repression, the protests quickly spread across the country, marking the start of the Egyptian Revolution. Citizens from all walks of life united, using social media to organize and amplify their calls for change. The movement symbolized a broader wave of the Arab Spring, inspiring other nations to challenge authoritarian rule. The protests ultimately led to Mubarak stepping down, reshaping Egypt's political landscape.

#LT GEN KULDIP SINGH BRAR

How One Call Forced Pakistan to Surrender in 1971 Indo-Pak War

We are ready to surrender but we don't know how to inform the Indian Army that we are ready to surrender. I don't know how to respond to speeches of Manekshaw

Gen- On the radio, we were hearing announcements from Sam Manekshaw, I ask you all to surrender, we will be given Geneva Convention Treatment, we look after you, why do you want to give your lives, please surrender.

Interviewer- You heard this legendary speech of General Manekshaw.

Gen- Not once nor twice. He repeated it six times. My GOC was Gen Nagra. Very fine man. So, Nagra said why don't we send a patrol to the bridge to see if anyone is there. We sent the Patrol. We found the bridge abandoned. Pakistanis had left and gone back to Dhaka. There was a telephone there. Reply came from the other end. Headquarter Eastern Command here. Brigadier Claire said can we speak to Gen Niazi please? Who is calling? He said we are from the Indian Army. Gen Gandharv Nagra would like to speak to him.

Now, Gandharv and Niazi had been in college together in Lahore. Niazi came onto the phone and he says that I have already given orders to my troops to move into the barracks and to be ready to surrender. We are ready to surrender but we don't know how to inform India and the Indian Army that we are ready to surrender. I don't know how to respond to speeches of Manekshaw. So, Gandharv said that we are here. I am sending Gen Jamshed. Somehow or the other through his office, through one of the channels, we managed to get through to Shillong, passed the message to Gen Jacob, Chief of Staff, to say that we are already in Dhaka, we are sitting in Niazi's office, he is ready to surrender. So, we spoke to Gen Arora and Jacob said, "I am coming down by Helicopter. I will land there and then set up a meeting between Gen Niazi and me."

So, it was decided that at 4:30, surrender ceremony will take place at the race course in Dhaka. All the 90000 troops there will parade. Gen Niazi will hand over his revolver to Gen Arora, troops will put their weapons down and surrender and then the surrender ceremony will take place for which Gen Arora arrived. Gen Arora, Gen Jacob, Naval gentlemen, army, they signed the surrender. I was there.

AN ODE TO ARUN KHETARPAL

Soon thereafter, the enemy reformed with the squadron of armour for a second attack, and this time, they selected the sector held by Arun and two other tanks as the point for their main effort. A fierce tank fight ensued and out of ten enemy tanks hit and destroyed, Arun personally accounted for four. When enemy fire severely wounded him, he was asked to abandon his tank but realizing that the enemy, though badly decimated, was continuing to advance in his area, and if he abandoned his tank, the enemy would break through, he chose to gallantly fight on and destroyed another enemy tank.

#WARRIORS

● Bulbul Joshi

Arun Khetarpal, Foxtrot Squadron, 38th Course, National Defence Academy (NDA, not a political alliance), evokes memories of exciting swimming competitions, of paddling neck to neck in sprints till I beat him only in the last few yards and of blocking each other in water-polo! Being my senior by a year, when we parted company, little did I know then that we would never meet in the Armoured Corps, which I joined later.

Belonging to the Khetarpal family hailing from Sargodha, now in Pakistan's Punjab and one with a long tradition of service in the Army from his father's great-grandfather's time, Arun was born on 14th October 1950, at Poona (Pune), to Maheshwari and Madan Lal Ketarpal, then a Lietenant Colonel of the Corps of Engineers. Mrs. Maheshwari Khetrapal came from the distinguished Tandon family of Hardoi, in Uttar Pradesh. Arun had his early schooling in local schools of whichever station his parents happened to be in and after four years at Lawrence School, Sanawar, followed by three years at NDA and a year in the Indian Military Academy (IMA), Dehradun, was commissioned on 13 Jun 1971 into The Poona Horse (17th Horse).

The clouds of the third and most significant India-Pakistan War were gathering when Arun joined the regiment. His colleague, Brijendra Singh, now a early retired Brigadier, has an interesting anecdote to tell about Arun. In October 1971, both were into their third day of the Young Officers' Course at Armoured Corps Centre and School, Ahmednagar, when it was called off because of the impending war. At New Delhi Railway Station, where they had to change trains, Arun wanted to make a quick trip home. The reason, he told on being asked by Brijendra, was that he wanted to collect his 'Blue Patrols' (ceremonial mess dress) and golf set. "Are you bonkers? We are going for war," exclaimed Brijendra. "Certainly not. We will be winning this war and both these items will be required in Lahore!" On 3rd December 1971, when it began, The Poona Horse was poised on the own side of Basantar river, rearing to go.

On 16 December, when 'B' Squardron Commander of 'The Poona Horse' asked for reinforcements on radio as the Pakistani tanks in superior strength had counter attacked his in the area of Jarpal, Second Lieutenant Arun Khetrarpal, commanding a tank troop (a sub-sub unit of 3 tanks) in 'A' squadron, voluntarily moved his troop to assist 'B' squadron. Enroute, while crossing the Basantar River, his tanks came under heavy fire from enemy strong points which were still holding out. Time was at premium and as a critical situation was developing in the 'B' squadron sector, Arun threw caution to the winds and started attacking the enemy infantry with small arms and after clearing this opposition, so carried away by the wild enthusiasm of battle and the impetus of his own headlong dash, he started chasing the withdrawing enemy tanks and even managed to shoot and destroy one of them.

Soon thereafter, the enemy reformed with the squadron of armour for a second attack, and this time, they selected the sector held by Arun and two other tanks as the point for their main effort. A fierce tank fight ensued and out of ten enemy tanks hit and destroyed, Arun personally accounted for four. When enemy fire severely wounded him, he was asked to abandon his tank, but realizing that the enemy, though badly decimated, was continuing to advance in his area, and if he abandoned his tank, the enemy would break through, he chose to gallantly fight on and destroyed another enemy tank.

At this stage, his tank received a second hit which caused his death, but his intrepid valour saved the day, as the enemy was denied a desperately sought break-through.

Arun Khetarpal became the youngest recipient of the Param Vir Chakra, India's highest award for gallantry in war. His mother was handed over the medal and scroll by then President VV Giri on Republic Day, 1972.

The story of Arun's role in the Battle of Basantar did not end on that day, or even after the ceasefire of this short two weeks war, resulting in the demise of East Pakistan and the announcement of the newly liberated Bangladesh. Major Khwaja Mohammad Nasir, then a Squadron Commander of 13th Lancers, the regiment pitched against Poona Horse, who came bandaged the next day to collect the dead bodies of his fallen comrades, wanted to know more about 'the officer, who stood like an insurmountable rock' and whose troop of three British World War II vintage Centurian tanks was responsible for decimation of his entire squadron of fourteen American Patton tanks of more recent make.

His bandages were owing to injuries sustained by him in the final engagement of his and Arun's tank. 13th Lancers is the same regiment which exchanged its Sikh squadron with the Muslim squadron of Poona Horse, during the partition in 1947.

Nasir's tribute to Arun did not end in the battlefield in December 1971. Brigadier (Retd) Madan Khetarpal, living a quiet life with his wife, Maheshwari, in New Delhi, had for long nursed a desire to visit his hometown, Sargodha, Pakistan. Speaking to me, he mentioned that in 2001, when he sounded his old friend, Retired Lieutenant General Kirpal Singh Randhawa, of 7th Cavalry, who visited Pakistan a number of times in the past couple of decades, the latter merely asked him for his passport, which he brought back a few days later with the Pakistan visa signed on it. Not only that, he had also arranged with his Aitchison's College (Lahore) mate, the same Khwaja Mohammad Nasir, a Brigadier and manager of Pakistan's cricket team, to host Brigadier Khetarpal.

During this visit, Nasir hesitatingly admitted that he was the one at whose hands Arun died. "...He (Arun) was singularly responsible for our failure. He was a very brave boy...," said Nasir to the senior Khetarpal, who even in his sorrow, stoically remained an officer and a gentleman. It was indeed a pleasant surprise that President APJ Abdul Kalam addressed the Arun Khetarpal Memorial Lecture on 18th November 2005, for which 25 students of Lawrence School, Sanawar and other schools from Delhi were also invited.

rajeshsharma1049@gmail.com

#REVELATIONS

BR Ambedkar On Gandhi

However, I (Ambedkar) always say that because I met Mr. Gandhi as an opponent, I feel I understand him better than most people

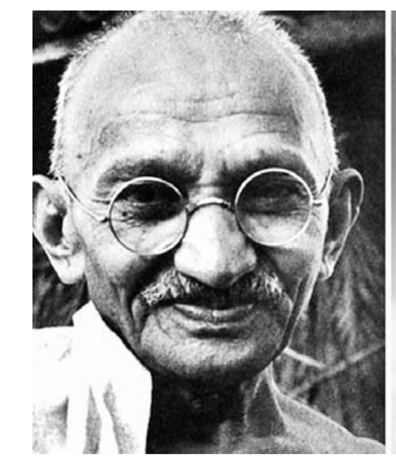

First met him in 1929, through the intervention of a common friend, who asked Mr. Gandhi to see me. Mr. Gandhi then wrote to me, expressing his desire to meet, so, I went and saw him just before the Round Table Conference. He attended the second Round Table Conference but not the first, and he stayed for about five or six months, during which time, I met him again and also confronted him.

Later, after the signing of the Poona Pact, Mr. Gandhi asked me to visit him again. I went to see him while he was in jail, and that was the only time I met him. However, I always say that because I met Mr. Gandhi as an opponent, I feel I understand him better than most people. He revealed his true nature to me, showing his real character, while others who went to him as devotees saw only his outward appearance as a Mahatma. I saw him as a human being, in his raw and unvarnished form. Therefore, I believe I understand him more deeply than most of those who associated with him.

When it comes to how I perceive him, I must admit I find it surprising how much interest the Western world, in particular, seems to have in Mr. Gandhi. In my judgment, Gandhi was an episode in the history of India, not an epoch maker. He has already vanished from the memory of the people in this country, and his memory is largely kept alive because the Congress party holds annual celebrations, either on his birthday or on some other day connected to his life. Without these artificial observances, I think Gandhi would have been long forgotten.

You might ask if I feel he fundamentally changed India, and I would say not at all. In fact, he was always double-dealing. He ran two newspapers: Harijan in English, and before that, Young India, and in Gujarat, he ran another paper, Bandhu. If you read these two papers, you will see how Gandhi was deceiving the people. In Harijan, he posed as an opponent of the caste system and untouchability, portraying himself as a democrat. But if you read his Gujarati writings, you will find him supporting the caste system and other orthodox Hindu dogmas that have kept India down for centuries.

Someone should write a biography of Mr. Gandhi, comparing the statements he made in his English paper with those in his Gujarati writings. The Western world only reads the English papers, where he advocated democratic ideals to maintain his esteem among Westerners who believed in democracy. However, what he actually said in his vernacular paper reveals a different side of him, one that has not been addressed in the numerous biographies of Gandhi, all of which focus on Harijan and Young India, but not his Gujarati writings.

As for his intentions with regard to the scheduled castes, Gandhi's approach was limited. He only wanted to abolish untouchability in a superficial way. We, the untouchables, wanted not only to be free from untouchability, but also to have equal opportunities to rise to the level of other classes. Simply abolishing untouchability without offering equal opportunities for advancement is of no consequence. We've been living with untouchability for over two thousand years, and no one has really cared about it.

Yes, there are harmful disabilities, like not being allowed to take water from public sources or own land for cultivation, but the most important issue is that untouchables should have the same status in the country as others. They should be given the opportunity to hold high offices and occupy strategic positions from which they can protect their own people. Gandhi, however, was totally opposed to this. He was content with things like temple entry, which, in my view, held little significance for the untouchables. Today, no one cares much for Hindu temples. The untouchables have become so conscious of the fact that temple entry is of no real consequence.

Living in an untouchable quarter is the same, whether or not you go to the temple. Similarly, people once refused to let untouchables travel by train because of the perceived pollution, but now, they don't mind because the railways make no special arrangements, and everyone travels together. However, this doesn't mean that life in the villages has changed for the untouchables. Whenever the Hindu and untouchable meet in a railway carriage, they revert to their old attitudes.

So, yes, Gandhi was an orthodox Hindu, absolutely. I never saw him as a reformer, he lacked the dynamism to bring about real change. All this talk about untouchability was really just an attempt to draw the untouchables into the Congress party, and secondly, to prevent the untouchables from opposing his Swaraj movement. Beyond that, I don't think he had any real motive for upliftment. He wasn't like Garrison in the United States, who fought for the rights of African Americans.

THE WALL

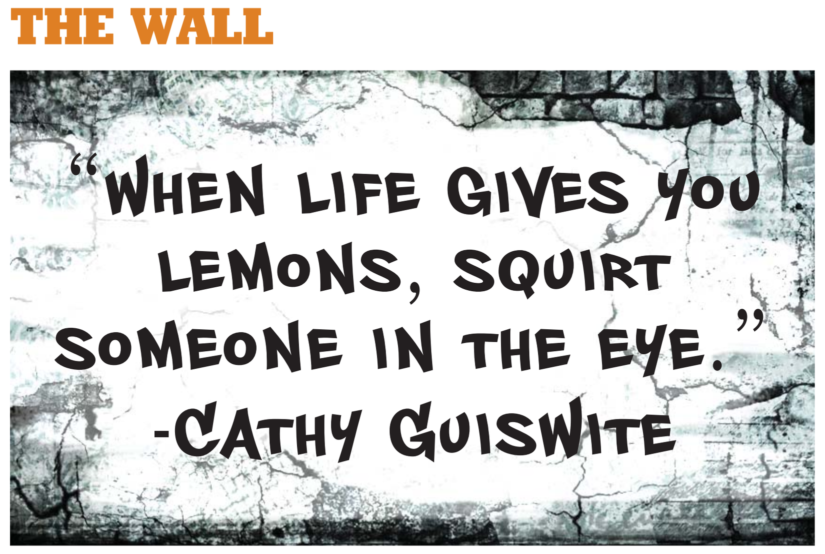

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

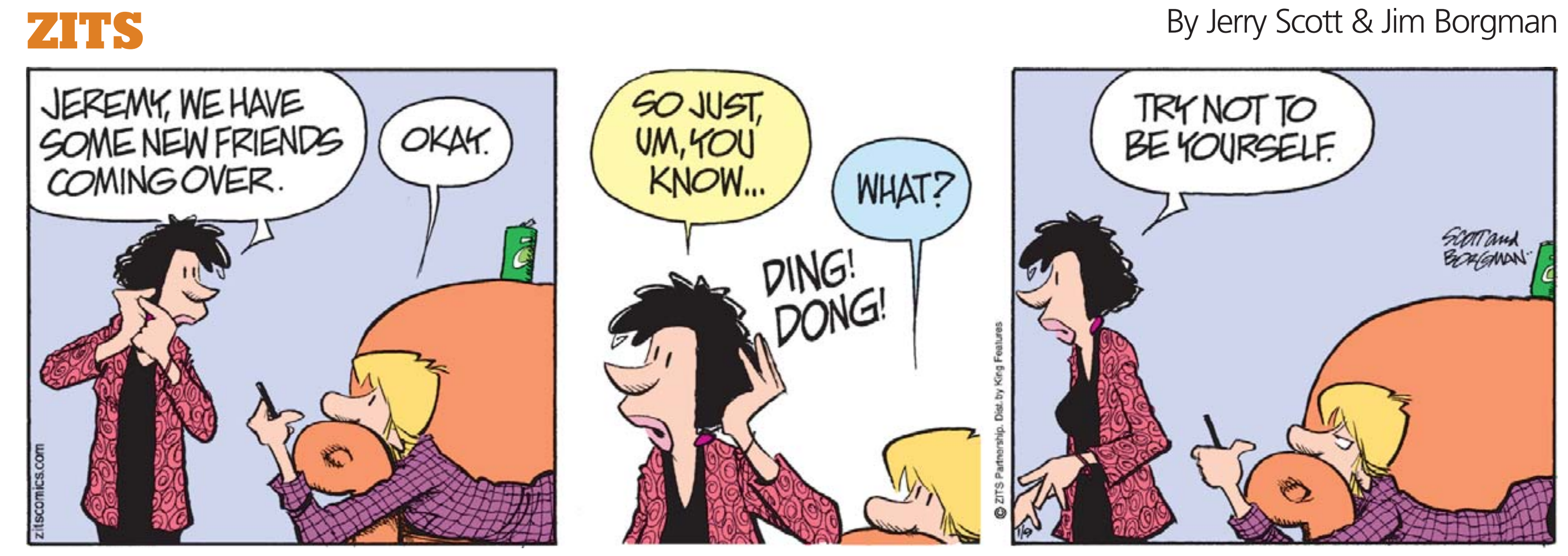

संक्षिप्त

साइकिल कार्यक्रम आज

दौसा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर रविवार, 25 जनवरी को सुबह 9 बजे से फिट इंडिया साइक्लिंग ड्राइव के अंतर्गत संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। साथ ही प्रातः 10 बजे जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम होगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं स्वीप नोडल प्रभारी बिरदी चंद गंगवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में जिले में मतदाता जागरूकता एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए आयोजित साइक्लिंग अभियान जिला कलेक्ट्रेट से प्रारंभ होकर पंडित नवल किशोर शर्मा राजकीय महाविद्यालय पर संपन्न होगा। कार्यक्रम में जिला स्तरीय अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, एनएसएस एवं एनसीसी स्वयंसेवक, महाविद्यालयों के विद्यार्थी एवं आम नागरिक भाग लेंगे।

महेन्द्र सिंह जिला अध्यक्ष बने

अलवर । प्रियंका गांधी संगठन आल इंडिया ने अलवर जिला अध्यक्ष के पद पर महेन्द्र सिंह को नियुक्त किया है।संगठन के राष्ट्य अध्यक्ष कमलजीत ने उन्हें नियुक्त करते हुए हुए बताया है कि महेन्द्र सिंह राजस्थान संगठन मे सदस्य के रूप में अपनी सेवा देते हुए अलवर और राजस्थान में संगठन को मजबूती देने का काम करेगे।अपनी नियुक्ति पर नव नियुक्त जिला अध्यक्ष महेन्द्र सिंह ने संगठन पदाधिकारियों का अभार जताते हुए कहा है कि संगठन ने जो उनको जिम्मेदारी दी है वे उस पर खरा उतरने का प्रयास करेगे।

गुंसी में ग्राम उत्थान शिविर आज

निवाई/गुंसी। राज्य सरकार के आदेशानुसार 25 जनवरी को भारत निर्माण सेवा केंद्र गुंसी में गिरदावर सर्किल मूंडिया, चनानी, हनौतिया बुजुर्ग एवं गुंसी पंचायत का ग्राम उत्थान शिविर का आयोजन किया जाएगा। गुंसी सचिव मुकेशकुमार मीणा ने बताया कि शिविर में सभी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहकर आमजन के कार्य व योजनाओं से संबंधित कार्य संपादित करेंगे।

मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

सिरस। गौ सेवा समिति जिलाध्यक्ष हनुमान चौधरी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेजकर गांव मोहम्मदपुरा के जंगल में आटे में विस्फोटक मिलाकर रखने वाले आरोपी को गिरफ्तार करवाने की मांग की है। जिलाध्यक्ष चौधरी ने ज्ञापन में बताया कि मोहम्मदपुरा पंचायत के जंगल में किसी ने गुंधे हुए आटे में विस्फोटक रख दिया था। जिसको खाने से एक गाय माता की मौत हो गई। आरोपियों को गिरफ्तार करवाने के लिए गौ सेवकों ने धरना देकर सौप पुलिस थाने में रिपोर्ट भी दर्ज करवा दी थी। विस्फोटक से गाय की मौत होने पर गौ सवेकों ने बैठक आयोजित की। गौ सेवकों ने आरोपियों को सात दिन में गिरफ्तार करने की मांग की। ज्ञापन में बताया कि सात दिन में गिरफ्तार करने किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

रक्तदान शिविर आज

निवाई। पंछी फाउंडेशन संस्थान के तत्वावधान में श्याम मंदिर में 25 जनवरी को आठवां विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। फाउंडेशन के प्रतिनिधि आशु बड़ागांव ने बताया कि शिविर में सैंकड़ों रक्तदाता रक्तदान करेंगे। जिनको पंछी फाउंडेशन संस्थान द्वारा प्रशस्ति-पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया जाएगा।

विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

देवली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा यह कार्यक्रम सोमवार को देवली के अटल उद्यान (टीन शेड) मे होगा,। विराट हिन्दू सम्मेलन महावीर बस्ती द्वारा करवाया जा रहा है जो स्थनीय अटल उद्यान के टीन शेड में दोपहर 12:00 बजे से आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम में श्रमण मुनि 108 श्री प्रणीत सागर महाराज एवं श्री श्री मनीष दास जी महाराज का संत सानिध्य प्राप्त होगा।

बसंत पंचमी महोत्सव मनाया

निवाई। कीर कॉलोनी में स्थित सेवा भारती द्वारा संचालित बाल संस्कार केंद्र में आशा जैन के सानिध्य में बसंत पंचमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

शिक्षा की क्रांति से ही बदलेगी समाज की तस्वीर : जवाहर सिंह बेढ़म

- गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह में मंत्री बेढ़म ने आईएएस, आरपीएस और मेधावी छात्रों की उपलब्धियों को सराहा

डीग। राजस्थान सरकार के गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शनिवार को अलवर-डीग बॉर्डर पर गुर्जर सेवा समिति, बृजनगर द्वारा आयोजित भव्य गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान गृह राज्य मंत्री ने न केवल मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति आई जागृति को एक क्रांति की संज्ञा दी।

विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने गर्व के साथ कहा कि समाज में प्रचार-प्रसार और जागरूकता का ही परिणाम है कि हमारे बच्चे 95 प्रतिशत से अधिक अंक ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे समाज की प्रतिभाएं अब आरएएस, आरपीएस, आईपीएस और आईएएस बनकर देश की सर्वोच्च सेवाओं में अपना स्थान बना रही हैं। यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि समाज ने शिक्षा के महत्व को गहराई से स्वीकार किया है।

'मैं आपका प्रतिनिधि हूँ, आपके आशीर्वाद से ही यहाँ हूँ'

उन्होंने जनता से जुड़ते हुए कहा कि मैं केवल एक मंत्री नहीं, बल्कि आपका प्रतिनिधि हूँ। आप सभी के आशीर्वाद और स्नेह की बदौलत ही मैं आज राजस्थान सरकार में हूँ और आपकी सेवा कर पा रहा हूँ। उन्होंने आश्वासन दिया कि कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष द्वारा जो भी विषय और मांगें रखी गई हैं, उन पर वे गंभीरता से विचार करेंगे और उनका समाधान सुनिश्चित करेंगे।

गृह राज्य मंत्री ने गुर्जर सेवा समिति और ऐसी अन्य सामाजिक संस्थाओं को बधाई देते हुए कहा कि आपने जो प्रण लिया था और जो शुरुआत की थी, आज

सामारोह में गृह राज्य मंत्री ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और समाजसेवियों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

बालिका दिवस पर लिया शिक्षा स्वास्थ्य का संकल्प

टोंक। शिव शिक्षा समिति रानोली द्वारा अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन के सहयोग से संचालित सपनों की उडान परियोजना के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बगडवा, प्यावडी, बगडी, सन्देडा एवं मालीपुरा में बालिका दिवस का आयोजन किया गया।

संस्था सचिव डॉ. शिवजी राम यादव ने बताया की 21वीं सदी मे जहाँ सभी बराबरी और गरीमा के साथ जीवनयापन की बात कर रहे है, वही आज भी ऐसी खबरें ह्रदय को विचलित कर देती है जो हमारी बेटीयों की सुरक्षा से जुडी होती है। हम बेटीयों को तो इज्जत का प्रयाय मान लेते है किन्तु बेटों को लड़कियों को सम्मान व सुरक्षा की शिक्षा देने मे कमी रख देते हैं जिससे समाज मे असुरक्षा एवं असतुलंन की स्थिति पैदा होती है। बालिका दिवस के माध्यम से सभी बेटियों को सम्मान शिक्षा एवं सुरक्षा मुहैया हो का संदेश दिया।

कुनेड विद्यालय में मेगा पीटीएम व निपुण मेले का आयोजन

पावटा। ग्राम कुनेड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को मेगा पीटीएम (पैरेंट्स-टीचर्स मीटिंग) एवं निपुण मेले का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर का आकलन करना, अभिभावकों को बच्चों की प्रगति से अवगत कराना तथा निपुण भारत मिशन के तहत बुनियादी साक्षरता व संख्यात्मक ज्ञान को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा भाषा, गणित एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित गतिविधियों, मॉडल्स और शिक्षण सामग्री का प्रदर्शन किया गया, जिसे अभिभावकों ने सराहा।

निपुण मेले में बच्चों ने खेल-खेल में सीखने की गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। मेगा पीटीएम में प्रधानाचार्या मनीषा रानी सहित शिक्षकों राजेंद्र प्रसाद यादव, रामसिंह यादव, मोतीलाल यादव, अरविंद मीणा, कमली बाई ने अभिभावकों से संवाद कर विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति, व्यवहार, उपस्थिति एवं भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। साथ ही बच्चों के सर्वांगीण विकास में अभिभावकों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम के बाद विद्यार्थियों के लिए कृष्ण भोग की व्यवस्था की गई। सभी विद्यार्थियों ने इस भोजन प्रसादी का आनंद लिया। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से अभिभावकों और शिक्षकों के बीच समन्वय मजबूत होता हैं।

कार्यक्रम में बच्चों ने खेल-खेल में सीखने की गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में 18 विद्यार्थियों का चयन

पावटा। कस्बा पावटा स्थित मिंटू शर्मा द्वारा संचालित सोमरा गुरुकुल सैनिक एकेडमी के विद्यार्थियों ने पहले ही वर्ष में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए यूपी सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। झुनझुनू संस्था के निदेशक अजय सोमरा द्वारा संचालित व पावटा को मिलाकर कुल 22 छात्रो में से 18 छात्र -छात्राओं का यूपी सैनिक स्कूल का चयन साक्षात्कार एवं मेडिकल जांच के लिए हुआ है। इस उपलब्धि पर संस्था के निदेशक अजय सोमरा और पावटा शाखा के अध्यक्ष और संस्थापक मिंटू शर्मा द्वारा स्कूल परिसर में मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें चयनित लकी सिंह, देवराज, राकेश चाहर, कृष्ण कुमार, मधु , प्रदीप, प्रतीक,समर्थ त्यागी, सिदार्थ, सुमित कुमार, वेद भूषण, वेदांत, प्रकाश यादव, यश गावर और गौरव का माल्यार्पण कर प्रतीक चिह्न देकर स्वागत किया।

जयपुर से फुलेरा के बीच नई डेमो ट्रेन चलाने की मांग

- फुलेरा यार्ड के पास बने अंडरपास का मेंटेनेंस कर पुनः चालू किए जाने पर रेल प्रशासन का आभार प्रकट किया

फुलेरा। दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत का एक प्रतिनिधी मंडल अपर मंडल रेल प्रबंधक अशफाक हुसैन अंसारी से मिलकर फुलेरा यार्ड के पास बने अंडरपास का मेंटेनेंस कर पुनः चालू किए जाने पर रेल प्रशासन का आभार प्रकट किया। संघ अशोक वासदेव ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल की ओर से अपर मंडल रेल प्रबंधक को एक ज्ञापन सौंपकर जयपुर से फुलेरा के बीच शाम के समय नई डेमो ट्रेन चलाने की मांग की गई। संघ ने अवगत कराया कि कनकपुरा क्षेत्र के दैनिक रेल यात्री एवं मजदूर वर्ग शाम 5 से 5:30 बजे तक स्टेशन पहुंच जाता है, लेकिन उन्हें पहली ट्रेन शाम 6:40 बजे जयपुर-भोपाल ट्रेन मिलती है, जो लंबे रूट की होने के कारण जयपुर से ही पूरी तरह भर जाती है।

साथ यह भी बताया कि कोरोना काल से पूर्व जयपुर से शाम 5:20 बजे डेमू ट्रेन का संचालन होता था, जिसे अब 7:20 कर दिया गया है।

यह ट्रेन गंगापुर सिटी तक जाती है और इसके समय में परिवर्तन फिलहाल संभव नहीं है, ऐसे में नई डेमो ट्रेन की आवश्यकता अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही फुलेरा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर बैठने की कुर्सियों की व्यवस्था नहीं होने, पुलिया निर्माण कार्य अधूरा रहने तथा कार्य की धीमी गति को लेकर भी नाराजगी जताई गई। संघ ने बताया कि 31 मार्च 2025 को रेल प्रशासन द्वारा फुलेरा स्टेशन पर एस्केलेटर एवं लिफ्ट सुविधा के लिए बजट स्वीकृत किया गया था, लेकिन लगभग एक वर्ष बीतने के बावजूद यह सुविधा अभी तक शुरू नहीं हो पाई है, जिससे बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों एवं दैनिक यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अपर मंडल रेल प्रबंधक अशफाक हुसैन अंसारी ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाई गई सभी समस्याओं पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में संघ अध्यक्ष अशोक वासदेव एवं संरक्षक भारतभूषण शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

एडीआरएम को ज्ञापन सौंपते दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत का प्रतिनिधि मण्डल।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस को 1.81 लाख रुपये चुकाने के आदेश

- हैल्थ इंश्योरेंसन का क्लैम नहीं देने का मामला
- 11 वर्षों की देरी करने पर 9 फीसदी ब्याज भी देना होगा बीमा धारक को

झुंझुनूं। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, झुंझुनूं ने बीमा कंपनियों की मनमानी के खिलाफ अहम फैसला सुनाते हुए रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी को उपभोक्ता को बीमा दावा राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने इसे सेवा में गंभीर कमी मानते हुए कंपनी को ब्याज सहित भुगतान करने का आदेश दिया है। आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने सुप्रीम कोर्ट की नजीर के साथ टिप्पणी की है कि बीमा कंपनी से यह उम्मीद की जाती है कि वह बीमा धारक के साथ निष्पक्ष व्यवहार करेगा, ना कि केवल अपने मुनाफे की परवाह करेगा।

मामले के अनुसार बडौदी की ढाणी, खेतड़ी निवासी शिशराम सैनी ने वर्ष 2013 में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस से स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी ली थी। पॉलिसी अवधि के दौरान अक्टूबर 2014 में अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें जयपुर के एक निजी अस्पताल में हार्ट सर्जरी करानी पड़ी, जिस पर लगभग दो लाख रुपये का खर्च आया। इसके बाद उपभोक्ता द्वारा सभी आवश्यक दस्तावेज और मेडिकल बिल बीमा कंपनी को प्रस्तुत किए गए, बावजूद इसके कंपनी ने दावा निरस्त कर दिया। आयोग ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि बीमा कंपनी द्वारा बार-बार अनावश्यक आपत्तियां उठाकर प्रकरण को वर्षों तक लंबित रखा गया। आयोग ने इसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की मूल भावना के विपरीत बताते हुए कंपनी के रवैये को अनुचित और उपभोक्ता विरोधी करार दिया।

जिला आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील एवं सदस्य प्रमेन्द्र कुमार सैनी की पीठ ने अपने आदेश में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस को निर्देश दिए कि वह उपभोक्ता को 1,81,529 रुपये की दावा राशि, वाद दायर करने की तिथि से 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित अदा करे। साथ ही मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक क्षितपूर्ति के रूप में 15,500 रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 10,500 रुपये का भुगतान भी करने को कहा गया है।

आयोग ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समयावधि में आदेश की पालना नहीं की जाती है, तो देय राशि पर 12.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज लागू होगा।

'महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया जाए'

- कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को प्रशासन के साथ सीधा संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान करना

भरतपुर । जिला परियोजना प्रबंधन इकाई (राजीविका) द्वारा आयोजित राज सखी भरतपुर मेला 2026 के अंतर्गत शनिवार को विश्वप्रिय शास्त्री पार्क, भरतपुर में सखी संवाद- प्रशासन के साथ कार्यक्रम का प्रभावी एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को प्रशासन के साथ सीधा संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान करना तथा महिला सशक्तिकरण, आजीविका संवर्धन, सरकारी योजनाओं की जानकारी, रोजगार, श्रम कल्याण एवं वित्तीय समावेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. पूनम चौधरी एवं अमूल्य पाराशर द्वारा संभागीय आयुक्त नलिनी कठोतिया, संयुक्त निदेशक आयकर विभाग जयपुर आईआरएस फराह हुसैन, श्रम विभाग आयुक्त आईएएस पूजा पार्थ तथा भरतपुर उपखंड अधिकारी भारती गुप्ता से क्रमबद्ध संवाद किया गया। संवाद के दौरान अतिथियों ने अपने जीवन की प्रारंभिक शिक्षा, पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन, प्रशासनिक सेवाओं में कार्य करते हुए आई चुनौतियों एवं अनुभवों को साझा किया, जिससे उपस्थित महिलाओं को प्रेरणा एवं आत्मविश्वास मिला। संभागीय आयुक्त नलिनी कठोतिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि भरतपुर जिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता एवं सांस्कृतिक विरासत के कारण विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रमुख उद्देश्य जनता और सरकार के बीच सकारात्मक एवं मजबूत वातावरण का निर्माण करना है, ताकि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। उन्होंने सरकारी नीतियों को धरातल पर उतारने के लिए नवाचार, सकारात्मक सोच एवं मानवीय संवेदनाओं को आवश्यक बताया। एक दिव्यांग व्यक्ति को कियोस्क केंद्र आवंटन के उपरांत मिले आभार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान कर उनकी पीड़ा दूर करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

श्रम विभाग आयुक्त आईएएस पूजा पार्थ ने जालौर में जिला कलक्टर के रूप में अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए कहा कि महिलाएं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर हर चुनौती का सामना कर सकती हैं राजीविका से जुड़ी बहनें बैंक ऋण सहायता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनकर अपने जीवन स्तर में सुधार ला रही हैं।

सखी संवाद - प्रशासन के साथ कार्यक्रम का प्रभावी आयोजन हुआ।

बालिका दिवस पर छात्राओं ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया

सांभरझील। श्री सांभर पुस्तकालय के सन्निकट राजकीय बालिका उच्च मा. विद्यालय में बालिका दिवस के मौके पर अनेक कक्षाओं की छात्राओं ने अपने हुनर का प्रदर्शन कर बालिका दिवस की सार्थकता को रचनात्मक ढंग से समझाया। विभिन्न तरीके से बनाई रंगोली से ऊर्जावान संदेश प्रसारित कर सभी का दिल जीता। पोस्टर प्रतियोगिताओं में भी छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन कर सभी को अभिभूत किया, वही क्विज व निबंध प्रतियोगिता में अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय दिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रमुख छात्राओं को उपखंड अधिकारी कपिल राज ने पारितोषिक प्रदान किए। कार्यक्रम में उप प्रधानाचार्या सुनीता मीणा, स्वाति यादव , रामेश्वर लाल खटनावलिया, व्याख्याता लाविका छीपा, हेमराज मीणा, जितेंद्र दुलारिया, भवानी गोठवाल, प्रेम प्रकाश जांगिड़, विनोद दुलारिया, शैला चौहान , मुकेश मौर्य, हेमंत चौहान, सुरेंद्र सिंह मीणा सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

सार-समाचार

प्रज्ञासागर महाराज का भव्य मंगल प्रवेश चाकसू में हुआ

चाकसू। श्री अक्षय निधि आदिश्वर धाम के 28 एवं 29 जनवरी को होने वाले महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम हेतु आचार्य प्रज्ञासागर महाराज का चाकसू में भव्य मंगल प्रवेश बड़े ही उत्साह पूर्वक संपन्न हुआ।समाज के अध्यक्ष दिनेश बड़जात्या एवं महामंत्री प्रवीण शाह ने बताया कि प्रातः 8:30 बजे गुरुदेव का चाकसू में भव्य मंगल प्रवेश नागघाट तिराहे से फागी मोड़ से हुआ। मंगल प्रवेश कार्यक्रम संयोजक वी के बोहरा एवं अजय गंगवाल ने बताया कि कार्यक्रम हेतु 51 प्रवेश द्वार लगाए गए। जगह-जगह पुष्पवृष्टि की गई। समाज के सभी महिला-पुरुष एवं बच्चों ने बहुत ही भक्तिभाव से मंगल प्रवेश कार्यक्रम में जयकारों के साथ भाग लिया। ढोल-नगाड़े, शहनाई एवं भटिंडा से आये पंजाबी बैंड द्वारा अद्भुत एवं आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई। पूरे चाकसू नगर को भव्य डेकोरेटिव आइटमो, रंगोली एवं बैनरों द्वारा सजाया गया। शोभायात्रा फागी मोड़ से होते हुए नगर पालिका, हॉस्पिटल रोड, मामोडिया मोहल्ला, गोदामों से होती हुई मुख्य बाजार से तहसील चौराहा पहुंची ।जगह-जगह सभी दुकानों के बाहर गुरुदेव का पाद प्रक्षालन किया गया।तहसील चौराहे पर गुरुदेव का 10 फीट ऊंचे हाइड्रोलिक मंच पर स्वागत किया गया और गुरुदेव ने सभी को आशीर्वाद दिया।

कर्पूरी ठाकुर की 103वीं पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी आयोजित

दौसा। जिला कांग्रेस कमेटी ओबीसी प्रकोष्ठ, दौसा की बैठक शनिवार को ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष खैरातिलाल सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें भारत रत्न एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर की 103वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में उपस्थित वक्ताओं ने कर्पूरी ठाकुर के सामाजिक न्याय, समानता एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए किए गए ऐतिहासिक कार्यों पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। जिला अध्यक्ष खैरातीलाल सैनी ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने सादा जीवन और उच्च विचारों के माध्यम से राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया तथा पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए ओबीसी समाज को एकजुट कर बूथ स्तर तक कांग्रेस को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। नगर अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर जी का पूरा जीवन सामाजिक समरसता और गरीब-वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए समर्पित रहा।

वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता विषय पर कार्यशाला का आयोजन

कोटपूतली। यहां के राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में शनिवार को राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के संयुक्त तत्त्वाधान में आत्मनिर्भर एवं समृद्ध भारत के लिये वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. उर्मिल महलावत ने राष्ट्रीय भावना एवं देशहित की प्रेरणा दी। उन्होंने सभी से राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में भागीदार बनने के लिये प्रेरित किया। कार्यशाला में अक्षत शर्मा ने निवेशक के तौर पर वित्तीय निवेश के विभिन्न विकल्पों की जानकारी दी। वित्तीय धोखाधड़ी एवं जोखिमों से परिचित करवाया। संचालन कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संदीप कुमार आर्य ने किया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. शुभलता यादव ने आभार व्यक्त किया। कार्यशाला का समापन राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस दौरान प्रो. हरिराम धनेटिया, प्रो. शोभा जौहरी, प्रो. पदमा मीणा, प्रो. ज्योति पाठक, प्रो. बबीता, प्रो. सज्जन सिंह यादव, प्रो. आलेख कौड़िन्य, प्रो. योगेश कुमार यादव, प्रो. सुभाष यादव, प्रो. सुधीर यादव एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

फुलेरा में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से फैली सनसनी

फुलेरा। फुलेरा थाना क्षेत्र काचरोदा गांव में शनिवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार यादव ने बताया कि शनिवार 24 जनवरी को फोन के माध्यम से सूचना मिली कि काचरोदा रेलवे फाटक के पास निर्माणाधीन आरओबी के नीचे एक अज्ञात युवक मृत अवस्था में पड़ा हुआ है, जिस पर तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। प्राथमिक जांच के बाद शव को शिनाख्त के लिए राजकीय उपजिला अस्पताल फुलेरा की अस्थाई मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है, पुलिस ने अत्यधिक ठंड के कारण मृत्यु होना बताया है। मृतक युवक जिसने नीले रंग की टीशर्ट व डार्क रंग की जींस पहनी हुई थी, दाहिने हाथ पर अंग्रेजी में एसकेवी लिखा हुआ है, जो पहचान में सहायक हो सकता है। मृतक के कपड़ों और हुलिए के आधार पर आसपास के थाना क्षेत्रों में जानकारी भेजी गई है। फुलेरा थाना पुलिस ने जीआरपी, आरपीएफ तथा राजस्थान सहित हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तरप्रदेश एवं मध्यप्रदेश के समस्त थाना अधिकारियों से अपील की है कि यदि कहीं गुमशुदा व्यक्ति की रिपोर्ट दर्ज हो, तो फुलेरा थाना पुलिस से संपर्क करें। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयासों में जुटी हुई है। फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति मृतक को पहचानता हो, तो फुलेरा थाना पुलिस को सूचना देकर सहयोग करे।

अवैध स्मैक सहित दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम ने कोतवाली थाना क्षेत्र में 5 लाख रुपए कीमत की 23 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में आरोपियों द्वारा इस्तेमाल की गई कार और दो मोबाइल भी जब्त किए हैं,जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया शुक्रवार शाम को मुखबिर की सूचना के बाद कोतवाली थाना क्षेत्र के ईदगाह रोड के पास स्मैक की खरीद-फरोख्त करते पाये जाने पर टीम ने कार्यवाही करते हुए कार में सवार दो आरोपियों से पूछताछ के बाद स्मैक की सप्लाई करना स्वीकार किये जाने के बाद उनके कब्जे से 23 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद की गई। इस दौरान मौके से आरोपी चितरंजन पुत्र छोगालाल गुर्जर उम्र 43 साल निवासी आदर्श नगर मालपुरा व मुकेश सैनी पुत्र गोगाराम सैनी उम्र 33 साल निवासी मालियों की ढाणी डिग्गी को डिटेन कर कोतवाली थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया।

मालपुरा में एक दिवसीय खाद्य लाईसेंस शिविर 27 को

टोंक। राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत जिले में खाद्य लाईसेंस और रजिस्ट्रेशन मालपुरा उपखण्ड में पाण्डुषिला जयपुर रोड पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन 27 जनवरी को किया जाएगा। ,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि जिले में समस्त उपखण्ड स्तर पर विशेष अभियान चलाकर जिले के शहरी व ग्रामीण क्षैत्रो के आस पास से जुडे खाद्य कारोबारियों के लाईसेंस एवं रजिस्टेशन के लिए एक दिवसीय शिविर 27 जनवरी मंगलवार को पाण्डुषिला जयपुर रोड मालपुरा मे लगाया जाएगा। जिस दौरान खाद्य कारोबारियों के साथ विचारगोष्ठी का आयोजन कर खाद्य व्यापारियों की समस्याओं का निराकरण किया जायेगा।

मंदिर के निर्माण की रखी नींव

निवाई/गुंसी। राधागोविंदपुरा थूनी में शनिवार को सुबह वैदिक रीतिरिवाज व मंत्रोचारण के साथ भगवान शिवजी के मंदिर के निर्माण की नींव रखी गई। सागर गुर्जर व श्योदयाल गुर्जर ने बताया कि राधागोविंदपुरा थूनी के गुर्जरों की ढाणी में कोई मंदिर नहीं था। किसी धार्मिक पर्व पर श्रद्धालुओं को पूजा करने के लिए दूसरे गांव में जाना पड़ता था। जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस दौरान मुख्य यजमान रामबिलास गुर्जर द्वारा नींव का पहला पत्थर रखा गया। इस अवसर पर महिलाओं ने मंगल गीत गाए और उसके बाद उपस्थित लोगों का मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया गया। इस अवसर पर भागुतालाल गुर्जर, रामभजन गुर्जर, गंगासागर गुर्जर, बद्रीलाल गुर्जर, श्योदयाल गुर्जर, गोपाल गुर्जर, दयाराम गुर्जर, सुरज्ञान गुर्जर, दयाशंकर एवं रामस्वरूप गुर्जर सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

श्रीगंगानगर में पारा 3.5 डिग्री रहा, 26 और 27 को बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ सहित कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। प्रदेश के कई जिलों में गत दिनों हुई बरसात के बाद सर्दी तेज हो गई है और मौसम में बदलाव देखा गया है। उदयपुर में शनिवार को शीतलहर के चलते सुबह से कड़ाके की सर्दी रही। 24 घंटों में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। अलवर में बारिश होने व ओले गिरने के अगले दिन शनिवार को शीतलहर ने सबको कंपकंपा दिया। वहीं श्रीगंगानगर जिले में वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर अब खत्म हो गया है, जिसके कारण मौसम ड्राई बना हुआ है और कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दिन में तेज धूप निकलने के बावजूद भी ठंडी हवाएं चल रही है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को श्रीगंगानगर जिला प्रदेश में दूसरा सबसे अधिक ठंडा जिला रहा। गुरुवार को हुई बारिश ने मौसम को बदल दिया। तेज धूप और सूखी ठंड का असर सरसों की फसल पर अधिक पड़ रहा है, जिससे सरसों के दाने पिचक जाएंगे और उत्पादन में कमी होगी।

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री रिकार्ड किया गया। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री और अधिकतम तापमान 21.5 डिग्री रिकार्ड किया गया। वहीं, गुरुवार को यहां न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री रिकार्ड किया गया था। मौसम विभाग ने 26 और 27 जनवरी को श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और आंधी और बारिश के साथ ओले भी गिरेंगे। वहीं, 25 जनवरी को जिलेभर में मौसम साफ रहने की संभावना जताई गई है।

उदयपुर में एक बार फिर सर्दी ने तेवर दिखाए

उदयपुर, (का.सं.)। झीलों की नगरी उदयपुर में शनिवार को शीतलहर के चलते सुबह से कड़ाके की सर्दी रही। 24 घंटों में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री की गिरावट आने से सर्दी फिर तेज हो गई है। तेज धूप निकलने के बाद भी ठंडी हवाओं से ठिठुरन बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में उत्तरी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में 6.4 डिग्री व अधिकतम तापमान में 6.2 डिग्री तक गिरावट दर्ज हुई है। बीती रात उदयपुर में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले उदयपुर में न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री था। उत्तरी हवाओं के प्रभाव से आगामी 48 घंटे तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होने व शीतलहर चलने की संभावना है।

मौसम एक्सपर्ट डॉ. आर.एस. देवड़ा के अनुसार मेवाड़ सहित दक्षिणी राजस्थान में भी मावठ होने और ओले गिरने की संभावना है। उत्तरी से चलने वाली 10 किलोमीटर प्रति घंटा रफ्तार से ठंडी हवाओं के कारण तापमान में कमी होगी। एक बार फिर से गलन वाली सर्दी का एहसास होगा। मौसम एक्सपर्ट के अनुसार ठंडी हवाओं के कारण तापमान में कमी होने और एक बार फिर गलन वाली सर्दी की संभावना है। उदयपुर शहर में सुबह बादलों का डेरा नहीं था और धूप भी नहीं थी। सर्दी के बदलते तेवर से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। ग्रामीण क्षेत्र में कडाके की सर्दी से बचने के लिए ग्रामीण घरों में ही अलाव का सहारा ले रहे हैं। काम पर जाने वाले लोग गर्म स्वेटर, मफलर, टोपी का सहारा लेकर बचाव कर रहे हैं।

अलवर में एक दिन में 8 डिग्री तक गिरा तापमान

अलवर, (निसं)। अलवर में बारिश होने व ओले गिरने के अगले दिन शनिवार सुबह से शीतलहर ने सबको कंपकंपा दिया। बर्फ जितनी ठंडी हवा चल रही है, लेकिन सुबह से ही धूप निकलने पर सर्दी से कुछ राहत भी मिली, जहां बादल छाए हैं, वहां सर्दी का असर ज्यादा है। शुक्रवार को बारिश होने पर अलवर में दिन का तापमान करीब 8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 20 डिग्री दर्ज हुआ। बीते कई दिनों से अधिकतम तापमान 28-29 डिग्री के करीब था। तापमान में यह गिरावट बारिश के चलते हुई है। वहीं न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री दर्ज हुआ था। वहीं शहर सहित आसपास में बर्फ जैसी सर्दी है, लेकिन दिन में धूप निकलने से फसल में कोई नुकसान नहीं है, इस तरह की सर्दी से फायदा है। आगामी दिनों में फसल को अभी सर्दी की जरूरत है। मौसम के जानकारों के अनुसार आगे 26 से 27 जनवरी के बीच में वापस मौसम बदल सकता है और बारिश होने का अनुमान है, जिससे सर्दी बनी रहेगी। इस कारण फसल अच्छी होने की उम्मीद है।

बाप क्षेत्र में वाहनों व घास पर जमी ओस की बूंदें

बाप, (निसं)। दो दिन पहले हुई मावठ के बाद शुरू हुई शीतलहर का असर शुक्रवार को भी जारी रहा। बीती रात तापमान गिरकर जमाव बिंदु के करीब पहुंच गया। शनिवार सुबह वाहनों, घास और फसलों पर कई जगह ओस की बूंदें जमी नजर आई।

वहीं शनिवार दोपहर बाद मौसम ने फिर करवट ली और बादल छा गए। बादलों के साथ चली बर्फीली हवाओं ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया। कुछ देर के लिए निकली धूप भी ठंडी हवाओं के सामने बेअसर साबित हुई। शाम ढलते ही सर्दी ने और तीखा रूप ले लिया। हालात ऐसे रहे कि गर्म कपड़ों में भी सर्द हवाएं महसूस हुईं। शीतलहर के चलते इलाके में गलन काफी बढ़ गई है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। निराश्रित पशुओं की हालत कड़ाके की सर्दी में दयनीय बनी हुई है।

दस हजार का इनामी तस्कर चार साल बाद गिरफ्तार

पुलिस ने एनडीपीएस मामले में फरार आरोपी को पंजाब के फतेहाबाद जिले से पकड़ा

बज्जू, (निसं)। पुलिस को एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चार साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी तस्कर करनैल सिंह उर्फ मैम्बर को हरियाणा के फतेहाबाद जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी को उसके पैतृक गांव हिजरावां कलां से पकड़ा है।

बज्जू थानाधिकारी जगदीश पांडर ने बताया कि यह मामला नवंबर 2021 का है। तत्कालीन थानाधिकारी बलवंतराम ने इंदिरा गांधी मुख्य नहर की 931 आरडी चौराहा पर नाकाबंदी के दौरान एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी से 22 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त जब्त किया था। उस समय कार चालक हरविंदर सिंह निवासी जीवन नगर रेओंद कला, पंजाब और चरणजीत कौर पत्नी अमरीक सिंह, निवासी रेओंद कला, पंजाब को गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, कार की बीच वाली सीट पर सवार करनैल सिंह उर्फ मैम्बर निवासी हिजरावां कलां, फतेहाबाद, हरियाणा मौके से फरार हो गया था। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम और तस्करों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बज्जू पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने हरियाणा जाकर तकनीकी और गोपनीय जानकारी के आधार पर आरोपी करनैल सिंह उर्फ मैम्बर पुत्र जुगलाल उर्फ जुगलसिंह को उसके गांव से दबोच लिया। इस कार्रवाई में थानाधिकारी जगदीश पांडर के साथ कांस्टेबल रामकुमार विश्नोई और रामेश्वरलाल विश्नोई शामिल थे।

कार की टक्कर से अधेड़ की मौत

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा थाना इलाके में कार की चपेट में आने से घायल हुए अधेड़ की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। गुमानपुरा थाने के एएसआई लतीफ मोहम्मद ने बताया कि कंसुआ निवासी सुरेन्द्र सिंह जो जनता टेलर की शॉप पर टेलर का काम करता था, एएसआई ने बताया कि सुरेन्द्र सिंह दुकान के किसी काम से बाजार पैदल जाते समय कार चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन को चलाते हुए सुरेन्द्र सिंह को टक्कर मार दी। कार की टक्कर से घायल व्यक्ति को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

बीकानेर में चोरी व गुम हुए 40 लाख के मोबाइल बरामद

बीकानेर, (निसं)। पुलिस ने चोरी और गुम हुए 170 मोबाइल बरामद कर ऑनर्स को वापस लौटाए। मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस ने राजस्थान समेत एमपी, बिहार, यूपी, हरियाणा से लोकेशन ट्रेस कर मोबाइलों को बरामद किया था। मोबाइल अधिकांश बुजुर्गों, महिलाओं, विद्यार्थियों और मजदूर वर्ग के थे। कई मामलों में मोबाइल किश्तों पर खरीदे गए थे, जिससे लोगों को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर ने बताया कि मोबाइल गुम होने की शिकायतें लगातार मिल रही थी। दूरसंचार विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों और मोबाइल गुमशुदगी रिपोर्ट के आधार पर सायबर सेल व थानों को विशेष निर्देश दिए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर चक्रवर्ती सिंह राठौड़ व ग्रामीण बनवारीलाल मीणा के निर्देशन में थाना स्तर पर टीमों का गठन किया गया और चोरी और गुम हुए 170 मोबाइल बरामद किये और मालिकों को लौटाये।

बीकानेर के नाल एयरपोर्ट से पैसेंजर लोड चार गुणा हुआ

बीकानेर, (निसं)। नाल स्थित एयरपोर्ट के लिए यह साल बेहद उत्साहजनक संकेत लेकर आया है। जहां वित्तीय वर्ष 2023-24 में महज 6470 यात्रियों ने हवाई सफर किया था, वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में अप्रैल से नवंबर के बीच ही 32265 पैसेंजर्स ने उड़ान भरी। यानी एक साल के अंतराल में बीकानेर एयरपोर्ट से यात्री संख्या में करीब 400 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया है। यह बढ़ोतरी न केवल शहर की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूती देती है, बल्कि भविष्य में नई फ्लाइट्स की संभावनाओं के द्वार भी खोलती है। नाल एयरपोर्ट से मिल रहे हालिया आंकड़े बीकानेर के लिए सकारात्मक और उम्मीद जगाने वाले हैं।

फिलहाल यहां से रोजाना इंडिगो एयरलाइंस की बीकानेर-दिल्ली फ्लाइट संचालित हो रही है, जिसे यात्रियों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसके अलावा एलाइंस एयर की ओर से सप्ताह में एक दिन शनिवार को बीकानेर-जयपुर उड़ान भी उपलब्ध है। इन सीमित उड़ानों के बावजूद यात्रियों की संख्या में जिस तरह की तेजी देखने को मिली है, उसने यह साफ कर दिया है कि बीकानेर में हवाई यात्रा की मांग लगातार बढ़ रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह ग्रोथ आने वाले समय में नई कनेक्टिविटी फ्लाइट्स के लिए मजबूत आधार बनेगी। बीकानेर व्यापार, उद्योग और पर्यटन की दृष्टि से तेजी से उभरता हुआ शहर है। देशभर में ऊन उद्योग, नमकीन, भुजिया, हस्तशिल्प और टूरिज्म के कारण बीकानेर की पहचान है। ऐसे में बेहतर एयर कनेक्टिविटी न केवल व्यापारियों के लिए समय और लागत की बचत करेगी, बल्कि शहर में निवेश और पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। नाल एयरपोर्ट से यात्रियों की संख्या में हुई करीब 400 प्रतिशत की वृद्धि यह साफ संदेश देती है कि बीकानेर अब हवाई नक्शे पर मजबूती से उभर रहा है। सीमित उड़ानों में भी मिली यह सफलता भविष्य की बड़ी उड़ानों का संकेत है।

यदि मांग के अनुरूप कनेक्टिविटी बढ़ाई जाती है, तो बीकानेर का आसमान आने वाले वर्षों में और व्यस्त नजर आएगा। नाल एयरपोर्ट से फिलहाल सिर्फ दो रूट्स पर नियमित उड़ानें हैं, इसके बावजूद पैसेंजर लोड में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि बीकानेर से दिल्ली और जयपुर के अलावा अन्य बड़े व्यापारिक और औद्योगिक शहरों के लिए सीधी उड़ानों की जबरदस्त जरूरत है। बीकानेर के कारोबारी लंबे समय से सूरत, अहमदाबाद, मुंबई और असम जैसे शहरों के लिए डायरेक्ट फ्लाइट की मांग कर रहे हैं। इन शहरों से बीकानेर का व्यापारिक और औद्योगिक जुड़ाव गहरा है। यदि ये रूट शुरू होते हैं तो नाल एयरपोर्ट उत्तर-पश्चिम राजस्थान का एक मजबूत एविएशन हब बन सकता है।

अलवर में पुलिस ने इनफील्ड बाइकें जब्त की

अलवर, (निसं)। अलवर ट्रैफिक पुलिस की लगातार कार्रवाई के चलते मॉडिफाइड इनफील्ड बाइक चालकों में अब डर पैदा हुआ है। शनिवार को भी ट्रैफिक पुलिस ने 30 वाहनों के चालान काटे और 4 मॉडिफाइड बाइक जब्त की है। इससे पहले एक साथ 250 मॉडिफाइड साइलेंसर को बुलडोजर से कुचलवाया था। ट्रैफिक पुलिस अलवर के इंचार्ज संजय शर्मा ने बताया कि ज्योतिराव फुले सर्किल पर लोक परिवहन बस संचालक मन चाहे जहां वाहनों को खड़ा करते थे। उनको गाइडलाइन समझाकर बसों के चालान किए हैं। करीब 30 वाहनों के चालान काटे हैं जो नियम के विरुद्ध वाहन चला रहे थे। पुलिस ने चार मॉडिफाइड बाइक के चालान भी काटे हैं। जिनको जब्त कर थाने लेकर आया गया। पुलिस ने रोडवेज प्रशासन को भी पत्र लिखकर अवगत कराया है कि रोडवेज की बसें अपने निर्धारित जगह पर खड़ी हों, ताकि मन चाहे जहां खड़ा करने से रोड जाम नहीं हों। बस वाले यात्रियों को उतारते समय जहां चाहे वहां खड़ा करते हैं।

अलवर सांसद भूपेंद्र सिंह की "एक पाती अलवर के नाम" की हो रही सराहना

सांसद यादव ने अपने क्षेत्र की जनता से जुड़ने के लिए एक अनूठी पहल शुरू की है, जिसे "एक पाती अलवर के नाम" नाम दिया है

किशनगढ़ बास, (निसं)। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण, जलवायु मंत्री व अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने अपने संसदीय क्षेत्र की जनता से जुड़ने के लिए एक अनूठी पहल शुरू की है, जिसे नाम दिया गया है "एक पाती अलवर के नाम।" यह पहल सांसद के फेसबुक पेज से लेकर व्हाट्सएप ग्रुपों तक बड़े उत्साह के साथ पढ़ी जा रही है और क्षेत्र में खासा चर्चा का विषय बनी हुई है। यह अलवर क्षेत्र की जनता के लिए शुरू की गई एक अभिनव एवं अनुकरणीय पहल है, जिसकी सर्वत्र सराहना हो रही है।

लोगों का कहना है कि जनता द्वारा चुने गए किसी जनप्रतिनिधि द्वारा इस प्रकार नियमित पत्र लेखन के माध्यम से सीधा संवाद स्थापित करने की शुरुआत पहली बार देखने को मिली है। यह पहल अलवर क्षेत्र में लोकप्रिय होने के साथ-

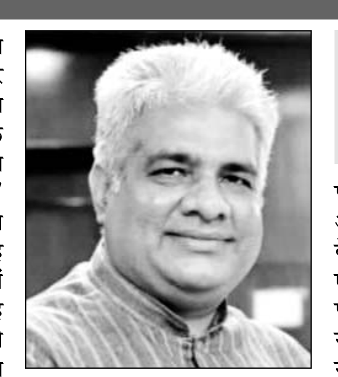

अलवर सांसद भूपेंद्र यादव।

साथ एक प्रेरणादायक मिसाल भी बन रही है। सांसद की यह पाती पढ़कर लोगों को गजल गायक पंकज उधास का प्रसिद्ध गीत वतन से चिट्ठी आई है... भी याद आ जाता है। "एक पाती अलवर के नाम" पत्र के माध्यम से सांसद भूपेंद्र यादव अपने संसदीय क्षेत्र की जनता के साथ वे सभी जानकारियां साझा करते हैं, जो एक जनसेवक का कर्तव्य होता है। इस पत्र में विकास कार्यों की जानकारी के साथ-साथ युवाओं, आमजन और क्षेत्र से जुड़े हर महत्वपूर्ण विषय को शामिल किया जाता है, जिससे जनता को उनके सांसद द्वारा किए जा रहे कार्यों की नियमित जानकारी मिलती रहे।

> ■ यह पत्र जन-जन में पढ़ा जा रहा है और क्षेत्र में जनप्रतिनिधि व जनता के बीच मजबूत संवाद का माध्यम बन गया है

13 जनवरी 2026 को केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद खैरथल जिला मुख्यालय पर करोड़ों रुपए के विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि वे पिछले 20 सप्ताह से प्रत्येक सप्ताह फेसबुक पर एक पाती अलवर के नाम लिख रहे हैं और अब तक ऐसा कोई सप्ताह नहीं रहा जब यह पत्र नहीं लिखा गया हो। उल्लेखनीय है कि अलवर संसदीय क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्र आते हैं और सांसद इन सभी क्षेत्रों की जनता के लिए इस पाती के माध्यम से संवाद स्थापित कर रहे हैं। यही कारण है कि यह पत्र जन-जन में पढ़ा जा रहा है और क्षेत्र में जनप्रतिनिधि व जनता के बीच मजबूत संवाद का माध्यम बन गया है।

अलवर में सायबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के बैंक खाते में करीब 16 लाख रुपए ट्रांसफर हुए थे

अलवर, (निसं)। अलवर में सायबर ठगी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के बैंक खाते में अलग-अलग स्थानों से करीब 16 लाख रुपए ट्रांसफर हुए थे। आरोपी की पहचान समुंद्र के रूप में हुई है, जो लिवारी गांव का रहने वाला है। अरावली विहार थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की है। पुलिस को सायबर सेल से सूचना मिली थी। आरोपी के बैंक खाते पर चार अलग-अलग सायबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। जैसे ही बड़ी राशि खाते में आई, पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए खाते को फ्रिज करवा दिया। आरोपी से पूछताछ में खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है।

अरावली विहार थानाधिकारी रामेश्वर लाल ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में सायबर अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सूचना मिलने पर आरोपी से पूछताछ की गई। जांच सामने आया कि वह एक संगठित सायबर ठगी नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। आरोपी ने कबूल किया कि वह अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर सायबर ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ थाने में मामला दर्ज कर लिया है, जबकि उसके फरार साथी की तलाश जारी है। फिलहाल आरोपी के बैंक खाते को फ्रीज कर दिया गया है और मामले में आगे की जांच की जा रही है।

डी-फार्मेसी डिप्लोमा दिलवाने के नाम पर 4.65 लाख की ठगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। डी-फार्मेसी डिप्लोमा दिलवाने के नाम पर परिवार से लाखों रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पति-पत्नी सहित तीन आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में जसप्रीत कौर निवासी 2 एसटीआर, नई मंडी घड़साना (श्रीगंगानगर) ने बताया कि अबोहर निवासी मनिन्द्र कौर और उसके पति तोता सिंह ने उनके परिवार से कहा कि उनके परिचित रामदेव कल्ला निवासी बीकानेर जयपुर के एक फार्मेसी कॉलेज से डी-फार्मेसी करवा सकते हैं। इसके बाद आरोपियों ने जसप्रीत कौर के भाई गुरवंत सिंह का एडमिशन करवाने के नाम पर 4 लाख 65 हजार रुपए ले लिए एज्युकेशन के डॉक्यूमेंट भी ले लिए। पैसे देने के बाद जब रसीद मांगी गई तो आरोपी मना करने लगे। बाद में उन्होंने

> ■ जयपुर के कॉलेज में पता किया तो नाम ही नहीं था, पति-पत्नी सहित तीन पर केस दर्ज

कह दिया कि ऑनलाइन कोई डेटा उपलब्ध नहीं है। इसके बाद जसप्रीत कौर के पिता ने जयपुर जाकर कॉलेज में पता किया तो गुरवंत सिंह का वहां एडमिशन ही नहीं हुआ था। जब महिला ने आरोपियों से इसके बारे में पूछा तो वे लड़ाई-झगड़ा करने लग गए। आरोपियों ने कहा कि वह महिला (जसप्रीत) की फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करके बदनाम कर देंगे, जिसके बाद महिला ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी देने का मामला दर्ज कराया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में मजदूर की मौत : कोटा में रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में सड़क पर पैदल जा रहा मजदूर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मजदूर ने शनिवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

रेलवे कॉलोनी थाने के एएसआई देवकरण ने बताया कि महात्मा गांधी कॉलोनी निवासी मुकेश जो मजदूरी करता था, मजदूरी करके पैदल जाते समय चन्द्रेसल इलाके में अज्ञात वाहन ने उसको टक्कर मार दी, जिसे उपचार के लिये किसी परिचित ने अस्पताल मे भर्ती कराया था। वहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बीकानेर में अलग-अलग हादसों में दो जनों की मौत

बीकानेर, (निसं)। ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर ट्रक लेकर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हादसा लूणकरणसर में राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर 264 आरडी के पास बीती रात करीब दस बजे हुआ।

पुलिस के अनुसार, कपूरीसर का रहने वाला रामनिवास (35) पुत्र ईश्वर राम पूनिया बाइक पर लूणकरणसर की ओर से अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में ट्रक से उसकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि रामनिवास गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने घायल को तुरंत उपजिला हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। मामले की जांच शुरू कर

> ■ बाइक सवार युवक की मौत के बाद आरोपी ड्राइवर ट्रक लेकर फरार हो गया

दी गई है और ट्रक चालक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

बज्जू के बांगड़सर ग्राम पंचायत की आरडी 888 पर एक किसान की सिंचाई डिग्गी में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पूनमचंद मेघवाल के रूप में हुई है जो रात में डिग्गी पर रखी मोटर को चालू करने गया था। उसका शव अगले दिन डिग्गी से बरामद किया गया। बज्जू पुलिस थाना के उपनिरीक्षक प्रेमसिंह ने बताया कि बांगड़सर निवासी बाबूलाल पुत्र मघाराम मेघवाल ने इस संबंध में एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार बाबूलाल और उसका छोटा भाई पूनमचंद आरडी 888 स्थित खेत में रहते थे। बाबूलाल ने बताया कि पूनमचंद रात करीब 9 बजे खेत में बनी सिंचाई डिग्गी पर मोटर पंप चालू करने गया था। जब वह डेढ़ घंटे तक वापस नहीं लौटा, तो बाबूलाल ने उसे फोन किया और खेत में ढूंढा, लेकिन वह नहीं मिला। डिग्गी पर जाकर देखने पर पानी में चप्पलें तैरती मिली। परिवार के अन्य सदस्यों को बुलाकर काफी तलाश के बाद अगले दिन सुबह पूनमचंद का शव डिग्गी से बाहर निकाला गया।

पुलिस ने बाबूलाल की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। मृतक पूनमचंद के शव का उपजिला अस्पताल बज्जू में पोस्टमॉर्टम करवाया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बज्जू थानाधिकारी द्वारा मामले की आगे की जांच की जा रही है।

अवैध शराब के साथ दो तस्करों को दबोचा

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर स्पेशल पुलिस टीम ने बाइक से शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सरथूना से डूका होकर गुजरात जाने वाले रास्ते पर दो बाइकों से अवैध शराब पकड़ी है। पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि अवैध शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत सूचना मिली कि सरथूना से डूका के रास्ते होकर गुजरात में शराब की तस्करी की जा रही है। इस पर डीएसटी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बॉर्डर के पास नाकाबंदी कर दी। पुलिस ने गुजरात नंबर की दो बाइकों को रुकवाया। बाइकों पर कट्टे लटके हुए थे। पुलिस ने उनकी तलाशी ली तो उनमें विभिन्न ब्रांड की शराब की बोतलें भरी हुई मिली, लेकिन दोनों के

> ■ अवैध शराब को कट्टों में भरकर बाइकों से गुजरात ले जा रहे थे, नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार किया

पास शराब ले जाने या रखने का कोई लाइसेंस नहीं मिला। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में रसिक भाई पुत्र रमन भाई डामोर निवासी तुम्बलिया थाना मेघरज जिला अरवल्ली गुजरात और भवानी सिंह उर्फ भली पुत्र गला डामोर निवासी सरथूना थाना धम्बोला को गिरफ्तार कर लिया है। डीएसटी ने शराब के साथ दोनों को पकड़कर धंबोला थाना पुलिस को सौंप दिया है। वहीं पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

गांजा तस्करों से पूछताछ जारी : भीलवाड़ा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। जिले के कारोई थाना पुलिस और डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 27 लाख रुपये से अधिक का अवैध गांजा जब्त किया है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक मारुति वैन से 54 किलो गांजा बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस गांजा तस्करों से पूछताछ कर रही है।

भीलवाड़ा एसपी धर्मेंद्र सिंह के निर्देश पर जिलेभर में चल रहे अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत यह बड़ी कार्रवाई हुई है। मुखबिर की सटीक सूचना पर कारोई थाना पुलिस और डीएसटी ने 22 जनवरी को नेशनल हाईवे 758 पर स्थित मुजरास टोल प्लाजा पर नाकाबंदी की। इस कार्रवाई का नेतृत्व प्रोबेशनर आईपीएस आयुष श्रोत्रिय कर रहे थे। टीम ने एक मारुति वैन को रुकवाया। तलाशी लेने पर वैन के अंदर छिपाकर रखे गए 10 कट्टों में अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से वैन चालक असलम मोहम्मद पिनारा (25) को गिरफ्तार किया है, जो हलेड़ का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, जब्त किए गए 54 किलो 170 ग्राम गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 27 लाख 8 हजार 500 रुपये आंकी गई है। इसके साथ ही तस्करी में इस्तेमाल मारुति वैन को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आरोपी असलम से पूछताछ कर रही है कि वह यह गांजा कहां से लाया था और इसकी सप्लाई कहां की जानी थी।

पशुघर में आग लगी

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागड़ा थाना क्षेत्र माडा मंदिर फला में शुक्रवार देर रात को एक पशुघर में आग लग गई। सूखा चारा भरा होने से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने समय रहते बाड़े में बंधे मवेशियों बचाया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

माडा मंदिर फला में प्रभुलाल लबाना के पशुघर में शुक्रवार देर रात को आग लग गई। पशुघर में सूखा चारा होने की आग की ऊंची ऊंची लपटें दूर तक दिखाई देने लगी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने मवेशियों को खोलकर बाड़े से बाहर निकाला। ग्रामीणों ने बर्तनों में पानी भर कर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। हादसे की सूचना पर देर रात को डूंगरपुर नगर परिषद से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

पाटन : बावरिया गैंग का सदस्य गिरफ्तार

पाटन, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बावरिया गैंग के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आदेश उर्फ कालू निवासी सुन्दरपुरा, थाना कोटपुतली, जिला कोटपुतली-बहरोड़ के रूप में हुई है।

पाटन थानाधिकारी रमेश मीणा ने बताया कि 22 जनवरी को दर्ज मामले में परिवादी राजेंद्र, निवासी वार्ड नंबर दो सरदार शहर, जिला चूरू ने रिपोर्ट दी थी कि 17 जनवरी की रात वह अपनी पत्नी चावली देवी के साथ कोटपुतली से अपने गांव सरदार शहर जा रहे थे। रात्रि होने के कारण दोनों लुहारों के डेरे के पास पाटन क्षेत्र में रुक गए। उनके

> ■ आरोपी पूर्व में भी सीकर, प्रागपुरा, मनोहरपुर और डेगाना (नागौर) क्षेत्रों में कई आपराधिक वारदातों में संलिप्त रहा है

साथ एक गाड़ी और मवेशी थे। 18 जनवरी की सुबह करीब 6 बजे जागने पर मवेशी मौके से गायब मिले। अज्ञात चोरों द्वारा पशुओं की चोरी कर ली गई थी। इस संबंध में बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने वांछित आरोपियों और चोरी गए माल की तलाश में घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान वारदात में प्रयुक्त बोलेरो एम्बुलेंस की तलाश कोटपुतली, बहरोड़, विराटनगर, प्रागपुरा, पावटा, थोई और अजीतगढ़ सहित कई क्षेत्रों में की गई। लगातार दबिश और गहन तलाशी के बाद पुलिस ने आरोपी आदेश उर्फ कालू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी पूर्व में भी सीकर, प्रागपुरा, मनोहरपुर और डेगाना (नागौर) क्षेत्रों में चोरी, लूट, डकैती, नकबजनी और स्नैचिंग जैसी कई आपराधिक वारदातों में संलिप्त रहा है।

युवा व ऊर्जावान

श्री नितिन नवीन जी

को

भारतीय जनता पार्टी

के

राष्ट्रीय अध्यक्ष

के रूप में निर्वाचित होने पर

हार्दिक शुभकामनायें

शुभेच्छु

सरदार सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी
उपाध्यक्ष

श्री नाहरसिंह जोधा
उपाध्यक्ष

श्री मुकेश दाधीच
उपाध्यक्ष

श्री बिहारीलाल बिश्नोई
उपाध्यक्ष

श्री छगन माहूर
उपाध्यक्ष

श्री हकरु माईडा
उपाध्यक्ष

डॉ.श्रीमती ज्योति मिर्धा
उपाध्यक्ष

श्रीमती अलका मूंदड़ा
उपाध्यक्ष

श्रीमती सरिता गेना
उपाध्यक्ष

श्री श्रवण सिंह बगड़ी
महामंत्री

श्री कैलाश मेघवाल
महामंत्री

श्री भूपेंद्र सैनी
महामंत्री

श्री मिथिलेश गौतम
महामंत्री

श्री नारायण मीणा
मंत्री

श्री अजीत मांडन
मंत्री

श्रीमती अपूर्वा सिंह
मंत्री

श्री आईदान सिंह भाटी
मंत्री

श्रीमती एकता अग्रवाल
मंत्री

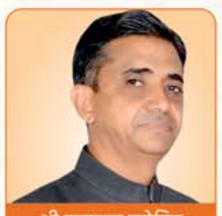
श्री नारायण पुरोहित
मंत्री

श्री सीताराम पोसवाल (गुर्जर)
मंत्री

श्री पंकज गुप्ता
कोषाध्यक्ष

डॉ श्याम अग्रवाल
सहकोषाध्यक्ष

श्री विजेंद्र पुनिया
प्रकोष्ठप्रभारी

श्री कैलाश शर्मा
प्रवक्ता

श्री कुलदीप धनकड
प्रवक्ता

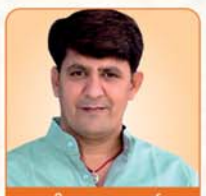
श्री रामलाल शर्मा
प्रवक्ता

श्री दशरथ सिंह
प्रवक्ता

श्री मदन प्रजापत
प्रवक्ता

श्रीमती राखी राठौड
प्रवक्ता

श्रीमती स्टेफी चौहान
प्रवक्ता

श्री मुकेश पारीक
कार्यालय सचिव

श्री अविनाश जोशी
प्रभारी, आई.टी.

श्री हीरेन्द्र कौशिक
प्रभारी, सोशल मीडिया

श्री प्रमोद वशिष्ठ
मीडिया प्रभारी

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

ATUL

अजहर की बैटिंग के वीडियो देखकर बहुत कुछ सीखा। "जब मैं छोटा था, तो मेरे पापा मुझे उनकी बैटिंग के वीडियो दिखाते थे। मैं उनके स्टाइल का बहुत बड़ा फैन हूं।"
– सरफराज खान

मुंबई बल्लेबाज, मोहम्मद अजहरुद्दीन की तारीफ करते हुए।

आज का खिलाड़ी

सुनील गावस्कर

भारत के पूर्व कप्तान और जियोस्टार एक्सपर्ट सुनील गावस्कर ने दूसरे टी20 में न्यूजीलैंड पर भारत की जीत में कप्तान सूर्यकुमार यादव की शांत पारी की तारीफ की, और ईशान किशन के साथ एक अहम साझेदारी के दौरान उनकी मैच की समझ और दिखाई गई परिपक्वता पर जोर दिया। क्रिकेट लाइव पर, गावस्कर ने बताया कि कैसे सूर्यकुमार ने अपनी पारी के शुरुआती दौर का इस्तेमाल "अपनी लय में आने" के लिए किया, जबकि किशन दूसरे छोर से अटैक कर रहे थे। गावस्कर ने कहा, "सूर्य की पारी ने दिखाया कि उन्हें स्थिति की जानकारी थी।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम 20 में 200 से अधिक रन के लक्ष्य का पीछा सबसे तेज करने वाली टीम बन गई है।

बीसीसीआई द्वारा सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट स्ट्रक्चर पर फिर से काम करने के कारण ए-प्लस कैटेगरी होल्ड पर

मुंबई, 24 जनवरी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अपने पुरुषों के वार्षिक सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट स्ट्रक्चर में बदलाव करने जा रहा है, जिसमें आने वाले 2025-26 सीजन के लिए ए-प्लस कैटेगरी को खत्म किए जाने की संभावना है। यह फैसला सीनियर खिलाड़ियों, खासकर विराट कोहली और रोहित शर्मा की बदलती अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का नतीजा है, जो अब टेस्ट और टी20 से हटने के बाद सिर्फ़ वनडे के लिए उपलब्ध हैं। मौजूदा फ्रेमवर्क के तहत, ए-प्लस ब्रैकेट में सालाना 7 करोड़ रुपये का रिटेनर मिलता है, इसके बाद कैटेगरी ए में 5 करोड़ रुपये, कैटेगरी बी में 3 करोड़ रुपये और कैटेगरी सी में 1 करोड़ रुपये मिलते हैं। हालांकि, अगले साइकल के लिए, कॉन्ट्रैक्ट में सिर्फ़ ए, बी और सी कैटेगरी होने की उम्मीद है, जिससे फिलहाल टॉप टियर को सस्पेंड कर दिया जाएगा। पिछले सीज़न में, सिर्फ़ चार खिलाड़ी – रोहित, कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा – ए-प्लस ग्रुप का हिस्सा थे। उनमें से, बुमराह फिलहाल तीनों फॉर्मेट में एक्टिव एकमात्र खिलाड़ी हैं। कोहली और रोहित अब सिर्फ़ वनडे क्रिकेटर हैं, जबकि जडेजा टेस्ट और वनडे में बने हुए हैं, उन्होंने 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद टी20 से संन्यास ले लिया है। ए-प्लस के लिए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया सभी फॉर्मेट में उपलब्धता से जुड़ा होने के कारण, क्वालिफाई करने वाले खिलाड़ियों का पूल काफी कम हो गया है।

मोहित अवस्थी और मुशीर खान ने दिलाई मुंबई को जीत की सुगंध

हैदराबाद, 24 जनवरी। मोहित अवस्थी और मुशीर खान (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर मुम्बई ने शनिवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले में हैदराबाद के दूसरी पारी में 166 के स्कोर पर सात विकेट झटक कर उसे हार की ओर ढकेल दिया है। आज यहां हैदराबाद ने कल के पहली पारी में 138 पर दो विकेट से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में कोडिमेला हिमातेजा (40) के रूप में हैदराबाद का तीसरा विकेट गिरा। इसके बाद राहुल सिंह (96), नितेश रेड्डी (छह), रोहित रायुडू (37), चामा मिलिंद (20), नितिन साई यादव (18) रन बनाकर आउट हुये। मुम्बई के गेंदबाजी आक्रमण के आगे हैदराबाद की पूरी टीम पहली पारी में 82.2 ओवर में 267 रन ही बना सकी। इसके बाद फालोऑन खेलने उतरी हैदराबाद के बल्लेबाज एक बार फिर मुम्बई के गेंदबाजी आक्रमण के आगे संघर्ष करते नजर आये और अंतराल पर अपने विकेट गंवाते रहे। दिन का खेल समाप्त होने के समय हैदराबाद 39.3 ओवर में 166 रन पर सात विकेट गंवा कर संकट में थी और चामा मिलिंद नाबाद 30 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

फीफा विमेंस चैम्पियंस कप में हिस्सा लेने वालों को रिकॉर्ड प्राइज मनी देगा

जेनेवा, 24 जनवरी। वर्ल्ड फुटबॉल गवर्निंग बॉडी ने शुक्रवार को अनाउंस किया कि पहले फीफा विमेंस चैंपियंस कप विनर को रिकॉर्ड तोड़ प्राइज़ मनी दी जाएगी। फीफा ने कहा कि विमेंस चैंपियंस कप की फाइनल चैंपियन को 23 लाख डॉलर मिलेंगे, जबकि रनर-अप को 10 लाख डॉलर मिलेंगे। हर कॉन्फेडरेशन के चैंपियन इंटरकॉन्टिनेंटल क्लब टाइटल के लिए मुकाबला करेंगे। दो सेमीफाइनल 28 जनवरी को ब्रिटेन के लंदन में ब्रेंटफोर्ड स्टेडियम (जीटेक कम्युनिटी स्टेडियम) में होने हैं। फाइनल 1 फरवरी को आर्सेनल स्टेडियम (एमिरेट्स स्टेडियम) में खेला जाएगा। फाइनलिस्ट को दी जाने वाली प्राइज़ मनी के अलावा, हारने वाली दो दूसरी टीमों में से हर एक को 200,000 डॉलर मिलेंगे। राउंड 1 और राउंड 2 में बाहर हुई दो टीमों – न्यूज़ीलैंड की ओएफसी रिप्रेजेंटेटिव ऑकलैंड यूनाइटेड और चीन की एफसी रिप्रेजेंटेटिव वुहान जियांगडा – में से हर एक को 100,000 डॉलर मिलेंगे। फीफा के सेक्रेटरी जनरल मैटियास ग्राफस्ट्रॉम ने कहा, "छह पार्टिसिपेंट्स के बीच उनके परफॉर्मेंस के आधार पर बांटे गए करीब 40 लाख डॉलर का कुल पेमेंट, विमेंस क्लब फुटबॉल और खिलाड़ियों, टीमों और कॉम्पिटिशन में भरोसे का साफ बयान है, जो इसे लगातार आगे बढ़ा रहे हैं।"

दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ की बैठक के लिए आरएफए सचिव दिलीप सिंह शेखावत बैंकाक रवाना

जयपुर, 24 जनवरी। दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ () की तरफ से बैंकाक (थाईलैंड) के होटल लैंकास्टर में दिनांक 26/01/2026 आयोजित होने वाली एसएएफएफ असाधारण सम्मेलन 2026 के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ () के प्रतिनिधि के रूप में राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत बैंकाक (थाईलैंड) के लिए रवाना हुए, शेखावत अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की तरफ से असाधारण सम्मेलन में फुटबॉल के फास्ट फॉर्मेट फ़ुट्सल पर चर्चा करेंगे। शेखावत को महासंघ की तरफ से प्रतिनिधि नियुक्त करना देश में राजस्थान फुटबॉल के बढ़ते कद को दर्शाता है, इससे पूर्व शेखावत कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में भारतीय फुटबॉल महासंघ के प्रतिनिधि के रूप में हिस्सा ले चुके हैं। शेखावत के प्रतिनिधि के रूप में चुने जाने से राजस्थान फुटबॉल संघ के पदाधिकारियों और फुटबॉल प्रेमियों। ने प्रसन्नता व्यक्त की।

न्यूज़ीलैंड को हराकर भारत की जीत की हैट्रिक

अंडर-19 विश्वकप

बुलावायो, 24 जनवरी। अमब्रिश (चार विकेट) और हेलिन पटेल (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी और कप्तान आयुष म्हात्रे (53) के शानदार अर्धशतक के दम पर भारतीय टीम ने शनिवार को अंडर-19 विश्वकप के वर्षा प्रभावित 24वें मुकाबले में न्यूजीलैंड को डीएलएस पद्धित के तहत 141 गेंद शेष रहते सात विकेट से हरा दिया । वर्षा के कारण 37 ओवर के कर दिए गए मैच में भारत ने न्यूज़ीलैंड की टीम को 36.2 ओवर में 135 के स्कोर समेट दिया। भारत को 130 रन का संशोधित लक्ष्य मिला जो उसने 13.3 ओवर में तीन विकेट पर 130 रन बनाकर हासिल कर लिया और जीत की हैट्रिक पूरी की। म्हात्रे ने 27 गेंदों पर 53 रन की आतिशी पारी में दो चौके और छह छक्के मारे। वैभव सूर्यवंशी ने 23 गेंदों पर 40 रन में दो चौके और तीन छक्के लगाए। विहान मल्होत्रा ने नाबाद 17 और वेदांत त्रिवेदी ने नाबाद 13 रन बनाये। आज यहां भारतीय अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने 22 रन के स्कोर पर अपने पांच विकेट गंवा दिये।

ह्यूगो बोग (चार), टॉम जोन्स (दो), आर्यन मान (पांच), मार्को विलियम एल्पे (एक), स्नेहिथ रेड्डी 10 रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय जसकरन संधू और जैकब कॉटर की जोड़ी पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट लिये 37 रनों की साझेदारी हुई। 20वें ओवर में कनिष्क चौहान ने जसकरन संधू (18) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। 69 के स्कोर पर मोहम्मद एनान ने जैकब कॉटर (23) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। सेल्विन संजय (28) और फ्लिन मोरे (एक) रन बनाकर आउट हुये। 37वें ओवर में हेलिन पटेल ने मेसन क्लार्क (चार) को बोल्ड कर न्यूजीलैंड की पारी का 135 के स्कोर पर अंत कर दिया। कैलम सैमसन 37 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से अमब्रिश ने चार विकेट लिये और हेलिन पटेल को तीन विकेट मिले। खिलन पटेल, मोहम्मद एनन और कनिष्क चौहान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारत टी-20 सीरीज कब्जाने उतरेगा

गुवाहाटी, 24 जनवरी। भारत रविवार को शाम 7 बजे यहां बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज के तीसरे मैच में अपना दबदबा कायम रखने का लक्ष्य रखेगा।

सीरीज में 2-0 से आगे चल रहा भारत 3-0 से सीरीज जीतने की राह पर है, जबकि न्यूजीलैंड अपनी उम्मीदें जिंदा रखने के लिए उलटफेर करने की कोशिश करेगा। सभी की निगाहें भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव पर टिकी हैं, जिन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ टी20 मैचों में 316 रन बनाए हैं। उनकी लगातार अच्छी फॉर्म ने भारत के मिडिल ऑर्डर को मजबूती दी है, और वह सीरीज में भारत की पकड़ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएंगे।

रायपुर में पिछले मैच में सूर्यकुमार ने 37 गेंदों में 221.62 के स्ट्राइक रेट से 82 रन बनाए थे, जबकि ईशान किशन ने 32 गेंदों में तेज 76 रन का योगदान दिया था। अभिषेक शर्मा की शुरुआती सीजन की फॉर्म, हार्दिक पांड्या की ऑलराउंड क्षमताएं और संजू सैमसन की विस्फोटक बल्लेबाजी भारतीय टीम को और मजबूत बनाती है।

अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे, जिसमें शिवम दुबे और वरुण चक्रवर्ती अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प प्रदान करेंगे। बरसापारा में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों का औसत 185-190 रन रहा है, लेकिन इस बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर अनुशासित गेंदबाजी और गति में बदलाव महत्वपूर्ण रहेंगे। ऐतिहासिक रूप से, यहां टॉस जीतने वाली टीमें पहले गेंदबाजी करना पसंद करती हैं, क्योंकि पिछले मैचों में लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान साबित हुआ है।

इस बीच, न्यूजीलैंड अपनी बल्लेबाजी क्रम में एक स्थिर नंबर तीन बल्लेबाज की पहचान करने के लिए प्रयोग करना जारी रखे हुए है। डेरिल मिशेल से मिडिल ऑर्डर को मजबूत करने की उम्मीद है, जबकि रचिन रवींद्र और मिशेल सेंटनर फॉर्म में वापसी करने का लक्ष्य रखेंगे। हाल ही में विश्व कप टीम में शामिल किए गए काइल जैमीसन डेथ ओवरों के विशेषज्ञ के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिन्हें ईश सोढ़ी और जैकब डफी का समर्थन मिलेगा। डेवोन कॉनवे विकेटकीपिंग करेंगे, जबकि ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन और मार्क चैपमैन अतिरिक्त बल्लेबाजी गहराई प्रदान करेंगे।

हालिया फॉर्म से पता चलता है कि भारत ने अपने पिछले पांच टी20 मैचों में से चार जीते हैं, जबकि न्यूजीलैंड ने अपने पिछले पांच मैचों में से तीन जीते हैं। टी20 में दोनों टीमों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड बताते हैं कि भारत ने 26 में से 13 मैच जीते हैं, न्यूजीलैंड ने 10 और तीन मैच टाई रहे। गुवाहाटी में मौसम धूप वाला और सूखा रहने का अनुमान है, तापमान लगभग 26सेल्सियस, 52 की सामान्य नमी और 6 किमी/घंटा की हल्की हवाएं चलेंगी, जो क्रिकेट के लिए आदर्श स्थिति है।

टीमें – भारत : संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अक्षर पटेल, श्रेयस अय्यर

न्यूजीलैंड : डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), टिम रॉबिन्सन, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमीसन, ईश सोढ़ी, जैकब डफी, जेम्स नीशम, मैट हेनरी, माइकल ब्रेसवेल, ज़ैकरी फाउल्क्स, बेवन जैकब्स। सूर्यकुमार के शानदार फॉर्म में होने, भारत की संतुलित टीम और पिच की अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए, मेजबान टीम के सीरीज में क्लीन स्वीप करने की पूरी संभावना है। क्रिकेट प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक होंगे कि क्या न्यूजीलैंड आखिरी समय में वापसी कर पाता है या भारत बरसापारा में अपना दबदबा बनाए रखेगा।

विशाल बैद ने जीती बेस्ट सीआईआई गोल्फर की ट्रॉफी

जयपुर, 24 जनवरी। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई)-एयू इनविटेशन गोल्फ कप का छठा संस्करण शनिवार को रामबाग गोल्फ क्लब में संपन्न हुआ। टूर्नामेंट का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। जिसमें बेस्ट सीआईआई गोल्फर की ट्रॉफी विशाल बैद ने जीती। टूर्नामेंट विभिन्न हैंडीकैप श्रेणियों जैसे पुरुष, महिला, वेटरन 60 आदि स्टेबल फोर्ड फॉर्मेट में खेला गया था, जिसमें गोल्फर्स, ब्यूरोक्रेट्स और इंडस्ट्री मेंबर्स सहित विभिन्न पृष्ठभूमियों से लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

समारोह के दौरान अलग-अलग श्रेणियों और हैंडीकेप्स में विजेता व उप विजेता दोनों को पुरस्कृत किया गया। विजेताओं की सूची इस प्रकार है- ब्लाइंड फोल्ड मॉन्स्टर का खिताब के.सी. गोयल ने जीता, जबकि क्लोज़ेस्ट टू द पिन का पुरस्कार डॉ. ज़ोहेब नक़वी को मिला। बेस्ट लेडी गोल्फर का सम्मान विमी भाटिया और बेस्ट वेटरन गोल्फर का खिताब कमल बोर्डिया ने प्राप्त किया। वहीं, हैंडीकैप श्रेणियों में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हैंडीकैप 18-24 में विजेता अविनिश कसलिवाल और रनर-अप गौरव मोहन माथुर रहे। हैंडीकैप 13-17 में विजेता विकास राजोरिया और रनर-अप विभोर अग्रवाल रहे। वहीं, हैंडीकैप 0-12 में विजेता गौरव स्वामी और रनर-अप भरत रतूड़ी रहे।

टूर्नामेंट में लेफ्टिनेंट जनरल, साउथ वेस्टर्न कमान, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मनजिंदर सिंह; सीआईआई राजस्थान के पूर्व चेयरमैन,गौरव रूंगटा; सीआईआई राजस्थान स्टेट काउंसिल के उपाध्यक्ष, रजनीश भंडारी; और सीआईआई राजस्थान के वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख नितिन गुप्ता; मैनेजिंग डायरेक्टर, दानिश प्रा. लि. शिवम तलवार और आईएनए सोलर, चेयरमैन, मनीष गुप्ता सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

मोखलेसुर रहमान पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू : बीसीबी

ढाका, 24 जनवरी। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड की इंटीग्रिटी यूनिट ने बोर्ड निदेशक मोखलेसुर रहमान पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। बीसीबी ने बताया कि रहमान ने बोर्ड की ऑडिट कमेटी के अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया है। इस सीजन के बीपीएल से जुड़े ये आरोप पत्रकार रियासाद अजीम की एक इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में लगाए गए थे। उन्होंने गुरुवार को अपने अधिकारिक फेसबुक पेज पर पोस्ट किया था। आईसीसी इंटीग्रिटी यूनिट के पूर्व प्रमुख रहे एलेक्स मार्शल बीसीबी की इंटीग्रिटी यूनिट की अगुवाई कर रहे हैं। उनके पास पहले से ही बोर्ड द्वारा बनाई गई एक इंडिपेंडेंट कमेटी की 900 पन्नों की रिपोर्ट है, जिसमें पिछले बीपीएल सीजन में भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में बताया गया है। रहमान छह अक्टूबर को हुए चुनावों से बीसीबी के निदेशक बने थे। चापैनवाबगंज जिले से बोर्ड काउंसलर (सदस्य) हैं। हालांकि, आरोपों के बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रहमान इस महीने मुश्किल में पड़ने वाले दूसरे बीसीबी के निदेशक हैं। रहमान के खिलाफ जांच ऐसे समय में हो रही है जब बंगलादेश 2026 टी-20 विश्व कप में अपनी जगह को लेकरअंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के साथ विवाद में है।

बांग्लादेश टी-20 विश्वकप से बाहर, उनकी जगह खेलेगा स्कॉटलैंड : आईसीसी

दुबई, 24 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शनिवार को बंगलादेश के अड़ियल रवैये पर सख्त रुख अख्तियार करते हुए सात फरवरी से भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले टी-20 विश्वकप में उसकी जगह स्कॉटलैंड को ग्रुप सी में शामिल करने की आधिकारिक घोषणा कर दी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी संजोग गुप्ता ने बोर्ड को औपचारिक रूप से पत्र लिखा कि बंगलादेश की मांगें बोर्ड की पॉलिसी के हिसाब से नहीं है। बोर्ड के सभी सदस्यों को लिखे गए इस पत्र में गुप्ता ने बताया कि बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) आईसीसी बोर्ड के फैसले का पालन नहीं कर रहा था और इस बड़े इवेंट के लिए बंगलादेश की जगह किसी दूसरे देश, इस मामले में स्कॉटलैंड को बुलाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। इस पत्र की कॉपी बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम को भी भेजी गई है, जो आईसीसी बोर्ड के सदस्य हैं।

उन्होंने क्रिकेट स्कॉटलैंड को भी लिखा और उन्हें भारत और श्रीलंका में होने वाली चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए औपचारिक न्योता भेजा। क्रिकबज ने क्रिकेट स्कॉटलैंड की मुख्य कार्यकारी ट्रुडी लिंडब्लेड से संपर्क किया। उनकी ओर से कोई तुरंत जवाब नहीं मिला, लेकिन वेबसाइट को पता चला है कि शनिवार सुबह दुबई और एडिनबर्ग के बीच हॉटलाइन शुरू हो गई थीं।

क्रिकेट की वर्ल्ड गवर्निंग बॉडी ने बंगलादेश को भारत में खेलने के अपने रुख पर विचार करने का समय दिया था और मुख्य कार्यकारी गुप्ता लगातार बीसीबी सदस्यों के साथ बातचीत कर रहे थे। आईसीसी नहीं चाहता था कि ऐसा कोई खतरनाक उदाहरण बने जहां कोई सदस्य मैचों को दूसरी जगह कराने की मांग करे। आईसीसी ने स्पष्ट कर दिया था कि वह विश्व कप प्रतियोगिता की पवित्रता की रक्षा करना चाहता है।

स्कॉटलैंड अपने प्रदर्शन के आधार पर मौजूदा रैंकिंग में 14वें नंबर है और इसी लिये उसे विश्वकप में जगह मिली है। स्कॉटलैंड अब टूर्नामेंट के शुरुआती स्टेज में ग्रुप सी में होगा और कोलकाता में वेस्टइंडीज (सात फरवरी), इटली (नौ फरवरी) और इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ खेलेगा, जिसके बाद वह मुंबई जाकर 17 फरवरी को नेपाल से भिड़ेगा।

राजस्थान राज्य कबड्डी संघ की कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न

जयपुर, 24 जनवरी। राजस्थान राज्य कबड्डी संघ की कार्यकारिणी के चुनाव दिनांक 24.01.2026 को दोपहर 12:00 बजे, अजमेर रोड, जयपुर में आयोजित आम सभा बैठक के दौरान संपन्न हुए। उक्त चुनाव अधिकारी कमलेश अबूसरिया द्वारा संपन्न कराए गए। सभी पदों के लिए प्रत्येक पद पर केवल एक-एक नामांकन प्राप्त होने के कारण चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। राजस्थान राज्य कबड्डी संघ से मान्यता प्राप्त 31 जिला संघों के सभी प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित रहे।

निर्विरोध संपन्न हुए चुनाव में निम्नलिखित कार्यकारिणी का गठन किया गया अध्यक्ष:- जितेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष- हरजीत सिंह बराड़, भीख सिंह दौरा, सुरेंद्र सिंह खंडूजा, नेमी चंद, रीना कुमारी। महासचिव, जगदीश प्रसाद गढवाल, कोषाध्यक्ष अक्षय हाड़ा, संयुक्त सचिव अजय सिंह प्रेमी, कमल किशोर चौधरी, मणि राम, रविंदर सिंह, नाइमा अख्तर। कार्यकारी सदस्यभंवरू खान, बलविंदर सिंह संधू, आशिफा खानम, अनीता देवी, देवेंद्र समरवाल। इस अवसर पर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के पर्यवेक्षक करण सिंह, राजस्थान राज्य ओलंपिक संघ के पर्यवेक्षक सुरेंद्र सिंह गुर्जर तथा एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के पर्यवेक्षक रामबीर सिंह भी बैठक में उपस्थित रहे।

जोकोविच ने 400वीं मेजर जीत हासिल की और फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की

मेलबर्न, 24 जनवरी। नोवाक जोकोविच ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने शानदार करियर में एक और मील का पत्थर जोड़ा, जहां वह मेजर में 400 मैच जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने बोटिक वैन डी ज़ैंड्सचल्प के खिलाफ सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 7-6 (4) से जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल की, जिससे ऑल-टाइम सूची में उनकी बढ़त और बढ़ गई।

जोकोविच अब रोजर फेडरर से 31 जीत आगे हैं, जो 369 मेजर मैच जीत के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जो खेल के उच्चतम स्तर पर जोकोविच के दो दशक के करियर को परिभाषित करने वाली असाधारण लंबी उम्र और निरंतरता को रेखांकित करता है।

दुनिया के नंबर चार खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कोर्ट पर गिरने के बाद कोई बुरा असर नहीं दिखाया, क्योंकि उन्होंने तीसरे राउंड में बोटिक वैन डी ज़ैंड्सचल्प को हराकर रिकॉर्ड 400वीं ग्रैंड स्लैम जीत हासिल की। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने अभी तक कोई सेट नहीं हारा है, लेकिन उन्हें दो घंटे और 44 मिनट में जीत हासिल करने में थोड़ी परेशानी हुई।

रॉड लेवर एरिना में रात के सेशन में, जोकोविच तीसरे सेट की शुरुआत में अजीब तरह से गिर गए और उसके बाद उनके दाहिने टखने पर टेप लगाया गया। 38 साल के खिलाड़ी ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी उम्र को धता बताते हुए शानदार एथलेटिक क्षमता का प्रदर्शन जारी रखा, और एक ब्रेक से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए टाईब्रेक पर मैच खत्म किया। जोकोविच ने अपने शरीर के बारे में कहा, "बहुत अच्छा।" "मैं बहुत आगे की नहीं सोच रहा हूं और मैं अभी भी टिका हुआ हूं।"

सर्बियाई खिलाड़ी भाग्यशाली रहे कि गेंद को जोर से मारते समय वह लगभग एक बॉल बॉय को लगने से बच गई, जिससे उन्हें 2020 यूएस ओपन में इसी तरह की परिस्थितियों में डिसक्वालिफाई किया जा सकता था। जोकोविच अगले राउंड में 16वीं सीड याकूब मेन्सिक या एथन क्विन का सामना करेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने किया 27वीं विंटेज और क्लासिक कार एग्जीबिशन एंड ड्राइव का उद्घाटन

जयपुर, 24 जनवरी। राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब जयपुर द्वारा प्रस्तुत 27वीं विंटेज और क्लासिक कार एग्जीबिशन एंड ड्राइव का शनिवार, 24 जनवरी को ताज जय महल पैलेस में भव्य उद्घाटन हुआ। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री, दीया कुमारी ने मुख्य अतिथि के रूप में एग्जीबिशन का उद्घाटन किया। जिसके बाद उन्होंने विंटेज कार में बैठकर एग्जीबिशन का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन न केवल राजस्थान की समृद्ध ऑटोमोबाइल धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह हमारे राज्य और देश के पर्यटन को भी एक नई दिशा देने का कार्य करता है।

राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप का फाइनल आज

आरपीसी ने 7-6 के स्कोर से जीता रघु सिन्हा माला माथुर मेमोरियल कप

जयपुर, 24 जनवरी। जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत, राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर सीज़न का पहला एग्ज़िबिशन मैच, रघु सिन्हा माला माथुर मेमोरियल कप खेला गया। यह रोमांचक मुकाबला टीम आरपीसी और टीम मालार्पण के बीच खेला गया, जिसमें टीम आरपीसी विजेता रही। आरपीसी ने मालार्पण को 7-6 के स्कोर से शिकस्त दी। इस अवसर पर राजस्थान के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, राजीव कुमार शर्मा मुख्य अतिथि रहे। विजेता टीम आरपीसी से लोकेंद्र सिंह धीरावत, विशाल सिंह और भवानी सिंह कालवी प्रत्येक ने 2-2-2 गोल किए। टीम से मयूरध्वज सिंह तलाबगांव ने 1 गोल किया। दूसरी ओर, टीम मालार्पण से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल हासिल किए। रणशेय पुरोहित ने 1 गोल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में मिर्जा मोहम्मद बेग और प्रताप सिंह कानोता भी शामिल रहे। वहीं, इससे

पूर्व पीपीसी ग्राउंड पर राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप का सेमिफाइनल खेला गया। जिसमें जिंदल बेदला और वी पोलो टीम के बीच तथा रामबाग और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच टक्कर हुई। पहला मैच वी पोलो और जिंदल बेदला के बीच खेला गया। इस मुकाबले में टीम जिंदल बेदला ने वी पोलो को 7-6 के स्कोर से हराया। इस मुकाबले की विजेता टीम जिंदल बेदला से सिद्धांत शर्मा ने 3 गोल, राव हिम्मत सिंह बेदला और फिल सैलर ने 2-2 गोल हासिल किए। टीम से वेंकटेश जिंदल भी खेले। वहीं, टीम वी पोलो से सेंटियागो मारमबियो ने शानदार 6 गोल किए। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में विवान मेहता, दिव्यमान दुजोद और सलीम आजमी शामिल थे। इसी प्रकार, दूसरा मुकाबला रामबाग और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच खेला गया। इसमें ऑप्टिमस अचीवर्स ने रामबाग को 6-5.5 के स्कोर से हराकर मैच जीत लिया। टीम ऑप्टिमस अचीवर्स से शमशीर अली और डेनियल ओटामेंडी ने 3-3 गोल किए। टीम से साविर मेहराज गोदारा और आर्यमान सिंह भी खेले। वहीं, टीम रामबाग से अलेजो अरामबुरु ने 3 गोल और ध्रुवपाल गोदारा ने 2 गोल हासिल किए। टीम की ओर से योगेंद्र सिंह शेखावत और आरके सिद्धांत सिंह भी खेले। टीम रामबाग को आधे गोल का एडवांटेज भी मिला। इस कप का फाइनल रविवार, 25 जनवरी को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3.30 बजे खेला जाएगा। जिसमें ऑप्टिमस अचीवर्स और जिंदल बेदला के बीच फाइनल का मुकाबला होगा।

राजस्थान-हिमाचल रणजी मैच : मानव का शतक, अजय व अपना पदार्पण रणजी मैच खेल रहे अमोल के अर्द्धशतक

जयपुर, 24 जनवरी। राजस्थान – असम अंडर 23 मैच (दूसरे दिन राज शर्मा, करण लाम्बा के शतक, गणेश सुथार की शानदार गेंदबाजी), राजस्थान-विधर्भ अंडर 14 मैच के पहले दिन राजस्थान के कुलदीप बिश्नोई के 5 विकेट। राजस्थान – हिमाचल रणजी मैच (तीसरे दिन राजस्थान के मानव सुथार, अमोल चेलानी, अजय सिंह कुकना चमके), हिमाचल पहली पारी 406 आल आउट।राजस्थान के गेंदबाज मानव सुथार 76/3, खलील अहमद 68/3, अनिकेत चौधरी 79/2 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान पहली पारी 342 आल आउट। आज मैच के तीसरे दिन राजस्थान के मानव सुथार के रणजी में पहले शानदार शतक व अपना पदार्पण रणजी मैच खेल रहे अमोल चेलानी व अनुभवी अजय सिंह कुकना के मजबूत अर्धशतकों की सहायता से राजस्थान ने मैच में शानदार वापसी की। दूसरे दिन राजस्थान ने अपने 6 प्रमुख बल्लेबाजों को मात्र 104 रनो के स्कोर पर गवां दिया था, सातवें विकेट के लिए मानव सुथार व अजय सिंह कुकना के मध्य 130 रनो की व आठवें विकेट के लिए मानव सुथार व अपना पदार्पण रणजी मैच खेल रहे (शिवा चौहान के मैच के दौरान चोटिल होने से अमोल चेलानी को उसके सब्सिटट्यूट के तौर पर मौका) के मध्य 101 रनो की मजबूत साझेदारी से राजस्थान ने मैच में शानदार वापसी की।

श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात कर रामराज्य को साकार बनायें- भजनलाल

मुख्यमंत्री रामगंजमंडी में पं.धीरेन्द्र शास्त्री के सानिध्य में आयोजित रामकथा में शामिल हुए

रामगंजमंडी, 24 जनवरी (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को रामगंजमंडी में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के सानिध्य में आयोजित रामकथा एवं गौ महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने अपनी सरल और प्रभावशाली वाणी से करोड़ों लोगों के जीवन में धर्म का दीपक जलाकर सनातन धर्म को सीधे लोगों के दिल में पहुंचाने का अद्भुत कार्य किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को रामगंजमंडी में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के सानिध्य में आयोजित रामकथा एवं गौ महोत्सव में शामिल हुए।

करते हुए कहा कि रामकथा केवल एक कथा नहीं, बल्कि जीवन जीने की पाठशाला है। यह हमें बेटे के धर्म, भाई के प्रेम, पति के समर्पण और राजा के कर्तव्य से अवगत कराती है। उन्होंने कहा कि श्रीराम के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रामराज्य की संकल्पना को साकार कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में नदियों, पहाड़ों, वृक्षों और गौ माता को पूजने की परम्परा है। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमें दिव्य रामकथा का श्रवण करने का अवसर मिल रहा है। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने अपनी सरल और प्रभावशाली वाणी से करोड़ों लोगों के जीवन में धर्म का दीपक जलाकर सनातन धर्म को सीधे लोगों के दिलों तक पहुंचाने का अद्भुत कार्य किया है। शास्त्री जी की वाणी में वह सहजता है, जो आम आदमी को छू जाती है। वे युवा पीढ़ी को सनातन धर्म की महानता से परिचित करवा रहे हैं।

इस अवसर पर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने दुपट्टा ओढ़ाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर व विधायक कल्पना देवी सहित, संत-महंत एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

गुजरात में एसयूवी-ट्रक टक्कर में 6 मरे

बनासकांठा (गुजरात), 24 जनवरी। गुजरात के बनासकांठा जिले में शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसे ने खुशियों भरे सफर को मातम में बदल दिया। आबू-पालनपुर हाईवे पर एक तेज रफ्तार ट्रक डिवाइडर पार कर एसयूवी से टकरा गया, जिससे छह लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर लंबा जाम लग गया।

पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना शाम करीब सात बजे इक़बालगढ़ गांव के पास हुई। राजस्थान से गुजरात की ओर जा रहा ट्रक अचानक नियंत्रण खो बैठा, डिवाइडर कूद गया और सामने से आ रही एसयूवी से टकरा गया। टक्कर इतनी

- आबू-पालनपुर हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक डिवाइडर कूद कर एसयूवी से टकराया।

जोरदार थी कि एसयूवी के परखच्चे उड़ गए। वाहन में सवार लोग संभल भी नहीं पाए। पुलिस ने बताया कि एसयूवी में कुल नौ लोग सवार थे, जो राजस्थान से इलाज के लिए पालनपुर जा रहे थे। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक महिला भी शामिल है। तीन घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। अमीरगढ़ पुलिस स्टेशन के निरीक्षक पी.डी. गोहिल ने बताया कि ट्रक को मौके पर छोड़ दिया गया है और चालक की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं।

बिना मान्यता ऑनलाइन मेडिकल टैस्ट कर रही कंपनियों पर कब लगेगी रोक?

दिल्ली हाईकोर्ट ने नाराजगी जताते हुए सरकार से शपथ पत्र के साथ जवाब मांगा

- अदालत ने पूछा कि वर्ष 2020 में जब आदेश दिए जा चुके हैं तो साढ़े 5 साल में भी नियम क्यों नहीं बन पाए?
- जयपुर के डॉ. रोहित जैन ने एमेज़ॉन दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर, जयपुर और हैदराबाद के 450 पिनकोड एरिया में ऑनलाइन मेडिकल सुविधा देने के प्रकरण को भी अदालत से साझा किया।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 24 जनवरी। दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार पर नाराजगी जताते हुए पूछा है कि बिना सरकारी मान्यता के ऑनलाइन मेडिकल टैस्ट कैसे बुक किए जा रहे हैं और सरकार इन लैब संचालकों पर क्या कार्रवाई कर रही है? जबकि हाईकोर्ट 6 अगस्त 2020 को ही इस संबंध में कार्रवाई के आदेश दे चुका है। अदालत ने कहा कि दिल्ली सरकार शपथ पत्र पेश करके बताए कि कब तक इस संबंध में नियम बनाए जाएंगे। साथ ही यह भी स्पष्ट करे कि इन नियमों के दायरे में ऑनलाइन मेडिकल टैस्ट की बुकिंग कर रही कंपनियां भी आएंगी अथवा नहीं। अदालत ने इस मामले की सुनवाई 15 जुलाई 2026 को रखी है। जस्टिस सचिन दत्ता की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. रोहित जैन द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

जयपुर निवासी याचिकाकर्ता डॉ. रोहित जैन की ओर से अधिवक्ता शशांक देव सुधी ने अदालत को बताया कि एमेज़ॉन इंडिया द्वारा दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर, जयपुर और हैदराबाद जैसे कई बड़े शहरों में 450 पिनकोड एरिया में ऑनलाइन मेडिकल सुविधा दी जा रही है। इसके लिए एमेज़ॉन भारत द्वारा नोएडा की ऑरेंज हैल्थ लैब से अनुबंध किया हुआ बताया जा रहा है। परंतु हैरानी की बात यह है कि एमेज़ॉन द्वारा जो मेडिकल जांचें बुक की जा रही हैं, उनकी जो रिपोर्ट जारी होती है, उनमें यह अंकित नहीं होता है कि यह रिपोर्ट किस डॉक्टर ने सत्यापित की है, अथवा नोएडा की जिस लैब से यह रिपोर्ट जारी की जा रही है, उसका संचालक कौन है? यह जानकारी छिपाना पूरी तरह गैरकानूनी है। इसके बावजूद केन्द्र और दिल्ली सरकार इस प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं कर रही हैं, जबकि इंडियन काउन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आई.सी.एम.आर.) अथवा नेशनल एक्रीडेशन बोर्ड फॉर टैस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेट्रीज़ (एन.ए.बी.एल.) से मान्यता प्राप्त लैब ही वैध रूप से मेडिकल जांच कर सकती है। ऐसे में एमेज़ॉन और ऑरेंज हैल्थ लैब की मेडिकल रिपोर्ट की सत्यता पर भी संदेह है। यह आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने जैसा है।

इस प्रकरण में दिल्ली सरकार ने नियमावली बनाने के लिए अदालत से समय मांगा और कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के वर्ष 2020 के आदेश का अध्ययन किया जा रहा है। जल्द ही मजबूत कानून बनानकर ऐसी प्रणाली विकसित की जाएगी, जिससे गैरकानूनी मेडिकल लैब पर कार्रवाई की जा सके। इस पर अदालत ने कहा कि दिल्ली सरकार शपथ पत्र पेश करके बताए कि आखिर कब तक इस संबंध में नियम बना लिए जाएंगे। साथ ही यह भी स्पष्ट करे कि इन नियमों के दायरे में ऑनलाइन मेडिकल टैस्ट की बुकिंग कर रही कंपनियां भी आएंगी अथवा नहीं। अदालत ने इस मामले की सुनवाई 15 जुलाई 2026 को रखी है।

गौरतलब है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने इस प्रकरण में गत 20 जनवरी को सुनवाई करते हुए आदेश दिए हैं कि इन ऑनलाइन मेडिकल लैब संचालकों, जिन्हें भारत सरकार की किसी भी संस्था या विभाग से मान्यता प्राप्त नहीं है, पर कार्रवाई करने के लिए 6 अगस्त 2020 को आदेश दिए गए थे, जिसमें साफ कहा था कि दिल्ली सरकार "क्लीनिकल एस्टैब्लिशमैंट एक्ट 2010" की पालना करे और इन अवैध लैबों पर कार्रवाई करें।

डॉ. रोहित जैन की ओर से अदालत में बताया गया कि दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के 5 साल बाद भी दिल्ली सरकार इन फर्जी ऑनलाइन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने का कोई कदम नहीं उठा पायी। इसी का नतीजा है कि वर्ष 2025 में "एमेज़ॉन भारत" ने भी तथाकथित "ऑरेंज हैल्थ लैब" के साथ मिलकर ऑनलाइन मेडिकल टैस्ट की सुविधा देश के कई महानगरों में शुरु कर दी। हैरानी की बात है कि एमेज़ॉन इंडिया दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर, जयपुर और हैदराबाद जैसे कई बड़े शहरों में 450 पिनकोड एरिया में यह सुविधा देने का दावा कर रही है। परंतु सवाल यह उठता है कि कई शहरों की मेडिकल जांच के सैंपल आखिर एक ही लैब से किस प्रकार टैस्ट कर रिपोर्ट जारी की जा रही है। इतनी भारी संख्या में मेडिकल जांच करना किसी एकमात्र लैब के लिए संभव ही नहीं है। दूसरी ओर एमेज़ॉन इंडिया ई-कॉमर्स वेबसाइट है, जिसे मरीजों के स्वास्थ्य संबंधी निजी जानकारी मिल रही है, जिसे वह अन्य मेडिकल संस्थाओं को बेच सकता है।

पुरानों पर संदेह है और नयों पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिछले साल अक्टूबर में ही शी जिनपिंग ने सी.एम.सी. के अन्य वरिष्ठ जनरलों को "गंभीर कदाचार" के आरोपों में बर्खास्त कर दिया था। आमतौर पर इन आरोपों का मतलब भ्रष्टाचार होता है। ऐसे मामलों में आरोपित अधिकारियों को अपनी सफाई देने का लगभग कोई मौका नहीं मिलता और उन्हें सभी आरोप स्वीकार कर सार्वजनिक रूप से अपने आचरण की निंदा करनी पड़ती है।

चीन के पुनरुत्थान के सूत्रधार देंग शियाओपिंग को भी माओ त्से तुंग के दौर में बार-बार ऐसे ही आरोपों का सामना करना पड़ा था। सांस्कृतिक क्रांति के दौरान और उसके बाद माओ के अस्थिर रवैये के कारण देंग को भारी अपमान सहना पड़ा। माओ की मृत्यु के बाद ही उनका पुनर्वास हो सका।

जनरल झांग पर भी अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के आरोप लगाए गए हैं। उनके भविष्य को लेकर अफवाहें तब तेज हो गई थीं, जब वे जनरल ल्यू झेनली के साथ कई पार्टी कार्यक्रमों और शीर्ष सैन्य बैठकों में नजर नहीं आए।

जनरल ल्यू झेनली भी शीर्ष स्तर के सैन्य नेता थे और सेना के कुछ सबसे संवेदनशील कमांड क्षेत्रों की जिम्मेदारी संभालते थे। ये सभी कार्रवाहियाँ पिछले साल अक्टूबर में नौ शीर्ष सैन्य कमांडरों को बाहर किए जाने के बाद हुईं।

इतने बड़े पैमाने पर वरिष्ठ सैन्य नेताओं के अचानक हटने से चीन की सैन्य कमान संरचना में बड़ा खालीपन पैदा हो गया है। इनमें जनरल झांग को सबसे अहम माना जाता था, क्योंकि शीर्ष नेतृत्व में उनके पास वास्तविक सैन्य अनुभव सबसे अधिक था।

जनरल झांग को सैन्य ढ ांचे में दूसरे नंबर का अधिकारी माना जाता था, क्योंकि वे सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के उपाध्यक्ष थे। इस संस्था के अध्यक्ष स्वयं राष्ट्रपति शी जिनपिंग हैं और अब केवल एक और सदस्य ही बचा है।

चीनी सैन्य व्यवस्था को समझने वाले विश्लेषकों का मानना है कि सेना के शीर्ष स्तर पर व्यापक भ्रष्टाचार मौजूद है। साथ ही, सेना हमेशा सत्ता संघर्ष का सबसे अहम केन्द्र भी रही है। जिस नेता के पास सेना का नियंत्रण होता है, वही सत्ता में बने रहने की उम्मीद कर सकता है।

अपने समय में देंग शियाओपिंग ने भी इसी तरीके से सत्ता बनाए रखी थी, और आज शी जिनपिंग भी वही कर रहे हैं। हालांकि माओ इतने शक्तिशाली थे कि सेना पर पकड़ होने के बावजूद वे देंग को हटाने में सफल रहे।

पर्यवेक्षकों का मानना है कि अब राष्ट्रपति शी ने ऐसा व्यापक नियंत्रण तंत्र खड़ा कर लिया है कि वे लगातार सैन्य सफाए के बावजूद, सत्ता पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रख सकते हैं। भ्रष्टाचार खत्म करने का उनका अभियान इस लक्ष्य को हासिल करने का एक प्रभावी साधन बन गया है।

फिर भी, शी जिनपिंग ने चीनी प्रशासन और राज्य व्यवस्था के बड़े हिस्से को अपने से दूर कर लिया है। वे अब लगातार अपने वफादार गुट पर निर्भर होते जा रहे हैं, जिससे सक्षम और प्रभावी लोगों को निकलने की स्थिति और ज्यादा बन रही है।

इन शीर्ष विशेषज्ञों को हटाने और उनकी विशेषज्ञता खोने से सरकारी व्यवस्था और कमजोर होती जा रही है। स्थिति इतनी नाजुक हो चुकी है कि शी जिनपिंग अब शीर्ष पदों पर खाली जगह भरने के लिए नए लोगों की नियुक्ति भी नहीं कर पा रहे हैं।

इसका मुख्य कारण यह है कि शी अपने सबसे करीबी भरोसेमंद लोगों को भी खोते जा रहे हैं और उन्हें नए लोगों की निष्ठा पर संदेह होने लगा है। जनरल झांग, हटाए जाने से पहले तक, सीएमसी के उपाध्यक्ष के रूप में शी जिनपिंग के सबसे करीबी सहयोगी माने जाते थे। उन्हें स्वयं शी ने नियुक्त किया था और अचानक हटाए जाने तक वे सैकंड इन कमांड बने रहे।

जनरल झांग और राष्ट्रपति शी एक ही तरह की पृष्ठभूमि से आए थे, जिससे झांग को उनका भरोसेमंद सहयोगी माना जाता था। जनरल झांग के पिता माओ के शासनकाल में एक सफल सैन्य कमांडर थे, लेकिन बाद में उन्हें भी वही सफाया झेलना पड़ा, जो राष्ट्रपति शी के पिता को सहना पड़ा था। बाद में दोनों का आंशिक पुनर्वास हुआ।

इस तरह शी और झांग दोनों ही चीनी सामाजिक ढ ांचे के तथाकथित "राजकुमार" थे और उन्होंने काफी हद तक एक जैसे करियर रास्ते अपनाए।

यह लगभग तय माना जा रहा है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस समय अपनी राज्य व्यवस्था के शीर्ष स्तर पर, खासकर सैन्य ढ ांचे में, गंभीर नेतृत्व संकट का सामना कर रहे हैं।

◆◆◆

वर्षा के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गौरतलब है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को संतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बेहद खराब माना जाता है।

भारत से 25 प्रतिशत टैक्स हटा सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी, 24 जनवरी। अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल खरीदने के कारण 25 फीसदी टैरिफ लगाया हुआ है। इस बीच अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने दावा किया है कि भारत ने रूस से आयात करना कम कर दिया है, जिसके चलते जल्द ही 25 फीसदी टैरिफ हटाया जा सकता है। बेसेंट ने इसे अमेरिका की बड़ी जीत बताया और कहा कि भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ काफी असरदार रहा है और इसकी वजह से भारत की रूसी तेल खरीद घट गई है। बेसेंट ने पॉलिटिको को दिए एक इंटरव्यू में बताया, भारत पर टैरिफ अभी भी लागू है, लेकिन भारत ने रूसी कच्चे तेल की खरीद में कमी की है, जिससे भारत ने ट्रंप सरकार को इस टैरिफ पर विचार करने का मौका दिया है। स्कॉट बेसेंट ने कहा, अमेरिका ने यूक्रेन पर हमले के बाद भारत को रूसी तेल खरीदने से रोकने के लिए 25 फीसदी टैरिफ लगाया था। अमेरिका ने उस समय बताया था कि भारतीय रिफाइनरियों ने डिस्काउंटेड रूसी कच्चे तेल की खरीदारी काफी बढ़ा दी, लेकिन देखा जाए तो अब ये खरीदारी पूरी तरह से बंद हो गई है। बेसेंट ने आगे कहा, भारत ने अब जब रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है तो अमेरिका भी टैरिफ हटाने पर विचार कर सकता है। स्कॉट बेसेंट ने भारत और रूस के व्यापारिक संबंधों पर पड़े असर को अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी की सफलता बताया।

थरूर ने कैनडा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया, जो औपचारिक कूटनीति तो कम, एक स्पष्ट चेतावनी ज़्यादा था। मूल रूप से उन्होंने एक ऐसा 'सर्वाइवल मैनुअल' पेश किया, जिसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दी।

कैनडा के प्रधानमंत्री कार्नी, जो लंदन और ओटावा के केन्द्रीय बैंकिंग बोर्डरूम से निकलकर एक जी7 देश के नेतृत्व तक पहुंचे हैं, ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए वैश्विक व्यवस्था में किसी साधारण बदलाव के बजाय, एक गहरी टूटन की बात कही। थरूर ने कहा कि कार्नी ने नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के अंत की घोषणा की और चेतावनी दी कि थ्यूसीडाइड्स की प्रसिद्ध उक्ति , ताक़तवर जो कर सकता है, वह करता है, और कमज़ोर वही सहता है, जो उसे सहना पड़ता है, अब कोई ऐतिहासिक संदर्भ नहीं, बल्कि हमारी मौजूदा वास्तविकता है।

थरूर ने कहा कि भारतीय श्रोताओं के लिए कार्नी का विश्लेषण जाना पहचाना है, हालांकि बेचैन करने वाली, स्पष्टता से भरा हुआ है। थरूर ने उन्होंने कहा, जब हम 2026 में आगे बढ़ रहे हैं, तो वह वैश्विक ढांचा, जिस पर हमने व्यापार और सुरक्षा के लिए भरोसा किया था और जिसने दुनिया में हमारी भूमिका को परिभाषित किया, राष्ट्रपति ट्रंप की महाशक्ति-आधारित लेन-देन की नीति द्वारा सुनियोजित रूप से तोड़ा जा रहा है। हमें भी स्थिति को लेकर उतनी ही ईमानदारी दिखानी होगी, जितनी कार्नी ने अपने भाषण में दिखाई।

राहुल भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सलाह देते और निर्णय लेते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। वर्तमान में कोई वरिष्ठ नेता स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता, और राज्यों से बुलाए गए नए नेता अनुभवहीन हैं।

ऐसा लगता है कि राहुल गांधी पार्टी को उन लोगों के हाथ में छोड़कर खुश हैं, जिनके पास न तो राजनीतिक अनुभव है और न ही वर्तमान गला काट राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को समझने की क्षमता है, जिसमें कांग्रेस का मुकाबला भाजपा और उसकी संगठित राजनैतिक व चुनावी मशीनरी से है।

अतीत के पार्टी स्तंभ अब गायब हैं और राज्यवार फोटो लाइनअप में केवल नए चेहरों को देखा जा सकता है, जिनके पास अनुभव नगण्य है।

'बिहार चुनाव में कई सीटों पर टिकट बेचे गए'

- राजद के विधायक भाई वीरेन्द्र ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए

पटना, 24 जनवरी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) विधायक भाई वीरेन्द्र ने शनिवार को अपनी ही पार्टी पर आरोप लगाया और कहा कि हाल ही में संपन्न हुए बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के कुछ नेताओं ने अपने प्रभाव से टिकट बेचे, जिसके कारण राजद को करारी हार का सामना करना पड़ा।

वीरेन्द्र ने कहा कि यह गंभीर मामला है और इसकी जिम्मेदारी तय करने के लिए गहन जांच की जानी चाहिए।

राजद विधायक ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कुछ पार्टी नेताओं की संदिग्ध भूमिका के कारण राजद ने चुनाव में वास्तविक और योग्य उम्मीदवारों को मौका नहीं दिया। उन्होंने बताया कि एक वरिष्ठ नेता के पास तीन जिलों रोहतास, कैमूर और बक्सर की जिम्मेदारी थी, लेकिन उनका व्यवहार, आचरण और सिद्धांत समाजवादी भावना के अनुकूल नहीं था।

राजद विधायक ने कहा कि एक खास नेता टिकट आवंटन में गलत उम्मीदवारों के चयन के लिए जिम्मेदार थे, जिसके कारण राजद का प्रदर्शन खराब रहा। उन्होंने पार्टी से मांग की कि ऐसे नेताओं को बेनकाब करने के लिए गहन जांच कराई जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राजद के पूर्व विधायक और एक ईमानदार एवं प्रतिबद्ध कार्यकर्ता विजय मंडल को गलत चयन के कारण पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी टिकट नहीं दिया गया। इस बीच राजद विधायक के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि उनके आरोपों से यह आशंका अब सच में तब्दील हो गई है कि राजद में टिकट बेचे गए। उन्होंने कहा कि यही कारण था कि पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में राजद को करारी हार झेलनी पड़ी। गौरतलब है कि पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में राजद को केवल 25 सीटें मिली थीं, जो वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में जीती गई 75 सीटों की तुलना में भारी गिरावट है।

जो मुद्दे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ उठाना है, न कि किसी सार्वजनिक मंच पर।" उन्होंने यह भी कहा कि वे संसद सत्र के लिए दिल्ली जाएंगे, जहां उन्हें पार्टी नेतृत्व के साथ एक उचित और सुव्यवस्थित बातचीत का अवसर मिलने की उम्मीद है। उन्होंने जोर देकर कहा, "मैं पिछले 17 वर्षों से कांग्रेस में हूं। जो भी गलत हुआ है, उसे संबोधित किया जाना चाहिए और सही मंच पर किया जाएगा।"

ट्रम्प के "ग़ाज़ा स्ट्रिप प्लान" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिकी अधिकारियों ने असामान्य रूप से कड़े शब्दों में स्पष्ट किया कि अमेरिका इज़रायल की आपत्तियों की परवाह किए बिना इस ढांचे के साथ आगे बढ़ेगा। संदेश साफ था: अमेरिकी धैर्य कम हो रहा है, और नेतन्याहू सरकार के साथ स्वतःस्फूर्त रणनीतिक तालमेल का दौर खत्म हो चुका है।

यह प्रकरण ट्रंप के वाइट हाउस की गठबंधनों को लेकर बदलती सोच को दर्शाता है। ट्रंप ने कभी भी अपनी लेन-देन आधारित विदेश नीति को छिपाया नहीं है। नाटो से लेकर पूर्वी एशिया तक, वे बार-बार संकेत देते रहे हैं कि गठबंधन पवित्र प्रतिबद्धताएं नहीं, बल्कि उपकरण हैं। इस दृष्टिकोण में, इज़रायल-जिसे ऐतिहासिक रूप से अमेरिकी विदेश नीति में लगभग अपवाद माना जाता रहा है-भी तब दबाव से मुक्त नहीं है जब अमेरिकी रणनीतिक प्राथमिकताएं अलग दिशा में जा रही हैं।

ग़ाज़ा को लेकर वॉशिंगटन की योजना कई परस्पर जुड़ी मजबूरियों से प्रेरित है। पहला, अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय दबाव है कि वह ग़ाज़ा के लिए एक विश्वसनीय शासन-मार्ग प्रस्तुत करे जब बड़े सैन्य अभियान समाप्त हों। दूसरा, वॉशिंगटन ऐसी क्षेत्रीय शक्तियों की भागीदारी चाहता है जो धन, प्रशासनिक क्षमता और कूटनीतिक समर्थन दे सकें, जो निकट भविष्य में न तो इज़रायल और न ही फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण अकेले प्रदान कर सकते हैं। क़तर के पास धन है और वह हमास को भी प्रभावित करता है, तुर्की क्षेत्रीय प्रभाव और मुस्लिम दुनिया में पकड़ रखता है। अमेरिकी दृष्टि से, उन्हें बाहर रखना इज़रायल के लिए राजनीतिक रूप से आरामदेह हो सकता है, लेकिन रणनीतिक रूप से अव्यावहारिक है।

नेतन्याहू के लिए, यह योजना उनके राजनीतिक अस्तित्व के मूल पर प्रहार करती है। कोई भी युद्धोत्तर व्यवस्था जो घरेलू स्तर पर इज़रायल की सुरक्षा से समझौता करती दिखे-या इज़रायल के प्रति शत्रुतापूर्ण ताक़तों को सशक्त करती लगे-उनके पहले से नाज़ुक गठबंधन को तोड़ सकती है। वॉशिंगटन के खिलाफ सार्वजनिक रूप से कड़ा रुख अपनाना उन्हें अपने समर्थक आधार के सामने मजबूती का संकेत देने का अवसर भी देता है, ऐसे समय में जब देश के भीतर उनका नेतृत्व सवालों के घेरे में है।

तो सवाल यह है कि क्या ट्रंप इतने खुले तौर पर आगे बढ़कर सहयोगियों को खोने का जोखिम उठा रहे हैं?

इसका जवाब साधारण हां या ना में नहीं है। ट्रंप के कारण इज़रायल को पारंपरिक अर्थों में "खोना" अमेरिका के लिए संभव नहीं दिखता। सैन्य सहयोग, खुफिया साझेदारी और गहरे संस्थागत रिश्ते बरकरार हैं, और इज़रायल के पास अमेरिकी समर्थन के व्यवहारिक विकल्प बहुत कम हैं। लेकिन जो स्पष्ट रूप से कमजोर पड़ रहा है, वह है बिना सवाल के रणनीतिक तालमेल की धारणा। सहयोगियों को अब यह संदेश मिल रहा है कि असहमति वॉशिंगटन को कदम उठाने से नहीं रोकेगी-और यह संदेश इज़रायल से कहीं आगे तक गूंज रहा है। यूरोप में भी सुरक्षा और व्यापार पर अमेरिकी अनिश्चितता को लेकर इसी तरह की चिंताएं उभरी हैं। मध्य पूर्व में साझेदार अपने विकल्पों का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं, संतुलन बना रहे हैं और संबंधों में विविधता ला रहे हैं। ग़ाज़ा विवाद इस बढ़ती धारणा को मजबूत करता है कि ट्रंप के तहत अमेरिकी नीति दीर्घकालिक गठबंधन प्रबंधन के बजाय अल्पकालिक दबाव को प्राथमिकता देती है।

वॉशिंगटन के लिए इस दृष्टिकोण में जोखिम हैं। सहयोगी सामरिक रूप से तो सहयोग कर सकते हैं, लेकिन समय के साथ चुपचाप अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम कर सकते हैं। एक बार भरोसा कमज़ोर पड़ जाए, तो उसे बहाल करना कठिन होता है-और सार्वजनिक टकराव उस क्षरण को और भी स्पष्ट कर देते हैं।

फिर भी ट्रंप के दृष्टिकोण से यह गणना जानबूझकर की गई लगती है। वे गठबंधनों में तनाव स्वीकार करने को तैयार दिखते हैं, यदि इससे अमेरिका बातचीत को लंबा खींचने के बजाय परिणाम थोप सके। ग़ाज़ा के मामले में वाइट हाउस को लगता है कि देरी और अत्यधिक रियायतें केवल अस्थिरता को बढ़ाएंगी-भले ही इसके लिए इज़रायल की आपत्तियों को दरकिनार करना पड़े।

ग़ाज़ा निगरानी बोर्ड सफल होगा या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन यह प्रकरण एक मोड़ ज़रूर दर्शाता है: अमेरिका-इज़रायल संबंध अब स्वतःसंचालित मोड में नहीं हैं। और यही बदलाव, जो योजना से अधिक है, वह बात है जिसे दुनिया भर के सहयोगी सबसे ध्यान से देख रहे हैं।

गणतंत्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह ऐतिहासिक संयुक्त निमंत्रण एक मजबूत कूटनीतिक पहल का संकेत देता है और साथ ही यूरोपीय यूनियन (ईयू) को एकीकृत रणनीतिक साझेदार के रूप में नई दिल्ली की भागीदारी में बड़े बदलाव को दर्शाता है। यह कदम अहम व्यापार वार्ताओं से पहले भारत और ईयू के बीच मजबूत होते आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को रेखांकित करता है।

यह पहला अवसर है, जब यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व को एक साथ भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में आमंत्रित किया गया है, जो ब्रसेल्स के साथ नई दिल्ली के संबंधों में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है।

यह निमंत्रण कई मायनों में ऐतिहासिक है। बीते दशकों में भारत ने कई नेताओं की मेजबानी की है, लेकिन यह पहला अवसर है, जब यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व सामूहिक रूप से ईयू के प्रतिनिधि के रूप में शामिल होंगे।

भारत ने 1950 से अब तक प्रत्येक गणतंत्र दिवस परेड में केवल एक ही नेता को आमंत्रित किया है। ज्ञातव्य है कि 1952, 1953, 1966 और 2022 में किसी अतिथि को आमन्त्रित नहीं किया।

'10 साल में ए.आई. के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया जाए, तो ए.आई. हेल्थकेयर को रिएक्टिव ट्रीटमेंट से प्रिवेंटिव केयर में बदलने में मदद कर सकता है, जिससे लागत को नियंत्रित करते हुए परिणाम बेहतर होंगे।

फाइनेंशियल सर्विसेज़ में, ए.आई. से क्रेडिट तक पहुंच आसान हो सकती है, जोखिम मूल्यांकन में सुधार और पर्सनलाइज़्ड फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स का विस्तार होने की उम्मीद है, खासकर उन व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों के लिए, जिनके पास बैंकिंग सुविधाएं कम हैं। इस बीच, रिटेल में स्मार्ट सप्लाई चेन, मांग पूर्वानुमान और हाइपर-पर्सनलाइज़्ड कस्टमर एंगेजमेंट के माध्यम से लाभ देखा जा सकता है, जिससे दक्षता और खपत दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

पी.डब्ल्यु.सी. के फ्रेमवर्क का जोर खासियत ए.आई. को शामिल करने पर है। फर्म का कहना है कि भारत की ताकतें, उसके विशाल और अलग-अलग तरह के डेटा सेट, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे आधार, यू.पी.आई. और इंडिया स्टैक, और टेक टैलेंट का बड़ा पूल, देश को ऐसी ए.आई. प्रणालियाँ बनाने में सक्षम बनाती हैं, जो अलग-अलग भाषाओं, साक्षरता स्तरों और आय वर्गों के लिए काम कर सकें। अगर भारत इसे सही तरीके से करता है, तो यह दुनिया को ए.आई. डेवलपमेंट का एक काउंटर-मॉडल दे सकता है, जिस पर अभी कुछ विकसित देशों और बड़ी टैक कंपनियों का दबदबा है।

पी.डब्ल्यु.सी. यह भी चेतावनी देता है कि 550 बिलियन अमेरिकी डॉलर के इस अवसर को हासिल करने के लिए मिलकर काम करने की ज़रूरत होगी। इसके लिए डिजिटल और भौतिक ढांचे में लगातार निवेश, बड़े पैमाने पर कौशल प्रशिक्षण और पुनः प्रशिक्षण, मज़बूत डेटा गवर्नेंस व्यवस्था और नैतिक और ज़िम्मेदार ए.आई. इस्तेमाल को सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट नियम आवश्यक हैं। इनके बिना, ए.आई. साझा समृद्धि का जरिया बनने के बजाय असमानता का एक और स्रोत बन सकता है।

सबसे ज़रूरी बात, कंपनी की रिपोर्ट ए.आई. को इंसानी श्रम के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि एक ऑग्मेंटेशन टूल के रूप में देखती है, एक ऐसा टूल, जो भारत जैसी श्रम-प्रधान अर्थव्यवस्था में उत्पादकता बढ़ा सकता है, न कि उसे खत्म कर सकता है। पी.डब्ल्यु.सी. का तर्क है कि यहीं भारत के वैश्विक नेतृत्व का अवसर छिपा है, यह दिखाना कि ए.आई. को आबादी के बड़े पैमाने पर कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है, जबकि, साथ ही साथ यह किफायती हो, सुलभ हो और सामाजिक रूप से जुड़ा रहे।

जैसे-जैसे देश अपनी ए.आई. रणनीतियों को परिभाषित करने की होड़ में हैं, पी.डब्ल्यु.सी. का आकलन बताता है कि भारत के सामने अब यह चुनौती नहीं है कि वह ए.आई. अपनाएगा या नहीं, बल्कि यह है कि वह इसे कैसे करेगा। अगर इसे समावेशन, गवर्नेंस और पैमाने के साथ जोड़ा जाए, तो ए.आई. न सिर्फ विकास को गति देने वाला बन सकता है, बल्कि अगले दशक में भारत की आर्थिक कहानी का एक निर्णायक स्तंभ भी बन सकता है।

वंदे मातरम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शक्तिशाली उद्घोष बना था। अब सरकार इसे उस स्थिति में पुनः स्थापित करना चाहती है, जिसे वह राष्ट्रीय गौरव का मूल स्वरूप मानती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908